● वर्ष : 17 ● अंक : 161 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS
RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित बुधवार 01 अप्रैल 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

जैन धर्म का अहिंसा का संदेश पूरी मानवता के लिए जरूरी: प्रधानमंत्री

एजेंसी। गांधीनगर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि दुनिया आज अस्थिरता और अशांति के दौर से गुजर रही है और ऐसे समय में जैन धर्म का अहिंसा का संदेश पूरी मानवता के लिए बेहद प्रासंगिक है। महावीर जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री गुजरात के गांधीनगर स्थित कोबा तीर्थ में सम्राट संप्रति संग्रहालय का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, "आज दुनिया में जिस तरह के हालात हैं। विश्व अस्थिरता और अशांति की आग में झुलस रहा है। इस संग्राहलय की विरासत, इसका संदेश भारत ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए अहम है। हमारा प्रयास होना चाहिए दुनिया के देशों से यहां आने वाले जिज्ञासु, विद्यार्थी और शोधकर्ता और अन्य लोग भारत के जैन धर्म की शिक्षाओं को विश्व के कौने-कौने में पहुंचाएं।" उन्होंने भगवान महावीर को नमन करते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक हालात चिंता का विषय है, जहां कई क्षेत्रों में संघर्ष और अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे समय में जैन दर्शन के अहिंसा, सत्य, अस्तेय और अपरिग्रह के सिद्धांत दुनिया को नई दिशा दे सकते

हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सम्राट संप्रति ने शासन को सेवा का माध्यम बनाकर अहिंसा के विस्तार का कार्य किया और उनका जीवन आज भी प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि संग्रहालय न केवल भारत की प्राचीन धरोहर को संरक्षित करता है बल्कि आने वाली पीढ़ियों को इससे जोड़ने का माध्यम भी बनेगा। मोदी ने कहा कि भारत में ज्ञान की परंपरा हमेशा समृद्ध रही है लेकिन विदेशी आक्रमणकारियों ने मजहबी संक्रीणता में तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों की अमूल्य पांडुलिपियां नष्ट कर दीं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी इन धरोहरों के संरक्षण पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकारों ने पांडुलिपियों की उपेक्षा की, लेकिन अब उन्हें खोजने, सहेजने और संरक्षित करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में 'ज्ञान भारतम मिशन' जैसे कदम उठाए गए हैं, जिसमें आधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से प्राचीन पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है और उन्हें वैज्ञानिक तरीकों से संरक्षित किया जा रहा है। इन प्रयासों में उच्च-गुणवत्ता वाली स्कैनिंग, रासायनिक उपचार और व्यापक डिजिटल संग्रहों का निर्माण शामिल है। इन सभी का उद्देश्य हमारी समृद्ध विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है। उल्लेखनीय है कि सम्राट संप्रति संग्रहालय जैन धर्म की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत को प्रदर्शित करता है।

मोदी ने श्रीमद् सुधींद्र तीर्थ स्वामीजी को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को श्रीमद् सुधींद्र तीर्थ स्वामीजी की जन्म शताब्दी के विशेष अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि श्रीमद् सुधींद्र तीर्थ स्वामीजी ने स्वयं को सेवा और आध्यात्मिकता के लिए समर्पित कर दिया और समाज पर अमिट छाप छोड़ी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, " मैं श्री काशी मठ संस्थान, वाराणसी के सुधींद्र तीर्थ स्वामीजी की जन्म शताब्दी के विशेष अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने अपना जीवन सेवा और आध्यात्मिकता को समर्पित कर दिया। तीर्थ स्वामीजी अनेक संस्थानों, अनुसंधान केंद्रों की स्थापना की और लोगों में शिक्षा का आनंद फैलाने के लिए तत्पर रहे। उनकी शिक्षाओं में सादगी, दयालुता और धर्मपरायणता का बल मिलता है। भारत की संस्कृति और मूल्यों के संरक्षण और प्रसार के उनके प्रयास भी उतने ही सराहनीय हैं, जिनकी उत्पत्ति हमारी भूमि में हुई थी।

पीएम ने भगवान महावीर जयंती पर दिया करुणा और दया के रास्ते पर चलने का संदेश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज भगवान महावीर के जन्म कल्याणक के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर का जीवन और उनके उपदेश सत्य, अहिंसा और करुणा के मार्ग को प्रकाशित करते हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि भगवान महावीर के आदर्श आध्यात्मिक रूप से प्रेरणादायक होने के साथ-साथ आज के समय में भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। समानता और दया पर उनका जोर हमें समाज के प्रति हमारी साझा जिम्मेदारी की याद दिलाता है। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि सत्य, सद्भाव, सद्व्यवहार और समानता पर आधारित भगवान महावीर के संदेशों में अद्भुत प्रेरणा है। उनके महान विचार सदैव मानवता के पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे। प्रधानमंत्री ने संस्कृत में सुभाषित भी साझा किया, श्रूयतां धर्मसर्वस्वं श्रुत्वा चैवावधार्यताम्। आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत्॥ इस सुभाषित का अर्थ है कि जिस प्रकार का व्यवहार हमें स्वयं के लिए अच्छा नहीं लगता, वैसा व्यवहार हमें दूसरों के साथ भी नहीं करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि भगवान महावीर का जन्म कल्याणक जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

रुपये की गिरावट रोकने रिजर्व बैंक के एक्शन से बैंकों पर दबाव

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले में लगातार गिरता चला जा रहा है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 95.30 के स्तर तक पहुंच गई है। इस वर्ष डॉलर के मुकाबले रुपए में करीब 11 प्रतिशत की गिरावट हुई है। पिछले 14 वर्षों में यह सबसे बड़ी गिरावट है। इस स्थिति को संभालने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कड़ा कदम उठाते हुए बैंकों की नेट ओपन रुपया (एनओपी) पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा तय कर दी है। आरबीआई के निर्देश के अनुसार, सभी अधिकृत विदेशी मुद्रा डीलरों को 10 अप्रैल से प्रत्येक कारोबारी दिन के अंत में अपनी ओपन पोजीशन इस तय सीमा के भीतर रखनी होगी।

इससे पहले बैंकों को अपनी कुल पूंजी के 25 प्रतिशत तक डॉलर मुद्रा रखने की छूट थी। जिससे बैंकों और डीलरों के लिए डॉलर रखने की कोई सीमा नहीं थी। रिजर्व बैंक द्वारा डॉलर की सीमा निर्धारित कर दिए जाने के कारण अब रुपए के मुकाबले डॉलर की मांग कम होगी। रिजर्व बैंक ने डॉलर और रुपए की सट्टेबाजी को रोकने के लिए यह कदम उठाया है। जिस तरह से डॉलर की कीमत बढ़ रही थी उसके साथ ही सट्टेबाजी में डॉलर मुद्रा का उपयोग हो रहा था जिसके कारण रुपए में अकारण गिरावट देखने को मिल रही थी। वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक का मानना है की सीमा निर्धारित कर दिए जाने से सट्टेबाजी में रोक लगेगी। कुछ बड़े निवेशक डॉलर का उपयोग सट्टेबाजी के लिए कर रहे थे। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, रिजर्व बैंक के इस फैसले से बैंकों और ट्रेडर्स को डॉलर मे निवेश को कम करना पड़ेगा, जिससे डॉलर की मांग कम होगी, इससे रुपये को मजबूती मिलेगी।

रिजर्व बैंक की इस कार्रवाई से कई दुष्प्रभाव भी देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, बैंकों को 30 से 45 अरब डॉलर की पोजीशन को कम या समाप्त करना पड़ सकता है, भविष्य में डॉलर की कमी से डीलरों, बैंकों और आयातकों को नुकसान हो सकता है। हाल ही में रुपए में मजबूती जरूर आ जाएगी, लेकिन भविष्य में इसका बड़ा दुष्प्रभाव भी देखने को मिल सकता है। डॉलर मुद्रा को लेकर छोटे लेन-देन में इसका दुष्प्रभाव पड़ेगा। वहीं डॉलर मुद्रा में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। जिससे बाजार में अस्थिरता बढ़ने का खतरा है। रिजर्व बैंक ने जो सीमा निर्धारित की है, पूर्व में किए गए अनुबंध और डॉलर के लेन-देन पर इसका असर पड़ना तय है। बैंकों को इस कारण भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। सभी बैंक एक साथ डॉलर मुद्रा को इस सीमा पर लाने की कार्रवाई करते हैं, तो बाजार में डॉलर की आपूर्ति अचानक बढ़ेगी। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में सुधार आएगा। आगे चलकर यह स्थिति भविष्य के लिए जटिल हो सकती है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस. पेंढारकर पाकिस्तान सीमा पर नए डीजीएमओ होंगे

नई दिल्ली। भारतीय सेना में बड़ा बदलाव किया जा रहा है। अब लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत

एस. पेंढारकर पाकिस्तान सीमा पर नए डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) होंगे। वह उत्तर-पूर्व में सेना की स्पीयर कॉर्प्स की कमान संभालने वाले अनुभवी अधिकारी हैं। मौजूदा डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (स्ट्रेटेजी) के तौर पर जिम्मेदारी दी जाएगी, जिससे बदलते युद्ध के माहौल में ऑपरेशनल स्ट्रेटेजी को एक नई दिशा मिलेगी। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई अक्टूबर, 2024 में डीजीएमओ नियुक्त हुए थे। वे सेना के अभियानों, खुफिया समन्वय और पाकिस्तान के साथ सीजफायर वार्ता में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। उनके नेतृत्व में भारतीय सेना ने पिछले साल मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरानआतंकी ठिकानों को नष्ट किया, जिसके बाद पाकिस्तान ने सीजफायर की गुहार लगाई थी। उन्होंने अपने सैन्य करियर की शुरुआत 1989 में कुमाऊं रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करके की। इससे पहले वे श्रीनगर स्थित 15वीं कोर (चिनार कॉर्प्स) के कमांडर थे, क्योंकि उन्हें जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों और सीमा पार सैन्य कूटनीति का विशेषज्ञ माना जाता है। उन्हें उत्तम युद्ध सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल और सेना मेडल से सम्मानित किया जा चुका है। जून, 2025 से वह डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (स्ट्रेटजी) का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे, जो सेना में बेहद महत्वपूर्ण नियुक्ति है।

एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की पश्चिम एशिया से आज 36 उड़ानें

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस मिलकर आज इस क्षेत्र से आने-जाने वाली 36 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित करेंगी। एयरलाइन ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस मिलकर 31 मार्च को पश्चिम एशिया क्षेत्र से कुल 36 शेड्यूल्ड (निर्धारित) और नॉन-शेड्यूल्ड (विशेष) उड़ानें संचालित करेंगे। विमानन कंपनी ने कहा कि ये परिचालन क्षेत्र में जारी तनाव के बीच यात्रियों की सुविधा के लिए किया जा रहा है। एयर इंडिया ने बताया कि ये एयरलाइन के मुताबिक कुल 36 एयर इंडिया उड़ानों में से, 20 को 'नॉन-शेड्यूल्ड सेवाओं' के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो संयुक्त अरब अमीरात से आने-जाने का काम करती हैं। इनमें मुख्य रूप से दुबई, अबू धाबी, रियाद और मस्कट जैसे जैसे प्रमुख गंतव्यों के लिए उड़ानें शामिल हैं। एयरलाइन ने कहा कि ये उड़ानें, यात्रा के समय प्रस्थान स्टेशनों पर स्लॉट की उपलब्धता और अन्य मौजूदा स्थितियों पर निर्भर रहेंगी। कंपनी ने अपनी आधिकारिक प्रेस रिलीज में जानकारी दी कि सभी उड़ानें, संबंधित भारतीय नियामक प्राधिकरणों के साथ-साथ यूएई के स्थानीय अधिकारियों से आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने के बाद ही संचालित की जा रही हैं।

जैश सरगना मसूद अजहर को लगा झटका, भाई और आतंकी मास्टरमाइंड ताहिर अनवर की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के भीतर उस समय हड़कंप मच गया जब इसके सरगना मसूद अजहर के बड़े भाई ताहिर अनवर की अचानक मौत की खबर सामने आई। ताहिर की मौत का कारण अभी भी रहस्य बना हुआ है। मसूद अजहर, जो पहले ही ऑपरेशन सिंदूर में अपने परिवार के कई सदस्यों को खो चुका है, उसके लिए ताहिर की मौत एक अपूरणीय क्षति मानी जा रही है। ताहिर अनवर महज मसूद अजहर का भाई नहीं था, बल्कि वह जैश-ए-मोहम्मद के तमाम आतंकी मंसूबों का मुख्य रणनीतिकार और फ्रेमवर्क तैयार करने वाला मास्टरमाइंड था। 11 भाई-बहनों में सबसे बड़ा होने के कारण ताहिर का कद संगठन में बहुत ऊंचा था। साल 2000 में जैश की स्थापना के समय से ही उसने पर्दे के पीछे रहकर सैन्य मामलों की कमान संभाली थी। जहां मसूद अजहर सार्वजनिक रूप से जहर उगलने और संगठन का चेहरा बनने के लिए जाना जाता था, वहीं ताहिर ने कभी खुद को सार्वजनिक नहीं किया। वह बहावलपुर स्थित जैश के मुख्यालय मरकज उस्मान ओ अली से ही अपनी गतिविधियों को संचालित करता था। आतंकी संगठन में ताहिर अनवर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। उसे संगठन की रीढ़ माना जाता था क्योंकि आतंकियों की भर्ती से लेकर उनके प्रशिक्षण शिविरों के संचालन तक की पूरी जिम्मेदारी उसी के पास थी। हाल ही में ताहिर ने एक बेहद खतरनाक कदम उठाते हुए जैश की महिला आतंकी विंग जमात उन मोमिनत की शुरुआत की थी। वह इन महिलाओं को आतंकी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित कर रहा था ताकि संगठन को एक नया और घातक विस्तार दिया जा सके।

सेमीकंडक्टर प्लांट 14 महीनों में तैयार हुआ, भारत बनेगा वैश्विक हब: अश्विनी वैष्णव

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को अहमदाबाद के साणंद जीआईडीसी स्थित केयन्स सेमीकॉन संयंत्र के उद्घाटन अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के हर इंजीनियर का सपना साकार हो रहा है और भारत तेजी से सेमीकंडक्टर क्षेत्र में वैश्विक पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि महज 14 महीनों में फाउंडेशन से लेकर कमर्शियल प्रोडक्शन की शुरुआत होना प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और राज्य सरकार के सतत प्रयासों का परिणाम है। यह उपलब्धि भारत के औद्योगिक विकास और तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

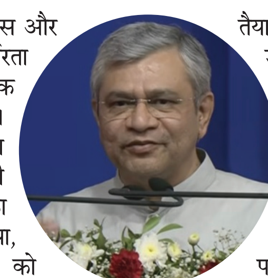

वैष्णव ने बताया कि 28 फरवरी को पहले प्लांट का उद्घाटन हुआ था, जबकि 31 मार्च को दूसरे प्लांट का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि जुलाई तक तीसरा प्लांट भी शुरू हो जाएगा। वर्ष 2026 तक चार सेमीकंडक्टर प्लांट तैयार हो जाएंगे और 2027 तक दो और प्लांट शुरू होंगे। इसके अलावा, धोलेरा में भारत की पहली सेमीकंडक्टर फैक्ट्री 2028 तक तैयार होने की उम्मीद है। उन्होंने गुणवत्ता और लागत प्रतिस्पर्धा पर जोर देते हुए कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर टिके रहने के लिए इन दोनों पहलुओं में श्रेष्ठता हासिल करनी होगी। उन्होंने बताया कि देश में करीब 60,000 इंजीनियरों को उन्नत चिप डिजाइन टूल्स जैसे सिपनोपिस और केडेंस पर प्रशिक्षण दिया गया है और 315 विश्वविद्यालयों में यह क्षमता विकसित की जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज दुनिया की अग्रणी कंपनियां भारत में 2 नैनोमीटर तक की अत्याधुनिक चिप्स का डिजाइन कर रही हैं। "डिजाइन इन इंडिया" और "मेक इन इंडिया" के तहत पूरा सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम देश में विकसित हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि "सेमीकॉन 2.0" के तहत प्रधानमंत्री ने स्पष्ट दिशा दी है कि सेमीकंडक्टर से जुड़े केमिकल्स, गैसेस और मशीनरी का निर्माण भी भारत में ही होना चाहिए, ताकि देश पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बन सके। वैष्णव ने विश्वास जताया कि वर्ष 2032 तक भारत दुनिया के शीर्ष छह सेमीकंडक्टर देशों में शामिल होगा और 2047 तक शीर्ष तीन देशों में अपनी जगह बनाएगा।

बिहार में शीतला अष्टमी मंदिर में भगदड़, 8 श्रद्धालुओं की मौत, दर्जनों लोग घायल

नालंदा। बिहार के नालंदा जिले के मघड़ा गांव स्थित माता शीतलाष्टमी मंदिर में मंगलवार सुबह भगदड़ की घटना में 8 लोगों की मौत हो गई और दर्जनभर से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में सभी महिलाएं बताई जा रही हैं। मृतकों में से 2 की पहचान सकुन्त बिहार निवासी दिनेश रजक की 50 वर्षीय पत्नी रीता देवी और मथुरापुर नूरसराय निवासी कमलेश प्रसाद की 45 वर्षीय पत्नी रेखा देवी के रूप में हुई है। घायल श्रद्धालुओं को इलाज के लिए मॉडल अस्पताल भेजा गया है। घटना के बाद मंदिर और अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। बताया गया है कि मंगलवार सुबह शीतला अष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर में जुटी थी। इसी दौरान मंदिर में भगदड़ मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी पहुंचे हैं और बचाव कार्य शुरू किया। फिलहाल इस बात का पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि भगदड़ की वजह क्या थी। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि मंदिर में काफी भीड़ थी लेकिन उस हिसाब से सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए थे। ज्ञात हो कि माघड़ा गांव, जो बिहारशरीफ से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित है, में शीतला अष्टमी के दिन परंपरा के अनुसार भक्तों के घरों में चूल्हा नहीं जलता और एक दिन पहले ठंडा भोजन (बासी) माता को भोग के रूप में अर्पित किया जाता है।

चुनावी मैदान में 'फ्रीबीज' की होड़, वादों की बारिश में असली मुद्दे गायब

नई दिल्ली। देश के 05 राज्यों में मतदान की तारीख करीब आने से विधानसभा चुनावों की सरगर्मी बढ़ गई है। ऐसे में राजनीतिक दलों के बीच 'फ्रीबीज' यानी लोकलुभावन योजनाओं की होड़ तेज हो गई है। चुनावी माहौल में जनता को लुभाने के लिए बड़े-बड़े वादे किए जा रहे हैं, जिसके चलते रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूल मुद्दे पीछे छूटते नजर आ रहे हैं। इन चुनावी राज्यों में जहां भाजपा बहुसंख्यक वोटबैंक को साधने के लिए लोकलुभावन वादे किए जा रही है तो वहीं पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार ने 'लक्ष्मी भंडार' योजना की राशि बढ़ाने और बेरोजगार युवाओं को आर्थिक सहायता देने की घोषणा

की है। वहीं, कांग्रेस ने असम में सत्ता में आने पर महिलाओं को स्वरोजगार के लिए 50 हजार रुपये देने का वादा किया है। तमिलनाडु में एएमएमके ने किसानों की कर्ज माफी समेत 120 से अधिक वादों का ऐलान किया है। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह ट्रेंड अब चुनावी राजनीति का स्थायी हिस्सा बनता जा रहा है, जहां एक दल दूसरे से अधिक आकर्षक घोषणाएं कर जनता का ध्यान खींचने की कोशिश करता है।

असम चुनाव: बीजेपी का घोषणापत्र जारी, 5 लाख करोड़ निवेश और 'जमीन जिहाद' पर रोक का वादा

एजेंसी। गुवाहाटी

असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मंगलवार को अपना चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुवाहाटी स्थित पार्टी कार्यालय में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया की मौजूदगी में 'संकल्प पत्र' का विमोचन किया। जारी घोषणापत्र में बीजेपी ने राज्य में पुनः सत्ता में आने पर 5 लाख करोड़ रुपये के निवेश का वादा किया है। इसके साथ ही 'जमीन जिहाद' पर सख्त रोक लगाने और भूमि से जुड़े अवैध कब्जों पर कार्रवाई की बात कही गई है। पार्टी ने 'सुरक्षित असम, विकसित असम' के लक्ष्य को दोहराते हुए कई बड़े विकासात्मक वादे किए हैं। घोषणापत्र जारी करते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में असम की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने दावा किया कि राज्य की जीडीपी करीब तीन गुना बढ़ी है और प्रति व्यक्ति आय 2020-21 के 1.03 लाख रुपये से बढ़कर 2024-25 में 1.59 लाख रुपये तक पहुंच गई है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जो बदलाव पिछले दशक में हुए, वे दशकों के शासन में संभव नहीं हो पाए थे। बीजेपी ने युवाओं को ध्यान में रखते हुए अगले पांच वर्षों में 2 लाख रोजगार देने का वादा किया है। साथ ही 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज, वन यूनिवर्सिटी और वन इंजीनियरिंग कॉलेज' की योजना को भी प्रमुखता दी गई है।

महावीर जयंती पर राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और गृहमंत्री समेत केंद्रीय मंत्रियों ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी। नई दिल्ली

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर जयंती के अवसर पर राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और गृहमंत्री समेत अनेक केंद्रीय मंत्रियों ने देशवासियों, विशेषकर जैन समुदाय के सभी लोगों को शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक्स पोस्ट में लिखा कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर जयंती के अवसर पर सभी देशवासियों, विशेषकर जैन समुदाय के सभी लोगों को शुभकामनाएं। भगवान महावीर ने अहिंसा, सत्य और आत्मसंयम की शिक्षा दी तथा लोगों को करुणामय जीवन जीने की प्रेरणा दी। भगवान महावीर के उपदेशों से प्रेरणा लेकर हम एक अधिक संवेदनशील, शांतिपूर्ण और समावेशी

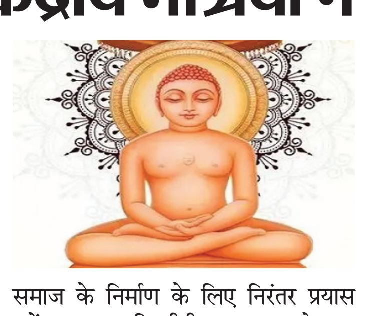

समाज के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करें। उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि भगवान महावीर की कालजयी शिक्षाएं हमें आत्म-अनुशासन, करुणा और सद्भाव के जीवन की ओर मार्गदर्शन करती रहती हैं। भगवान महावीर का आशीर्वाद हमारे समाज में शांति, अहिंसा और भाईचारे की भावना को मजबूत करे। केंद्रीय गृह और सहकारितामंत्री अमित शाह ने भगवान महावीर जन्म कल्याणक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महावीर के पंचशील सिद्धांत केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन नहीं, बल्कि एक सशक्त, नैतिक और समरस राष्ट्र निर्माण के अटूट आधार हैं। उनके सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह और समता के आदर्श युवाओं को अनुशासन, संवेदनशीलता और राष्ट्रहित के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। सड़क और परिवहनमंत्री नितिन गडकरी ने समस्त देशवासियों को महावीर जयंती शुभकामनाएं देते हुए कहा कि त्याग, सत्य, अहिंसा के प्रतीक भगवान महावीर ने अपनी तपस्या से संपूर्ण मानव जाति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। उनके विचार पीढ़ियों को मार्ग दिखाते रहेंगे।

एलपीजी संकट से थमीं फैक्ट्रियां, कालाबाजारी के बीच मजदूरों का मजबूरी वाला पलायन

नई दिल्ली। मिडिल-ईस्ट में जारी भीषण युद्ध की तपिश अब भारतीय रसोई और औद्योगिक गलियारों तक पहुंच गई है। कच्चे तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति बाधित होने से भारत के कई राज्यों में एलपीजी का गंभीर संकट पैदा हो गया है, जिसने आम जनजीवन के साथ-साथ देश की आर्थिक रफ्तार को भी हिला दिया है। राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे औद्योगिक राज्यों में हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि कमर्शियल और घरेलू गैस की किल्लत के कारण हजारों लोग बेरोजगार होकर अपने गांवों की ओर लौटने को मजबूर हैं। राजस्थान में स्थिति सबसे भयावह है, जहां कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई ठप होने से कपड़ा, मार्बल, सेरामिक और केमिकल फैक्ट्रियों में ताले लग गए हैं। रींगस, सीतापुरा और बगरू जैसे औद्योगिक क्षेत्रों की सप्लाई चेन पूरी तरह ध्वस्त होने की खबरें आ रहीं है। जयपुर रेलवे स्टेशन पर इन दिनों प्रवासी मजदूरों की भारी भीड़ देखी जा रही है, जो अपना बोरिया-बिस्तर समेटकर उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल जाने वाली ट्रेनों में किसी भी तरह सवार होने की जद्दोजहद कर रहे हैं।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

वरिष्ठ आईएएस वीर विक्रम यादव होंगे डीजीसीए के अगले महानिदेशक

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी वीर विक्रम यादव को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) का महानिदेशक नियुक्त किया है। वह फैज अहमद किदवई की जगह लेंगे। यादव वर्तमान में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्यरत हैं। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) की ओर से मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार मध्य प्रदेश कैडर के 1996 बैच के आईएस अधिकारी फैज अहमद किदवई को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है। अब वरिष्ठ आईएएस वीर विक्रम यादव डीजीसीए में महानिदेशक के रूप में फैज अहम किदवई की जगह लेंगे। अधिसूचना के मुताबिक विक्रम यादव की नियुक्ति नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत नागरिक उड्डयन महानिदेशालय में महानिदेशक के रूप में की गई है। वीर विक्रम यादव 1996 बैच के ओडिशा कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी है। वे वर्तमान में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं।

अवैध गतिविधि में धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए लाया गया है एफसीआरए विधेयकः किरेन रिजिजू

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। विदेशी अंशदान (विनियमन) (एफसीआरए) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर विपक्षी दलों के आरोपों को खारिज करते हुए केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि किसी भी अवैध गतिविधियों में धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए यह विधेयक लाया गया है। मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि केरल में वामदलो और कांग्रेस द्वारा कुछ अफवाहें फैलाई जा रही हैं कि भारत सरकार विभिन्न धार्मिक संगठनों की गतिविधियों को रोकने के लिए एफसीआरए संशोधन विधेयक ला रही है। लेकिन प्रस्तावित संशोधन विधेयक केवल भारत में विदेशी धन के विनियमन के लिए, किसी भी अवैध गतिविधि में धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि विदेशों से अवैध रूप से पैसा आता है और उसका इस्तेमाल राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ किया जाता है। इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय हित में प्रस्तावित संशोधन लेकर सरकार लाई है। किरेन रिजिजू ने आरोप लगाया कि वामपंथी दल और कांग्रेस प्रस्तावित संशोधनों को लेकर झूठी अफवाहें फैला रहे हैं, क्योंकि वे केरल विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा को मिल रहे भारी जनसमर्थन से भयभीत हैं। यह विधेयक किसी भी धार्मिक समूह के खिलाफ नहीं है। उन्हें इस तरह के झूठ फैलाना बंद कर देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 25 मार्च को लोकसभा में पेश किया गया था। पेश करते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा था कि इस विधेयक का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और विदेशों से प्राप्त धन का उचित उपयोग सुनिश्चित करना है।इस विधेयक के प्रावधानों के तहत विदेशी धन के माध्यम से जबरन धर्म परिवर्तन में लिप्त व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाएगा।

सीबीआई ने एमसीडी के उपायुक्त और प्रशासी अधिकारी को चार लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के शाहदरा उत्तरी जोन में तैनात प्रशासी अधिकारी गौतम और उपायुक्त अभिषेक मिश्रा को चार लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने बताया कि एजेंसी ने 30 मार्च को प्रशासी अधिकारी गौतम के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप था कि उन्होंने उपायुक्त अभिषेक मिश्रा की ओर से शिकायतकर्ताओं से चार लाख रुपये की घूस मांगी थी, ताकि उनकी जांच रिपोर्ट को सक्षम प्राधिकारी के पास अनुकूल रूप से भेजा जा सके। एजेंसी ने उसी दिन जाल बिछाकर प्रशासी अधिकारी गौतम को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। आगे की कार्रवाई में उपायुक्त अभिषेक मिश्रा की भूमिका भी सामने आई, जिसके बाद दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। एजेंसी ने बताया है कि फिलहाल मामले की जांच जारी है। आरोपियों की निशानदेही पर साक्ष्यों को ढूंढा जा रहा है और तफ्तीश को आगे बढ़ाया जा रहा है।

साहित्य अकादमी ने तीन साहित्यकारों को महत्तर सदस्यता प्रदान करने की घोषणा की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित साहित्य अकादमी ने साहित्योत्सव के शुभारंभ पर देश के तीन दिग्गज साहित्यकारों को अपनी सर्वोच्च गरिमा 'महत्तर सदस्यता' देने की घोषणा की। अकादमी की सामान्य परिषद की बैठक में ओडिया लेखिका डॉ. प्रतिभा राय, सिंधी कथाकार लख्मी खिलाणी और उर्दू लेखक अब्दुस समद के नामों को चुना गया है। अकादमी के अनुसार 'महत्तर सदस्यता' को भारतीय साहित्य जगत का सबसे दुर्लभ और विशिष्ट सम्मान माना जाता है। यह सम्मान केवल उन 'अमर विभूतियों' को दिया जाता है जिन्होंने अपनी लेखनी से भारतीय साहित्य को नई ऊंचाइयां दी हों। साहित्य अकादमी की सचिव पल्लवी प्रशांत होळकर के मुताबिक पद्म भूषण से अलंकृत डॉ. प्रतिभा राय एक ओडिया लेखिका एवं विदुषी हैं। उनके सृजन का भंडार 50 से अधिक कृतियों का विशाल संग्रह है। उनके दीर्घ एवं गौरवपूर्ण साहित्यिक जीवन में पद्म भूषण, ज्ञानपीठ पुरस्कार, साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा सारला पुरस्कार सहित अनेक सम्मान, पुरस्कार एवं अभिनंदन प्राप्त हुए हैं। वहीं, लख्मी खिलाणी (लख्मीचंद भीर्योमल खिलाणी) एक सिंधी कथाकार, नाटककार, अनुवादक, संपादक एवं विद्वान हैं। उनके प्रकाशित सृजन में 24 से अधिक कृतियां तथा कई लेख शामिल हैं। उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार सहित अन्य अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा अब्दुस समद एक प्रख्यात उर्दू लेखक एवं कवि हैं। उनके सृजन का कोश 24 से अधिक कृतियों का समृद्ध भंडार है। उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार, ग़ालिब पुरस्कार, भारतीय भाषा परिषद पुरस्कार तथा उर्दू अकादमी का लाइफ़ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त हो चुके हैं। साहित्य अकादमी इन विशिष्ट साहित्यकारों को साहित्य अकादमी की महत्तर सदस्यता प्रदान कर गौरव का अनुभव कर रही है। यह महत्तर सदस्यता एक विशेष समारोह में बाद में प्रदान की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 30 मार्च को साहित्य अकादमी ने दिल्ली में प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले 'साहित्योत्सव 2026' का शुभारंभ किया। इसका उद्घाटन साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने किया। रवींद्र भवन परिसर में 30 मार्च से 4 अप्रैल तक आयोजित इस साहित्योत्सव में 100 से अधिक सत्रों में 650 से अधिक प्रसिद्ध लेखक और विद्वान सहभागिता कर रहे हैं। इसमें देश की 50 से अधिक भाषाओं का भी प्रतिनिधित्व होगा।

शकूर बस्ती रेलवे स्टेशन पर पेट्रोल टैंक वैगन में लगी आग, सतर्कता से टला बड़ा हादसा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के शकूर बस्ती रेलवे स्टेशन स्थित रेलवे यार्ड में पेट्रोल से भरे टैंक वैगन में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि रेलवे कर्मचारियों की त्वरित कार्रवाई और सूझबूझ के चलते संभावित बड़ा हादसा टल गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि या गंभीर नुकसान नहीं हुआ। रेलवे के पुलिस उपायुक्त भरत रेड्डी ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना पेट्रोल से लदे एक टैंक वैगन में हुई, जो रेलवे यार्ड में खड़ा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि टैंक वैगन के मैनहोल (ढक्कन) से पेट्रोल का रिसाव हो रहा था। इस रिसाव के कारण आसपास अत्यधिक ज्वलनशील वाष्प जमा हो गईं। इसी दौरान किसी कारणवश वाष्प में आग लग गई और देखते ही देखते टैंकर के ऊपरी हिस्से में लपटें उठने लगीं। मौके पर मौजूद रेलवे स्टाफ ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। कर्मचारियों ने बिना समय गंवाए उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों फायर एक्सटिंग्विशर और सिलेंडरों का उपयोग कर आग बुझाना शुरू किया। उनकी तत्परता और समन्वित प्रयासों से आग को शुरुआती चरण में ही नियंत्रित कर लिया गया। रेलवे कर्मचारियों की इस मुस्तैदी ने एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया, क्योंकि यदि आग फैलती तो आसपास खड़े अन्य टैंक वैगनों और रेलवे ढांचे को भारी नुकसान हो सकता था। साथ ही, घटना स्थल के आसपास के क्षेत्र को तुरंत खाली कराकर आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई, जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति से बचाव सुनिश्चित किया जा सका। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया गया और अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू किए गए। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। रेलवे संपत्ति को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। वर्तमान में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और प्रारंभिक निरीक्षण के बाद क्षेत्र को सुरक्षित घोषित कर दिया गया है। फिलहाल संबंधित तकनीकी टीम द्वारा टैंक वैगन की विस्तृत जांच की जा रही है, ताकि आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके।

राहुल गांधी का करारा प्रहार- पहली बार भाजपा और लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट के बीच साझेदारी, क्योंकि लेफ्ट फ्रंट (सीपीएम) अब भाजपा की तरह कॉर्पोरेट पार्टी बनी

लोकतंत्र की शान , संवाददाता जीशान अली

नई दिल्लीः लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने केरलम में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान मंगलवार को कहा कि लेफ्ट फ्रंट (सीपीएम) अब विचारधारा छोड़कर कॉर्पोरेट पार्टी बन चुकी है और केरलम में पहली बार भाजपा व लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट के बीच एक साझेदारी देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर ऐसी उम्मीद नहीं की जाती कि धुर दक्षिणपंथी भाजपा और वामपंथी दल एक साथ आ जाएं, क्योंकि उनकी विचारधाराएं एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। केरलम के कन्नूर, कल्लाची और पेरम्बरा में विशाल जनसभाओं को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने आक्रामक अंदाज में दोनों दलों के बीच मिलीभगत के सबूत देते हुए कहा कि लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट की मुख्य पार्टी सीपीएम के नेताओं ने सबरीमाला मंदिर से सोना चुराकर उसे पीतल से बदल दिया, लेकिन केंद्रीय एजेंसियों ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। हिंदुत्व के तथाकथित रक्षक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरलम आकर इस पर एक शब्द नहीं बोला, क्योंकि वे चाहते हैं कि राज्य में एलडीएफ चुनाव जीते। मिलीभगत का एक अन्य प्रमाण देते हुए राहुल गांधी ने बताया कि भाजपा-आरएसएस का विरोध करने वाले विपक्षी नेताओं पर सत्ता पक्ष द्वारा बेरहमी से हमला किया जाता है, लेकिन भ्रष्टाचार को लेकर केरलम के मुख्यमंत्री पर कोई कार्रवाई नहीं होती और उनके बच्चों से भी पूछताछ नहीं होती। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहती है कि सीपीएम सत्ता में रहे क्योंकि वह उसे नियंत्रित कर सकती है, जबकि यूडीएफ और कांग्रेस को नियंत्रित नहीं किया जा सकता। मोदी जानते हैं कि पूरे देश में सिर्फ कांग्रेस ही उन्हें चुनौती दे सकती है; सीपीएम राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें कभी चुनौती नहीं दे सकती।

भाजपा ने डीटीसी बसों में लागू पिंक कार्ड को लेकर आआपा के फैलाये भ्रम की निंदा की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और सांसद कमलजीत सहरावत ने डीटीसी बसों में लागू महिला पिंक कार्ड को लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) के फैलाये जा रहे भ्रम की निंदा की। सचदेवा और सहरावत ने मंगलवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि आआपा महिला पिंक कार्ड पर राजनीति कर रही है। उन्होंने दिल्ली की महिलाओं से इस भ्रम जाल से सावधान रहते हुए अपने पिंक कार्ड को अपनी सुविधानुसार खूब प्रयोग करने की अपील की। सचदेवा ने कहा कि विगत कुछ दिनों से कुछ विडियो पत्रकारों का दुरुपयोग करके आम आदमी पार्टी के नेता महिलाओं को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं कि यदि पिंक कार्ड को एक बस में टैब कर लिया तो अगले एक घंटे तक यह दुबारा टैब नहीं होगा। सचदेवा ने कहा कि यह पूरी तरह दुष्प्रचार है की पिंक कार्ड एक बार प्रयोग किए जाने के बाद एक घंटे तक दुबारा प्रयोग नही हो सकता। उन्होंने कहा कि कल (सोमवार) भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने बस बदल बदल कर जा कर देखा और मात्र आधे घंटे में सफलतापूर्वक तीन बार पिंक कार्ड टैब किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने प्रदेश की महिलाओं से कहा कि वह दिल्ली में कहीं भी डीटीसी की शानदार ई-बसों के साथ ही देवी बसों में पिंक कार्ड अथवा पिंक टिकट लेकर यात्रा करें। सचदेवा ने कहा कि लाखों महिलाओं का पिंक कार्ड बनाने में लगने वाले समय को ध्यान में रखते हुए बसों में अगले कुछ माह तक पिंक टिकट भी उपलब्ध रहेंगे और डीटीसी को जनप्रतिनिधि कार्यालयों से भी जनता के बीच जा कर पिंक कार्ड बनाने का निर्देश दिया गया है।

नए बीसीसीआई ऑफिस और बेहतर कनेक्टिविटी से भारत-भूटान संबंध और मजबूत हुए

लोकतंत्र की शान

फुंटशोलिंग। भूटान में भारतीय दूतावास ने हाल ही में फुंटशोलिंग में भूटान चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (बीसीसीआई) के क्षेत्रीय कार्यालय के उद्घाटन की घोषणा की। इस समारोह में मिशन के उप प्रमुख अनिकेत जी. मांडवगने और बीसीसीआई के अध्यक्ष टैंडी वांगचुक शामिल हुए। एक बयान में बीसीसीआई ने नए कार्यालय के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसका निर्माण भारत सरकार के 'प्रोजेक्ट टाइड असिस्टेंस' कार्यक्रम के तहत मिली आर्थिक सहायता से किया गया है। बयान में कहा गया, यह नया क्षेत्रीय कार्यालय भूटान और भारत के बीच मज़बूत और स्थायी साझेदारी का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य दक्षिणी क्षेत्र में निजी क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देना और व्यावसायिक सहायता सेवाओं को बेहतर बनाना है। भारतीय दूतावास ने भी इस उद्घाटन के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा कि वह बीसीसीआई के साथ मिलकर द्विपक्षीय व्यापार और व्यावसायिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए काम करने को लेकर उत्साहित है, खासकर सीमावर्ती शहर फुंटशोलिंग में स्थित इस नए क्षेत्रीय कार्यालय के माध्यम से। इस बीच, हाल ही में भारत-भूटान संबंधों को और मज़बूत करते हुए, भारत के राजदूत संदीप आर्य और भूटान के बुनियादी ढांचा और परिवहन मंत्री चंद्र बहादुर गुरुंग ने पुनाखा में 'खुरु कुएनफेन पुल' का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। भारत सरकार से 250 मिलियन रुपये की आर्थिक सहायता से 'भारत-भूटान मैत्री परियोजना' के तहत निर्मित यह नया पुल, 2003 में बने एक 'बेली पुल' की जगह लेगा। यह एक अधिक स्थायी और ज़्यादा भार उठाने में सक्षम ढांचा है। भारतीय दूतावास के अनुसार, इस पुल से पुनाखा, वांगडू फोडरंग और गासा जैसे आस-पास के ज़िलों में रहने वाले लोगों, व्यवसायों और पर्यटकों को लाभ मिलेगा। यह पुनाखा के खुरुथांग और वांगडू फोडरंग के बाजो के बीच कनेक्टिविटी को भी बेहतर बनाएगा, जिससे जीवन की सुगमता बढ़ेगी, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्रीय विकास में योगदान मिलेगा।

कांग्रेस ने की विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की प्रतिमा स्थापित करने की मांग

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को पत्र लिखकर विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की प्रतिमा स्थापित करने मांग की। यह जानकारी आज एक विज्ञप्ति के जरिए दी गई। देवेंद्र यादव ने कहा कि शीला दीक्षित ने मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ब्रह्म प्रकाश सहित अन्य मुख्यमंत्रियों की पुण्यतिथियों पर दिल्ली विधानसभा में कार्यक्रमों का आयोजन करके उनका स्मरण करके दिल्ली में उनके योगदान को याद किया जाता था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष से मांग करती है कि दिल्ली विधानसभा में शीला दीक्षित की प्रतिमा स्थापित की जाए और प्रतिवर्ष उनकी पुण्यतिथि/जयंती पर विधानसभा में उनकी उपलब्धियों को याद करते हुए कार्यक्रम भी आयोजन किए जाए। देवेंद्र यादव ने कहा कि शीला दीक्षित ने दिल्ली का न सिर्फ चहुमुखी विकास किया बल्कि दिल्ली को विश्व स्तरीय बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके कारण दिल्ली को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अंतराष्ट्रीय स्तर पर एनर्जी फर्स्ट क्लीन सिटी अवार्ड भी प्राप्त हुआ।

पूर्वी दिल्ली में ड्रग्स सिंडिकेट का भंडाफोड़, 1.10 करोड़ की ड्रग बरामद

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पूर्वी जिला पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। जिले की एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड (एएनएस) की टीम ने चार तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब एक करोड़ 10 लाख रुपये कीमत की कोकीन और एमडीएमए बरामद की है। पुलिस ने ड्रग्स सप्लाई में इस्तेमाल दो स्कूटी भी जब्त की है, जिनमें से एक चोरी की पाई गई। पूर्वी जिला के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गीता कॉलोनी निवासी मोहम्मद हसन (23), मंडावली निवासी रजिया और दो विदेशी नागरिक डायोफ सोलोमन उर्फ ऑस्कर (सेनेगल) व बेमाह (लाइबेरिया) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक ये सभी एक संगठित गिरोह के रूप में राजधानी में नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त के अनुसार 25 मार्च को एएनएस टीम को सूचना मिली कि मोहम्मद हसन प्रीत विहार इलाके में एमडीएमए की सप्लाई करने आने वाला है। इसके बाद चितरा विहार झुग्गी रेड लाइट के पास जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी में उसके पास से 7.58 ग्राम एमडीएमए बरामद हुआ। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि वह यह ड्रग्स एक अफ्रीकी नागरिक 'ऑस्कर' से लेता है। इसके बाद पुलिस ने 27-28 मार्च की मध्य रात श्रीनिवासपुरी के पास ट्रैप लगाकर ऑस्कर को दबोच लिया। उसके पास से एमडीएमए बरामद हुआ और उसकी स्कूटी चोरी की निकली। जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने अमृतपुरी स्थित ठिकाने पर छापा मारकर उसके साथी बेमाह को भी गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के दौरान 120.18 ग्राम कोकीन, 15.71 ग्राम एमडीएमए, इलेक्ट्रॉनिक पैकिंग मशीन, तराजू, पॉलिथिन पैकेट, नकदी, मोबाइल फोन और पासपोर्ट बरामद किए गए।

महिला तस्कर भी गिरफ्तारःपूछताछ में मोहम्मद हसन ने बताया कि वह ड्रग्स रजिया को सप्लाई करता था, जो आगे इसे ऊंचे दामों पर बेचती थी। इसके बाद 29 मार्च को मंडावली स्थित उसके घर पर छापा मारकर उसे गिरफ्तार किया गया। वहां से भी एमडीएमए, नकदी और अन्य सामान बरामद हुआ। पुलिस जांच में सामने आया कि सभी आरोपित आर्थिक लाभ के लिए इस अवैध धंधे में शामिल हुए थे। मोहम्मद हसन पहले खुद नशा करता था और बाद में सप्लायर बन गया। गिरोह शहरी इलाकों में युवाओं को निशाना बनाकर ऊंचे दामों पर ड्रग्स बेचता था।

डाबड़ी हत्या मामले में पुलिस का डबल एनकाउंटर, दो बदमाश दबोचे

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। द्वारका जिले के डाबड़ी इलाके में हुई हत्या और चाकूबाजी की वारदातों के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को अलग-अलग मुठभेड़ों में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के दौरान दोनों बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने जवाबी फायरिंग करते हुए इन्हें घायल कर दबोच लिया। दोनों आरोपितों के पैर में गोली लगी है। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने मंगलवार को बताया कि 29 मार्च की रात मधु विहार इलाके में महज 15 मिनट के अंतराल में दो अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों पर चाकू से हमला किया गया था। पहली घटना में दुर्गा माता मंदिर के पास गोविंद झा (39) को गंभीर रूप से घायल किया गया, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। दूसरी घटना में हनी, अनीश और रोहित नामक तीन युवक घायल हुए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिले की स्पेशल स्टाफ और एएटीएस (एंटी-ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड) की टीमें गठित की गईं।

सेक्टर-17 में पहला एनकाउंटरःपुलिस उपायुक्त के अनुसार स्पेशल स्टाफ की टीम ने 30 मार्च को सेक्टर-17 द्वारका के पास रोहित कुमार उर्फ नॉडी (21) को घेर लिया। आत्मसमर्पण के आदेश के बावजूद उसने पुलिस पर तीन राउंड फायरिंग कर दी। एक गोली हेड कांस्टेबल जगत सिंह के बेहद करीब से निकल गई। जवाब में पुलिस ने दो राउंड फायर किए। इसमें रोहित के पैर में गोली लगी और उसे काबू कर लिया गया। मौके से पिस्टल, जिंदा कारतूस और खोखे बरामद हुए।

नजफगढ़ नाला रोड पर दूसरा एनकाउंटरःदूसरी कार्रवाई में जिले की एएटीएस टीम ने मुख्य आरोपित प्रेम शर्मा उर्फ हिमांशु (21) को नजफगढ़ नाला रोड पर घेर लिया। उसने भी पुलिस पर तीन राउंड फायरिंग की, जिसमें एक गोली हेड कांस्टेबल संदीप की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपित के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित के पास से हथियार और चोरी की स्कूटी बरामद हुई। पुलिस जांच में सामने आया कि रोहित हाल ही में जेल से जमानत पर बाहर आया था, जबकि प्रेम पहले भी अपहरण और हत्या के मामलों में शामिल रह चुका है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले को सांप्रदायिक रंग देने की अफवाहें भ्रामक हैं और ऐसा कोई एंगल जांच में सामने नहीं आया है। द्वारका पुलिस ने कहा कि अपराध के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और कानून हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

गुडंबा: गोली लगने से बैंक के डिप्टी मैनेजर की संदिग्ध हालात में मौत, खून से लथपथ शव मकान की छत पड़ा

» पास पड़ा था तमंचा, पुलिस ने कहा खुदकुशी

» फोरेंसिक टीम के साथ पुलिस ने की छानबीन, पुलिस कर रही कई बिंदुओं पर पड़ताल

लोकतंत्र की शान : अब्दुल्लाह खान , लखनऊ। गुडंबा क्षेत्र के आदिल नगर में सोमवार को एक्सिस बैंक के डिप्टी मैनेजर काजी अहमद जैद (40) की संदिग्ध हालात में गोली लगने से मौत हो गई। उनका खून से लथपथ शव मकान की छत पर पड़ा मिलने से हड़कंप मच गया। काजी के सिर में गोली लगी थी और पास में ही तमंचा पड़ा था। आसपास के लोग उनके साथ अनहोनी होने की आंशका जता रहे हैं। गुडंबा पुलिस परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर इसे आत्महत्या बता रही है। पुलिस फोरेंसिक टीम के साथ गहनता से छानबीन की, लेकिन अभी तक खुदकुशी का कोई कारण स्पष्ट नहीं हो सका। पुलिस मामले की छानबीन कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अफसरों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राजरानी इंटर कॉलेज में जागरूकता अभियान महिला सुरक्षा पर पुलिस ने किया संवाद

लोकतंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी , संभल/सिरसी थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र स्थित राजरानी इंटर कॉलेज में महिला सुरक्षा को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य छात्राओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी सुधीर पवार एवं उप निरीक्षक रश्मि मलिक ने छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को आत्मरक्षा के उपाय, साइबर अपराध से बचाव, हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करने के बारे में जागरूक किया। थाना प्रभारी सुधीर पवार ने छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या अन्य अपराध की स्थिति में वे बिना डर के अपनी आवाज उठाएं और पुलिस की सहायता लें। उन्होंने कहा कि पुलिस हमेशा उनकी सुरक्षा के लिए तत्पर है। वहीं उप निरीक्षक रश्मि मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि मिशन शक्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाना और उनमें आत्मविश्वास पैदा करना है। उन्होंने छात्राओं को सतर्क, जागरूक और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के शिक्षकों ने भी सहयोग किया और इस पहल की सराहना की। अंत में छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई और उन्हें किसी भी समस्या की स्थिति में सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अंबेडकर जयंती को लेकर चला आ रहा विवाद समाप्त, अंबेडकर विकास मंच के तत्वाधान में ही होगा अंबेडकर जयंती आयोजन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा: हसनपुर: मंगल बार को कोतवाली हसनपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें एसडीएम हसनपुर, सीओ हसनपुर तथा कोतवाली हसनपुर के प्रभारी निरीक्षक की मौजूदगी में आंबेडकर जयंती के आयोजन को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद का समाधान किया गया। इस बैठक के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की मध्यस्थता में यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष भी पूर्व वर्षों की तरह अम्बेडकर विकास मंच के तत्वावधान में ही आंबेडकर जयंती का आयोजन किया जाएगा।काफी समय से चल रहे इस विवाद को समाप्त करते हुए यह भी तय किया गया कि आयोजन समिति में इस बार दो अध्यक्ष होंगे। जिनमें चंचल सागर और विनोद गौतम को संयुक्त रूप से अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।इसके साथ ही आंबेडकर विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य ने भी इस समझौते को स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया कि इस वर्ष आंबेडकर जयंती को पूरे धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाएगी। इस निर्णय के साथ ही लंबे समय से चला आ रहा विवाद समाप्त हो गया है, जिससे क्षेत्र में शांति और सहयोग का माहौल बना है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन के इस प्रयास की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि इस वर्ष अंबेडकर जयंती का आयोजन शांतिपूर्ण और भव्य तरीके से किया जाएगा। इस अवसर पर अंबेडकर विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य, चंद्रभान सिंह, मास्टर जगत सिंह, मास्टर जयवीर सिंह, मास्टर मंगली सिंह पूर्व प्रधानाचार्य, मास्टर छोटेलाल सिंह पूर्व प्रधानाचार्य, मास्टर रामपाल सिंह, नवल कुमार, फतेहचंद, बृजपाल सिंह, ब्रह्म ज्ञान सिंह, सुशील भगत जी, कैलाश नेताजी, मास्टर डॉ राजेश कुमार, मास्टर जयवीर सिंह, राजेंद्र गुड्डू, बाबूराम सिंह, महेश कुमार, नवल कुमार, मास्टर रामवीर सिंह, अरविंद अन्ना, अजब सिंह एडवोकेट, अमित कुमार एडवोकेट आदि लोग उपस्थित रहे 1

सीतापुर के पूर्व एमएलसी प्रत्याशी अरुणेश यादव पुत्र रामलाल यादव कांग्रेस में शामिल

लोकतंत्र की शान, अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ सीतापुर

पहाड़ापुर महमूदाबाद सीतापुर: सीतापुर में चुनावी सरगर्मियों के बीच विपक्षी खेमे को उस वक्त बड़ी मजबूती मिली जब क्षेत्र के कद्दावर नेता और पूर्व एमएलसी प्रत्याशी ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। लखनऊ स्थित प्रदेश मुख्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में उन्होंने 'हाथ' का साथ चुना।

मुख्य बिंदु: घर वापसी या नई शुरुआत: पूर्व प्रत्याशी के इस कदम को जिले में कांग्रेस के पुनरुद्धार के रूप में देखा जा रहा है।

समर्थकों का जोश: उनके साथ भारी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ताओं और प्रधानों ने भी कांग्रेस की सदस्यता ली, जिससे पार्टी का जमीनी आधार मजबूत होने की उम्मीद है।

रणनीतिक बदलाव: राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस दलबदल से आगामी चुनावों में सीतापुर की कई विधानसभा सीटों पर जातीय और क्षेत्रीय समीकरण बदल सकते हैं।

क्यों अहम है यह फैसला?

अनुभव का लाभ: पूर्व एमएलसी प्रत्याशी होने के नाते उनके पास पूरे जिले का सांगठनिक अनुभव है।

सत्तारूढ़ दल को चुनौती: इस कदम से सत्तापक्ष और अन्य क्षेत्रीय दलों के वोट बैंक में सेंध लगने की संभावना है।

कांग्रेस का बढ़ता कुनबा: पिछले कुछ समय से उत्तर प्रदेश में कांग्रेस जिस तरह से पुराने चेहरों को जोड़ रही है, यह उसी कड़ी का हिस्सा माना जा रहा है।

बयान: "मैने क्षेत्र के विकास और कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास व्यक्त करते हुए यह निर्णय लिया है। अब हमारा लक्ष्य सीतापुर की जनता की आवाज को मजबूती से उठाना है।अरुणेश यादव पूर्व एम एल सी प्रतियाशी

निष्कर्ष: सीतापुर की राजनीति में इस बदलाव ने हलचल मचा दी है। अब देखना यह होगा कि इस "नए साथी" के दम पर कांग्रेस आगामी चुनावों में जिले में कितनी मजबूती से वापसी कर पाती है

अजय राय अध्यक्ष कांग्रेस -कांग्रेस का बढ़ता जनाधार — सीतापुर से बड़े नेताओं का जुड़ा- अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की समावेशी विचारधारा और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी जी के जनसंघर्षों से प्रेरित होकर, जनपद सीतापुर से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधान परिषद प्रत्याशी रहे अरूणेश यादव,कांग्रेस सांसद राकेश राठौर तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय जी के समक्ष अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सभी नवागंतुक साथियों का तिरंगा पट्टिका पहनाकर स्वागत किया और विश्वास जताया कि श्री अरूणेश यादव जी के अनुभव से संगठन को नई मजबूती मिलेगी कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख साथियों में बाबूराम यादव,आशीष कुमार यादव, अखिलेन्द्र सिंह,श्रवण कुमार यादव,महेन्द्र कुमार यादव,नितीश यादव, नीरज यादव,चन्द्र पाल यादव, विनोद यादव, वीरेन्द्र यादव,इन्द पाल रावत, अमरीश यादव,अंशुल यादव, राजेश यादव, शिवमूरत यादव,अमित यादव, विवेक यादव,अमित रस्तोगी, राम प्रकाश यादव, लवकुश यादव, चन्द्र शेखर यादव,राजेश कुमार , डॉ० लवकुश यादव , मेराज, महावीर यादव , नरेन्द्र यादव, लवलेश यादव, अनुराग यादव (प्रधान), अजय यादव , शिवम सिंह , सरोज रावत , अनु प्रताप रावत जी, राम चन्द्र यादव , ओम प्रकाश यादव , शिवराम मौर्या, सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कांग्रेस का कारवां लगातार बढ़ रहा है — जनहित और समर्पण की विचारधारा से जुड़ रहा है हर वर्ग सांसद सीतापुर राकेश राठौर

सीतापुर: अरुणेश यादव के कांग्रेस में आगमन से कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर

लोकतंत्र की शान,अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ

सीतापुर : जनपद की राजनीति में उस वक्त एक नई हलचल देखने को मिली जब कद्दावर नेता अरुणेश यादव ने औपचारिक रूप से कांग्रेस का दामन थाम लिया। उनके आगमन को जिले में कांग्रेस की मजबूती के तौर पर देखा जा रहा है।

ढोल-नगाड़ों के साथ हुआ भव्य स्वागत- जैसे ही अरुणेश यादव के कांग्रेस में शामिल होने की खबर सीतापुर पहुँची, पार्टी कार्यालय सीतापुर मे तमाम नेता इकठ्ठा हुवे उसके बाद लोहारबाग स्तिथि सांसद ज़ी के आवास पर भी लोगो ने ख़ुशी मनाई वरिष्ठ नेताओं ने जताया भरोसा सीतापुर सांसद राकेश राठौर ने बताया की अरुणेश यादव के आने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी कांग्रेस का दिल बड़ा है उसी हिसाब से अब जनपद ही नहीं पुरे प्रदेश मे दल भी बड़ा हो जाएगा आज भी भारतीय राजनीती मे कांग्रेस ही इस दमनकारी विनाशकारी सरकार को उखाड़ फेकने का एक मात्र विकल्प है

राकेश राठौर सांसद सीतापुर अध्यक्ष तैलिक महासभा उत्तर प्रदेश -कांग्रेस जिला अध्यक्ष ममता वर्मा ने कहा की अरुणेश यादव के आने से पार्टी का कुम्बा बढ़ा है लोगो मे कांग्रेस का कार्यकर्त्ता बढ़ेगा यादव समुदाय और युवाओं के बीच उनकी मजबूत पकड़ से पार्टी का वोट बैंक बढ़ेगा मजबूत नेतृत्व: उनके राजनीतिक अनुभव का लाभ आगामी चुनावों में पार्टी को रणनीतिक रूप से मिलेगा। अरुणेश यादव का कांग्रेस परिवार में स्वागत है। उनके आने से यह स्पष्ट हो गया है कि सीतापुर की जनता अब बदलाव चाहती है और कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है डॉ ममता वर्मा जिला अध्यक्ष कांग्रेस अरुणेश यादव का यह कदम कांग्रेस के लिए सूखदाई है कांग्रेस का कुम्बा बढ़ेगा अय्यूब अहमद डम्पी उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस अरुणेश यादव का आना पार्टी के लिए बेहतर है स्थानीय राजनीति में ये बड़े उलटफेर के संकेत दे रहा है।उनके साथ कई अन्य समर्थकों के भी पार्टी से जुड़ने की संभावना जताई जा रही है, जिससे विपक्षी खेमों में चिंता बढ़ सकती है शिशिर बाजपेई अध्यक्ष नगर कांग्रेस सीतापुर

सीएम योगी बुधवार को करेंगे 250 इलेक्ट्रिक व सीएनजी वाहनों का फ्लैग ऑफ, लखनऊ में कूड़ा प्रबंधन को मिलेगी नई रफ्तार

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, आधुनिक एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में बुधवार 1 अप्रैल को अहम पहल होने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रातः 11 बजे अपने सरकारी आवास 5 कालिदास मार्ग से 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों का लोकार्पण (फ्लैग ऑफ) करेंगे। यह पहल हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

110 वार्डों में शत-प्रतिशत कूड़ा प्रबंधन का लक्ष्य-नगर निगम लखनऊ द्वारा शहर के सभी 110 वार्डों में घरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं कार्यालयों से निकलने वाले कूड़े का शत-प्रतिशत एकत्रीकरण, परिवहन और प्रोसेसिंग सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था लागू की गई है। इस कार्य का संचालन चयनित संस्थाओं के माध्यम से किया जा रहा है, जिसकी प्रतिदिन निगरानी भी सुनिश्चित की जाती है। नगर निगम के कमांड एवं कंट्रोल रूम से कूड़ा उठान कार्य का सीधा प्रसारण देखा जा सकता है। साथ ही नागरिकों की सुविधा के लिए कंट्रोल रूम नंबर 1533 एवं टोल फ्री नंबर 18001234999 और 1800206172 पर शिकायत दर्ज कराकर त्वरित समाधान भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

हरित ऊर्जा से प्रदूषण नियंत्रण पर फोकस-नगर निगम द्वारा कूड़ा एकत्रीकरण में डीजल चालित वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाकर इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे न केवल वायु प्रदूषण में कमी आएगी, बल्कि शहर में स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण भी सुनिश्चित होगा। यह नीति सतत विकास के सिद्धांतों के अनुरूप है और कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाने की दिशा में प्रभावी कदम मानी जा रही है।

ई-वाहनों का बढ़ता बेड़ा और आधुनिक सफाई व्यवस्था- वर्तमान में लखनऊ में 981 इलेक्ट्रिक एवं 169 सीएनजी वाहनों के माध्यम से कूड़ा एकत्रीकरण कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, शहर की प्रमुख सड़कों की सफाई 50 से अधिक मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनों (ई-वाहनों) के माध्यम से प्रतिदिन कराई जा रही है। नए 250 वाहनों के जुड़ने से कूड़ा प्रबंधन प्रणाली को और अधिक गति और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर से मिलेगा संचालन को बल- ई-वाहनों के सुचारु संचालन के लिए शहर में 13 स्थानों पर 520 चार्जिंग प्वाइंट स्थापित किए गए हैं। इससे न केवल वाहनों की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि भविष्य में और अधिक ई-वाहनों के संचालन के लिए भी आधार तैयार होगा।

हमारे देश की मट्टी जवाब दे देगी न हमसे पूछिए रखें हैं काग़ज़ात कहां "दानिश ग़दीरी"

» सिरसी में ऑल इंडिया मुशायरा सफलतापूर्वक संपन्न

लोकतंत्र की शान , सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल/सिरसी। उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी, लखनऊ के तत्वावधान में दिनांक 30 मार्च 2026 को इंडियन मैरिज हॉल, बुद्ध बाजार, सिरसी सम्भल में आयोजित किया गया।ऑल इंडिया मुशायरा अत्यंत गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मशहूर शायर जनाब अनवर कैफ़ी मुरादाबादी ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जनाब समर अब्बास चेयरमैन प्रतिनिधि नगर पंचायत सिरसी उपस्थित रहे। साथ ही मुजाहिद फ़राज़ ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर मेहमान-ए-एज़ाज़ी के रूप में कशिश वारसी क़ौमी सदर, भारतीय सूफ़ी फाउंडेशन / एडिटर ग्लोबल न्यूज़ एवं डॉ. मुनव्वर ताबिश की मौजूदगी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मुशायरे की सफल निज़ामत हकीम बुरहान सम्भली ने शानदार अंदाज़ में की, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा। मुशायरे में देश के विभिन्न हिस्सों से आए नामचीन शायरों ने अपने बेहतरीन कलाम पेश कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रमुख शायरों में डॉ. शफीक उर रहमान बरकाती, शिबान क़ादरी अमरोहा, सुलेमान फ़राज़ हसनपुर, नासिर अमरोहवी, अभिषेक तिवारी शिमला, निज़ाम नौशाही मुंबई, डॉ. अनस इकान मेरठ एवं ताहिर संभली शामिल रहे। शायरों की ग़ज़लों और नज़्मों पर श्रोताओं ने भरपूर दाद दी, जिससे पूरी महफ़िल देर रात तक अदबी रंग में डूबी रही। मुशायरे में पढ़े गए कुछ ख़ास आशआर हिजरत की बात आए भी कैसे गुमान में अजदाद मेरे दफ्न हैं हिंदुस्तान में डॉ मुनव्वर ताबिश संभली हर लम्हा दिए जाते हैं ग़म देख रहा हूं अपनो के ये अंदाज़े करम देख रहा हूं निज़ाम नौशाही मुंबई पलट के देखिए तारीख की किताबों को हर एक वर्क पा लहू का निशान बाकी है मेहदी सिरसीवी जनरल सेक्रेटरी शायरिस्तान फाउंडेशन न मुस्कुराए कभी दिल उदास रहने दिया तुम्हारे ग़म को सदा अपने पास रहने दिया डॉ अनस इकान चापलूसी न हुई मुझसे किसी भी खां की मेरे अजदाद के तेवर मेरी ग़ैरत में रहे अब्बास सिरसवी को-फाउंडर शायरिस्तान फाउंडेशन तुम जानते ही किया हो हसद कैसा रोग है कुछ ने पायंबरो को पयम्बर नहीं कहा सुलेमान फ़राज़ हसनपुर मसाफतें सभी तय कर लीं ज़िन्दगी की मगर ये किस सफ़र की थकन झाँकती है आँखों में डॉ शाकिर हुसैन इस्लाही दिल कोई शहर नहीं है के बसा लें फिर से ये उजड़ता है तो सेहरा में बदल जाता है डॉ नासिर अमरोहवी कार्यक्रम के अंत में आयोजकों एम ए खान, डॉ. शाकिर हुसैन इस्लाही,दानिश ग़दीरी डायरेक्टर/ फाउंडर शायरिस्तान फाउंडेशन,अशरफ अली ख़ान , अर्जुन कुमार कश्यप , तंज़ील ख़ान एवं ने सभी अतिथियों, शायरों एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन उर्दू अदब के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

धूमधाम से निकाली गई बालाजी ज्योत यात्रा, झांकी रही आकर्षण का केंद्र

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: मंगल बार को नगर के मोहल्ला कायस्थान स्थित श्री राम जानकी बालाजी दरबार के तत्वावधान में मंगलवार को भव्य बालाजी ज्योत की शोभायात्रा निकाली गई, भक्ति और उत्साह के साथ आयोजित इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रतिभाग किया।शोभायात्रा का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने ज्योति प्रज्वलित कर किया। यह यात्रा नगर के रहरा अड्डा से प्रारंभ होकर शिवाजी मार्ग, पंसारा बाजार, पुराना सिंडिकेट बैंक और डॉ. विनोद अग्रवाल वाली गली से होते हुए वापस मोहल्ला कायस्थान स्थित राम जानकी दरबार पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में विभिन्न देवी-देवताओं की मनमोहक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। इनमें विशेष रूप से राधा-कृष्ण और सुदामा की झांकी,शिव-पार्वती स्वरूप,माता काली का अखाड़ा,भव्य हनुमान दरबार रहे। डीजे पर बज रहे भजनों पर श्रद्धालु झूमते और जयकारे लगाते हुए चल रहे थे, जिससे पूरा नगर धर्ममय हो गया। सुरक्षा की दृष्टि से अपराध निरीक्षक अमरपाल सिंह भारी पुलिस बल के साथ पूरी यात्रा के दौरान मुस्तैद रहे। इस धार्मिक आयोजन में मुख्य रूप से मुकेश गुप्ता, अर्पण गुप्ता, अशोक चौहान, विक्रांत शर्मा, मिथिलेश शर्मा, नरेंद्र चौहान और राजपाल चौहान सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

गजानन एन्ड पार्टी ने किया दमदार कार्यक्रम

संकटा धाम मंदिर मेले मे हुवे कार्यक्रम

लोक तंत्र की शान, अब्दुल्लाह खान सीतापुर ब्यूरो

महमूदाबाद, सीतापुर: प्रसिद्ध श्री संकटा देवी धाम में चल रहे वार्षिक मेला महोत्सव के दौरान धाम के सांस्कृतिक मंच पर गजानन एंड पार्टी सांस्कृतिक ग्रुप के कलाकारों के अत्यंत रोमांचकारी झांकियों के प्रदर्शन से दर्शक भाव-विभोर हो गए। भक्ति गीतों पर भावनृत्य तथा झांकियों की बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों ने जमकर प्रशंसा की। विशाल पाण्डाल बार-बार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां संकटा देवी के चित्र पर धाम समिति के संरक्षक नारायणदास अग्रवाल, राजेंद्र वर्मा, अध्यक्ष आरके वाजपेयी, कोषाध्यक्ष शिवदास पोरवाल, महामंत्री शिवम गुप्त, मेला मैनेजर अशोक नाग, दक्ष पांडेय ने दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण से किया। गजानन झांकी ग्रुप के कलाकारों द्वारा गजानन की आरती से शुरू किये गये कार्यक्रम में 'कान्हा काटे तू न चुटकी, भगवान भोलेनाथ का आकर्षक शिव तांडव, शेर पर सवार मां दुर्गा की झांकी, मां काली का रौद्र रूप, बाला जी की झांकी, कृष्ण-सुदामा का मार्मिक मिलन शिव-पार्वती के स्वंयम्वर का मंचन देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे। कार्यक्रम इतना मनोहारी व प्रभावशाली था कि दर्शक एकटक कलाकारों की कला को निहारने के साथ तालियों से उत्साहवर्धन करते दिखे। ग्रुप के कलाकार मैनेजर राम औतार, सुदामा के रूप में वीरेंद्र, गणेश जी व बाला जी के रूप में शनि, शंकर जी के रूप में रिंकू, पर्वती के रूप में संदीप, राधा के रूप में मिथुन व शालू ने अभिनय किया। संचालन ग्रुप के रामसेवक ने किया। देर रात तक चले सांस्कृतिक कार्यक्रम में रेउसा की ब्लाक प्रमुख मंजू चौहान, प्रतिनिधि अवधेश चौहान, सत्यनारायण पुरावर, राधेश्याम वर्मा, विमलेश कुमार, रमा कश्यप, महराज सिंह, विमला सिंह, आनंद शुक्ल, यशवंत सैनी सहित बड़ी संख्या में दर्शकों ने देवी मां का दर्शन करने के साथ कार्यक्रमों का आनंद लिया।

मेला महोत्सव में आज

श्री संकटा देवी धाम परिसर में चल रहे मेला महोत्सव के दौरान धाम के सांस्कृतिक मंच पर भाव नृत्य प्रतियोगिता के सेमी फाइनल राउंड में चयनित 21 प्रतिभागियों के फाइनल राउंड का आयोजन मां संकटा जी की आरती के पश्चात रात्रि आठ बजे से होगा। यह जानकारी धाम प्रबंध समिति के अध्यक्ष आरके वाजपेयी ने दी।

"हमारी छोरी छोरो से कम है के" बेटियां किसी से कम नहीं, हमें बेटियों को पढ़ाने और सहयोग करने की जरूरत:अरुण कुमार (खंड शिक्षा अधिकारी)

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: बता ते चलें कि सोमवार को प्राथमिक विद्यालय अल्लीपुर खादर विकास क्षेत्र हसनपुर जनपद अमरोहा में वार्षिकोत्सव, परीक्षाफल वितरण कार्यक्रम, विदाई कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में उत्तीर्ण हुए छात्र छात्राओं एवं उनके अभिभावकों के सम्मान समारोह का भव्य एवं शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार जी द्वारा दीप प्रज्वलित कर,सरस्वती बंदना तथा स्वागत गीत के साथ किया गया ।राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में कंपोजिट विद्यालय अल्लीपुर खादर ने जनपद अमरोहा में सर्वाधिक 8 छात्र छात्राओं का चयन देकर जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया है ।उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को फूल माला पहनाकर और खंड शिक्षा अधिकारी के कर कमलों द्वारा सम्मान प्रतीक शील्ड और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया और समय-समय पर छात्रों को अपनी सेवा प्रदान करने वाले ओमप्रकाश जी को खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ऊर्जावान खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार ने कंपोजिट विद्यालय अल्लीपुर खादर द्वारा जनपद में सर्वाधिक चयन देने पर समस्त विद्यालय स्टाफ को बधाई दी। महोदय ने विद्यालय से 8 बच्चों में 7 बालिकाओं का चयन होने पर कहा कि "हमारी छोरी छोरो से कम है के"। बताया कि लड़कियां किसी से कम नहीं है। हमें लड़कियों को पढ़ाने और सहयोग करने की जरूरत है। और अवगत कराया कि राष्ट्रीय आय एवं योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा और निपुण आकलन में विकास क्षेत्र हसनपुर जनपद अमरोहा में प्रथम स्थान पर रहा।और बच्चों द्वारा आयोजित किए गए सांस्कृतिक प्रोग्राम जिसमें शिक्षा की चौपाल, जल बचाओ, पर्यावरण बचाओ,मिशन कश्मीर आदि बहुत ही सुंदर मैसेज देने वाले प्रोग्रामो और सभी सांस्कृतिक प्रोग्राम तैयार कराने के लिए पलक गुप्ता एवं नीरज रानी की भूरी भूरी प्रशंसा की। साथ ही अभिभावकों से तीन से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को स्कूल भेजने का आव्हान किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय राजीव कुमार द्वारा किया गया। विद्यालय प्रधानाध्यापक होमपाल सिंह ने बताया की किस प्रकार विद्यालय स्टाफ द्वारा अभिभावकों से बात करके छुट्टियों के दिनों में भी राष्ट्रीय आय एवं योग्यता परीक्षा के लिए कक्षा चलाकर बच्चों के साथ मेहनत की जिसका परिणाम आज हम सबके सामने है हमने जनपद में सर्वाधिक चयन दिया है इसके लिए समस्त विद्यालय परिवार बधाई का पात्र है। और समस्त ग्राम वासियों से आह्वान किया की अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन हमारे विद्यालय में कराएं हम इस वर्ष से भी अधिक अच्छा परीक्षा फल भविष्य में भी देते रहेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अभिभावकों का प्रधानाध्यापक द्वारा आभार व्यक्त किया गया।कक्षा1 से कक्षा 8 बच्चों को परीक्षाफल वितरण किया गया तथा कक्षा 8 के सभी बच्चों को उपहार देकर भावपूर्ण विदाई दी गई एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विद्यालय के समस्त स्टाफ को प्रधानाध्यापक द्वारा बहुत-बहुत बधाई दी गई। इस शुभ अवसर पर समस्त विद्यालय स्टाफ और बहुत अधिक संख्या में ग्रामवासी रोहित यादव, मेघराज सिंह, मूलचंद, नंदराम, हरपाल सिंह, रामनिवास, विजेंद्र सिंह, कैलाशो, विजय पाल सिंह, देशराज सिंह, अकील खान, दिनेश आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

उर्वरक की किल्लत और कालाबाजारी पर सख्ती: सहरसा में DM के निर्देश चौक-चौराहों तक होगी सघन छापेमारी

लोकतंत्र की शान : सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिले में उर्वरक की संभावित किल्लत और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। जिला पदाधिकारी (DM) सहरसा ने सभी संबंधित अधिकारियों को खाद की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करने और जमाखोरी व ओवरचार्जिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में आयोजित क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप (CMG) की बैठक में मिले निर्देशों के अनुपालन में यह कार्रवाई शुरू की गई है। इसके तहत जिले के सभी थोक (होलसेल) और खुदरा (रिटेल) उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों और गोदामों पर सघन जांच अभियान चलाया जाएगा।

हर स्तर पर होगी जांच-जिला पदाधिकारी ने सभी वरीय पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में उर्वरक विक्रेताओं के यहां तत्काल छापेमारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य खाद की जमाखोरी पर रोक लगाना और किसानों को उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराना है।

अनियमितता पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी-जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जांच के दौरान यदि किसी भी दुकान या गोदाम में स्टॉक रजिस्टर और वास्तविक स्टॉक में अंतर या अन्य अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित दुकानदार का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया जाएगा। साथ ही दोषी व्यक्तियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिले की वर्तमान स्थिति-CMG रिपोर्ट के अनुसार, सहरसा जिले में पेट्रोलियम और गैस की आपूर्ति की स्थिति संतोषजनक बताई गई है, हालांकि आपूर्ति तंत्र को और मजबूत करने पर जोर दिया गया है।

- LPG आपूर्ति: जिले में प्रतिदिन औसतन 7,922 सिलेंडरों की मांग के मुकाबले 5,820 रिफिल की आपूर्ति हो रही है, जिससे लगभग 3.3 दिनों का बैकलॉग बना हुआ है।
- पेट्रोल/डीजल (IOCL): वर्तमान में पेट्रोल (MS) का स्टॉक 39.3% और डीजल (HSD) का स्टॉक 37.3% है।
- PNG कनेक्शन: इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (IOCL) द्वारा जिले में 5,500 PNG कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने किसानों को आश्वस्त किया है कि खाद की उपलब्धता में किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। साथ ही कालाबाजारी या अवैध व्यापार में लिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाई जाएगी।

17 जिलों में बारिश का अलर्ट, अप्रैल में बढ़ेगी भीषण गर्मी

लोकतंत्र की शान : पटना। बिहार के 17 जिलों में आज बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में बादल छाए रहेंगे, आंधी के साथ हल्की बारिश हो सकती है। बाकी जिलों में मौसम सामान्य रहेगा। दिन में धूप निकलने से गर्मी महसूस होगी, लेकिन सुबह और शाम की ठंडी हवाएं थोड़ी राहत देंगी। बीते 24 घंटे में किसी भी जिले में बारिश नहीं हुई। अधिकतम तापमान भी 40 डिग्री के आसपास यानी 39.1 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, पटना में दिन में तेज धूप रही लेकिन सुबह-शाम हल्की ठंडक मिली। बिहार में इस तरह का मिला-जुला मौसम बनने के पीछे दो कारण हैं। पहला, बंगाल की खाड़ी से आ रही नमीयुक्त हवाएं राज्य के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में बादल और हल्की बारिश का कारण बन रही हैं। दूसरा, पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) के प्रभाव से वातावरण में अस्थिरता बनी हुई है, जिससे कहीं धूप तो कहीं बादल और बूंदाबांदी का असर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार अप्रैल के पहले सप्ताह के बाद यानी करीब 4 से 5 अप्रैल के बाद बिहार में तापमान तेजी से बढ़ेगा। इसके बाद धीरे-धीरे अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है और भीषण गर्मी का दौर शुरू हो जाएगा। खासकर मध्य और दक्षिणी बिहार में गर्मी का असर ज्यादा देखने को मिलेगा। पटना में फिलहाल मौसम सामान्य बना रहेगा। दिन में धूप निकलने से हल्की गर्मी महसूस होगी, जबकि सुबह और शाम के समय हवा चलने से राहत मिलेगी। पटना में भी 4-5 अप्रैल के बाद तापमान तेजी से बढ़ेगा और भीषण गर्मी शुरू हो सकती है। आने वाले दिनों में यहां तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंचने का अनुमान है।

बिस्किट से भरा ट्रक पलटा, साइकिल सवार को बचाने की कोशिश में एक्सीडेंट, ड्राइवर-साइकिल सवार घायल

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के देसरी स्थित हाजीपुर-जन्दाहा एनएच-322 पर मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया। गाजीपुर में साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में एक बिस्कुट लदा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। इस घटना में साइकिल सवार और ट्रक चालक मामूली रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह घटना साइकिल सवार को बचाने के दौरान हुई। हादसे के बाद घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही देसरी और राजापाकर पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक से चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, हाजीपुर की ओर से आ रहा बिस्कुट लदा ट्रक गाजीपुर स्थित पुल के पास सड़क किनारे पलटा। साइकिल सवार की पहचान बभनी मठ निवासी चंदन कुमार के रूप में हुई है। ट्रक चालक को हल्की चोटें आई हैं, जबकि अन्य सभी लोग सुरक्षित बताए गए हैं। हादसे वाली जगह से कुछ ही दूरी पर खेत में काम कर रहे किसान भी बाल-बाल बच गए, अन्यथा कई लोगों को चोटें आ सकती थीं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हाजीपुर में ट्रेन की चपेट में आई छात्रा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। हाजीपुर स्टेशन के पास सोमवार को ट्रेन की चपेट में आने से एक 21 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल छात्रा को हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान दोपहर करीब 3 बजे उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर के तुर्की मधुबन गांव निवासी अवधेश सिंह की पुत्री अंकिता कुमारी के रूप में हुई है। यह घटना सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे हुई। परिवार वालों ने बताया कि अंकिता हाजीपुर में ही जीतन चौक के पास नलियाल में रहकर पढ़ाई करती थी। सोमवार को वह महिला कॉलेज जा रही थी, तभी यह हादसा हो गया। जीआरपी पुलिस को सूचना मिलते ही वे घटनास्थल पर पहुंचे और घायल छात्रा को अस्पताल पहुंचाया था। अंकिता के परिवार में एक भाई और एक बहन हैं। मौत के बाद उसके परिजनों में कोहराम मच गया सभी का रो-रो कर बुरा हाल है। मौत की सूचना मिलते हैं, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन सदर अस्पताल हाजीपुर पहुंचे।

450 कन्याओं ने निकाली रामनवमी कलश यात्रा

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के मुशहरी प्रखंड में चैत्र नवरात्रि और रामनवमी के अवसर पर भक्तिमय माहौल देखा गया। रोहुआ पंचायत के छोटी कोठिया माई स्थान (वार्ड नंबर-2) में एक कलश यात्रा का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में 450 कुमारी कन्याओं ने भाग लिया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ भी उमड़ी, जिससे पूरा क्षेत्र 'जय श्री राम' के उद्घोष से गूंज उठा। कलश यात्रा का शुभारंभ छोटी कोठिया माई स्थान से विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना के बाद हुआ। इस यात्रा में शामिल 450 कुमारी कन्याएं पारंपरिक परिधानों में अपने सिर पर कलश धारण किए हुए थीं। कन्याओं का यह समूह जब गांव की सड़कों पर निकला, तो ग्रामीणों ने जगह-जगह फूल की बारिश कर उनका स्वागत किया। भक्ति संगीत और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर श्रद्धालु झूमते हुए चल रहे थे। इस आयोजन में कई प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की। बोचहा विधायक बेबी कुमारी मुख्य अतिथि थीं। उनके साथ भाजपा नेता रंजीत साहनी, रोहुआ पंचायत के मुखिया अभय सिंह, रजवाड़ा के पूर्व मुखिया महावीर साहनी और बेडौलिया के पूर्व मुखिया सुधीर साहनी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने सामूहिक रूप से भगवा ध्वज दिखाकर और हरी झंडी देकर कलश यात्रा को रवाना किया।

पटना में खाली सिलेंडर लेकर सड़क पर बैठे उपभोक्ता

गैस नहीं मिलने पर 300 लोगों ने सड़क किया जाम, 3 घंटे तक फंसी रही गाड़ियां

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ में मंगलवार को गैस सिलेंडर न मिलने पर उपभोक्ता नाराज हो गए और 2 किमी तक सड़क जाम कर दिया। सुबह 7 से 9 बजे तक लोगों ने नाराजगी जताई। उपभोक्ता गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी पहुंचे थे। जहां उन्हें बताया गया कि ट्रक नहीं आया है। जिसके बाद उनका गुस्सा भड़क गया। 300 की संख्या में लोग खाली सिलेंडर के साथ सड़क पर बैठ गए और ट्रैफिक पूरी तरह से रोक दिया। पटना एम्स के पास नवादा मोड़ काली मंदिर के नजदीक नेशनल हाईवे पर गाड़ियों की लाइन लग गई। इस वजह से राहगीरों को परेशानी हुई।

गैस बुकिंग का मैसेज मिल जाता, पर सिलेंडर नहीं मिलता: उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि गैस बुकिंग का मैसेज तो मिल जाता है, लेकिन सिलेंडर की डिलीवरी समय पर नहीं होती। सुबह से लाइन में खड़े थे, लेकिन सिलेंडर नहीं मिला। एजेंसी के गोदाम पर भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह समस्या नई नहीं है, बल्कि थोड़े-थोड़े दिनों पर ऐसी स्थिति बन जाती है। नंबर आने के बावजूद सिलेंडर न मिलना आम बात हो गई है। कुछ उपभोक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि एजेंसी के कर्मचारी मनमानी करते हैं और कई जगहों पर चोरी-छिपे ऊंची कीमत पर गैस सिलेंडर बेचे जा रहे हैं, जबकि पंजीकृत उपभोक्ताओं को समय पर गैस नहीं मिल रहा है।

पुलिस लोगों को समझाया: सड़क जाम की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया, लेकिन उपभोक्ता अपनी मांगों पर अड़े रहे। उन्होंने गैस वितरण व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की। उपभोक्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि गैस वितरण व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि आम लोगों को बार-बार इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

भुगतान कर दिया है, पर गैस नहीं आया: थाना प्रभारी गुलाम सहवाज आलम ने कहा कि पुलिस ने लोगों को समझाया है। उन्हें कहा गया है कि गैस सिलेंडर आते ही वितरण किया जाएगा। एजेंसी की मालिक रविंद्रन ने कहा कि भुगतान कर दिया गया है, पर ट्रक नहीं आने से परेशानी हो गई है। पुलिस से आग्रह है कि अपनी सुरक्षा में वितरण कराएं।

अनंत सिंह बोले- बिहार से शराबबंदी खत्म हो

लोकतंत्र की शान, पटना

मोकामा से जदयू विधायक और बाहुबली अनंत सिंह दुलारचंद हत्याकांड में जेल से बाहर आने के बाद लगातार एक्टिव हैं। वो अपने गांव में 3 अप्रैल को दंगल भी करवा रहे हैं। कहा कि बिहार से शराबबंदी खत्म करने की मांग की। उन्होंने कहा, 'बिहार से शराबबंदी खत्म होनी चाहिए। शराबबंदी की वजह से यहां के युवा गलत नशा कर रहे हैं।' इसके साथ ही उन्होंने सीएम के बेटे निशांत की तारीफ की और सीएम के लिए बेहतर बताया। बीजेपी की तरफ से अनंत सिंह ने सम्राट चौधरी को बेहतर और अच्छा बताया। वे अपने बेटे अभिनव को IPS बनाना चाहते हैं। वहीं, अभिनव ने कहा, 'अभी 12वीं की परीक्षा खत्म हुई है। आगे हायर स्टडीज करेंगे और अपने पिता के सपने को पूरा करने की कोशिश करेंगे।'

निशांत सीएम बनें, सम्राट भी अच्छे नेता: अनंत ने कहा कि नीतीश कुमार की पार्टी से मुख्यमंत्री के लिए निशांत कुमार बेहतर विकल्प होंगे। वहीं, अगर बीजेपी से सीएम बनता है तो सम्राट चौधरी अच्छे नेता हैं। उन्होंने निशांत कुमार की तारीफ करते हुए कहा कि उनमें काफी टैलेंट है और पढ़ाई के समय उनका कोई मुकाबला नहीं था। अनंत सिंह ने ऐलान किया है कि वो अगली बार से विधायक का चुनाव नहीं लड़ेंगे। उनके राजनीतिक विरासत उनके बच्चे संभालेंगे।

छोटे बेटे को आईपीएस बनाना चाहते हैं

जदयू विधायक ने आज कहा कि, उनका बड़ा बेटा जनता के बीच रहता है। उसे लोगों से मिलना पसंद है। अभी पांच साल है। दोनों जुडवां हैं, लेकिन मैं पहचान जाता हूं कौन बड़ा है कौन छोटा है। मैं देखूंगा कि किस बेटे को जनता ज्यादा प्यार देती है। उसके बाद फैसला लूंगा। बता दें कि, बाहुबली अनंत सिंह और नीलम देवी के जुड़वा बेटे हैं। जिनका नाम अभिषेक सिंह और अंकित सिंह है। दोनों भाइयों के जन्म में केवल कुछ सेकेंड का अंतर बताया जाता है।

उर्वरक जमाखोरी पर सख्ती, LPG वितरण में तेजी लाने के निर्देश: प्रशासन की मीडिया ब्रीफिंग

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: निदेशानुसार मंगलवार को आयोजित मीडिया ब्रीफिंग में जिला प्रशासन ने उर्वरक की किल्लत और जमाखोरी पर नियंत्रण के लिए की जा रही कार्रवाई की जानकारी दी। साथ ही LPG गैस सिलेंडर वितरण की वर्तमान स्थिति तथा PNG गैस उपलब्धता को लेकर उठाए जा रहे कदमों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रशासन ने सभी गैस एजेंसियों को निर्देश दिया है कि वे नियमानुसार LPG गैस वितरण कार्य में और तेजी लाएं, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके। वहीं उर्वरक के संदर्भ में सभी विक्रेताओं और प्रतिष्ठानों को सख्त चेतावनी दी गई है कि किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आम जनता और किसानों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

सहरसा में खाद दुकानों पर प्रशासन की सघन छापेमारी, जमाखोरी व कालाबाजारी पर सख्त चेतावनी

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिले में उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने और जमाखोरी व कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रशासन ने मंगलवार को सघन जांच अभियान चलाया। निदेशानुसार अपर समाहर्ता (वि० जांच) श्री गणेश कुमार, अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) श्री संजीव कुमार चौधरी, जिला परिवहन पदाधिकारी श्री सुजीत कुमार वर्णवाल एवं अनुमंडल पदाधिकारी, सिमरी बख्तियारपुर, एवं सदर श्री श्रेयांश तिवारी के नेतृत्व में विभिन्न प्रखंडों में स्थित खाद दुकानों एवं प्रतिष्ठानों की जांच की गई। अधिकारियों की टीम ने दुकानों में स्टॉक, अभिलेखों और वितरण व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी संबंधित दुकानदारों को सख्त निर्देश दिए गए कि वे किसी भी प्रकार की जमाखोरी, कालाबाजारी या अनियमितता से दूर रहें। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जांच के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाई जाती है, तो संबंधित के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन

ने यह भी दोहराया कि किसानों को उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मैट्रिक में फेल होने पर दिव्यांग छात्रा ने की आत्महत्या, गणित में क्रॉस लगने से तनाव में थी

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के बाढ़ में मंगलवार दोपहर एक दिव्यांग छात्रा ने सुसाइड कर लिया है। वो मैट्रिक की परीक्षा में फेल हो गई थी। मैथ्स में क्रॉस लगने के कारण छात्र अंजली कुमारी (15) काफी तनाव में थी। उसे पिछले 2 साल से दिव्यांगता पेंशन भी नहीं मिली थी। अंजली दोनों पैरों से दिव्यांग है। अंजली अपने कमरे में थी। दरवाजा अंदर से बंद था। घर के लोग आराम कर रहे थे। काफी देर तक अंजली से कमरे से बाहर नहीं आई तो परिवार के सदस्यों ने दरवाजा खटखटाया, पर अंदर से अंजली ने कोई जवाब नहीं दिया। परिजन दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तो अंजली की लाश बेड पर पड़ी थी। घटना बाढ़ थाना अंतर्गत बुढनीचक गांव की है।

छात्रा ने सुसाइड कैसे किया, ये क्लियर नहीं: अंजली ने सुसाइड कैसे किया, फिलहाल क्लियर नहीं है। पड़ोसी ने बताया कि पुलिस को बिना सूचना दिए जुगाड़ गाड़ी से शव को उमानाथ ले जाया गया, जहां धार्मिक प्रक्रिया पूरी कर शव को सती स्थान के पास से गंगा में प्रवह कर दिया गया।। मैट्रिक का रिजल्ट आने के बाद अंजली को उसके पिता ने कहा था कि इस बार रिजल्ट नहीं हुआ क्या हुआ, अगली बार कड़ी मेहनत के बाद एग्जाम पास कर जाना।

पुलिस बोली- मामले की जानकारी नहीं है: थाना अध्यक्ष ब्रजकिशोर सिंह ने बताया कि उन्हें इस मामले की कोई जानकारी नहीं मिली है। मृतक की बड़ी बहन ने बताया कि खाना बनाने के बाद वह पड़ोस में गई थी। लौटने पर उसने अंजलि के कमरे का दरवाजा खटखटाया। जब अंजलि ने दरवाजा नहीं खोला, तो उसने परिवार के अन्य सदस्यों को

♦ पुलिस बोली- हमें मामले की जानकारी नहीं

इसकी जानकारी दी। दरवाजा खोलने पर अंजलि मृत पाई गई। बड़ी बहन ने बताया कि अंजलि गणित विषय में फेल होने से परेशान थी, हालांकि पिता ने उसे समझाया था कि उन्हें खुद मैट्रिक में दो बार फेल होने के बाद भी मौका मिला था और अंजलि भी अगले साल पास हो जाएगी। दादा ने बताया कि वह दोनो पैर से दिव्यांग होने के कारण चलने में असमर्थ थी। वह पढ़ने में नॉर्मल थी घर का काम भी किसी तरह कर लेती थी। मैट्रिक रिजल्ट आने के बाद उसके चेहरे पर कोई तनाव नहीं दिख रहा था, उन्हें खाना देने के बाद वह अंदर कमरे में चली गई, वह भी भोजन कर घर से थोड़ी दूर जाकर बैठे थे तभी उन्हें जानकारी मिली की छात्रा अंदर कमरे में मृत पड़ी है।

बिहार की अदालतों को उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना सिविल कोर्ट, हाईकोर्ट समेत बिहार-झारखंड की अदालतों, एयरपोर्ट, शैक्षिक संस्थानों और ट्रेन को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला श्रीनिवास लुईस (47) गिरफ्तार हो गया है। दिल्ली की साइबर पुलिस ने श्रीनिवास को कर्नाटक के मैसूर वृंदावन लेआउट से पकड़ा है। श्रीनिवास लॉ की पढ़ाई कर चुका है। इसने दिल्ली हाईकोर्ट के जज को भी धमकी दी थी। श्रीनिवास पर पटना समेत बिहार में 50 केस दर्ज हैं। पूरे देश में श्रीनिवास पर ई-मेल से 1100 केस हैं। उसके पास से लैपटॉप और कई इलेक्टॉनिक गैजेट बरामद किए गए हैं। आरोपी वीपीएन का इस्तेमाल करता था। इससे आईपी एड्रेस विदेश का दिखता था। साइबर सेल ने डीएनएस लीक और सर्वर डेटा के जरिए असली भारतीय आईपी ट्रैक किया। इसके बाद लोकेशन पुख्ता हुई।

सिटी एसपी दीक्षा ने कहा कि एक-दो दिन में पटना पुलिस की टीम दिल्ली जाएगी और उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेकर आएगी। उसपर धमकी, शांति भंग और आईटी एक्ट के तहत साइबर आतंकवाद का केस दर्ज है। लुईस बिहार के कई जिलों को कोर्ट को बम से उड़ाने की कई बार धमकी दे चुका है। 9 मार्च को ही उसने पटना सिविल कोर्ट औ बाढ़ कोर्ट को ब्लास्ट कर उड़ाने की धमकी दी थी। उससे पहले 9 फरवरी को भी पटना, भागलपुर, औरंगाबाद कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। धमकी भरे ईमेल के बाद कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी मिल गई थी।

अनंत सिंह के भतीजों को हाईकोर्ट से मिली बेल

लोकतंत्र की शान, पटना

मोकामा से बाहुबली विधायक अनंत सिंह के दोनों भतीजों राजवीर और कर्मवीर को पटना हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। अनंत सिंह की गिरफ्तारी के बाद दोनों ने पटना सिविल कोर्ट में एंटीसिपेटरी बेल फाइल की थी। यहां से रिजेक्ट होने के बाद हाईकोर्ट में अर्जी लगाई गई थी। अब पटना हाई कोर्ट ने दोनों को अग्रिम जमानत दे दी है। इनके खिलाफ भदौर थाने में दुलारचंद की हत्या में शामिल होने का आरोप था। शिकायत दर्ज कराई गई थी।

अनंत सिंह को पहले ही मिल चुकी बेल: बचाव पक्ष की वकील कुमार हर्षवर्धन ने बताया कि जस्टिस प्रभात कुमार सिंह के कोर्ट में सुनवाई हुई। उन्होंने पक्ष सुनने के बाद अग्रिम जमानत की मंजूरी दे दी। इसी मामले में अनंत सिंह को पहले ही रेगुलर बेल मिल चुकी है। राजवीर और कर्मवीर पर आरोप लगा था कि इन्होंने दुलारचंद को गाड़ी से खींचा और उन्हें गोली मार दी थी, पर दुलाचंद की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण "blunt substance" यानी ठोस वस्तु से चोट लगना बताया गया है। वकील ने तर्क दिया कि इससे यह साबित नहीं होता कि गोली से मौत हुई। एक सप्ताह पहले मोकामा के बाहुबली अनंत सिंह भी जेल से रिहा हो चुके हैं। जिसके बाद शक्ति प्रदर्शन के साथ अपने पटना स्थित विधायक आवास पर पहुंचे थे। यहां से वो मोकाम गए। दुलारचंद यादव हत्याकांड में अनंत सिंह जमानत पर हैं। उन्हें 15-15 हजार के बेल बॉन्ड पर जमानत दी गई है। कोर्ट में पुलिस की थ्योरी हत्या का कारण स्पष्ट नहीं कर पाई।

आज से गैर आवासीय संपत्तियों पर दोगुना लगेगा प्रॉपर्टी टैक्स, 33 साल बाद टैक्स में बढ़ोतरी

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना में होटल, जिम, निजी अस्पतालों, हेल्थ क्लब, बैंक और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस पर कल से दोगुना टैक्स लगेगा। वहीं, कोचिंग संस्थान, नर्सिंग होम और निजी शैक्षणिक संस्थानों पर 1.5 गुना टैक्स वसूला जाएगा। पटना नगर निगम ने गैर आवासीय संपत्तियों के लिए प्रॉपर्टी टैक्स की दरों में दोगुनी वृद्धि की है। कल 1 अप्रैल से यह लागू होगा। पटना नगर निगम क्षेत्र में 1993 के बाद, करीब 33 साल बाद गैर आवासीय प्रॉपर्टी टैक्स में वृद्धि हो रही है। बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 के तहत जारी नई अधिसूचना के अनुसार ये फैसले लिए गए हैं।

दायरे में होटल, मॉल और निजी अस्पताल: ये नई दरें संपत्ति के उपयोग और गतिविधि के आधार पर तय की गई हैं। नई टैक्स व्यवस्था के तहत होटल, जिम, निजी अस्पताल, आदि पर कर गुणांक 2 तय किया गया है। वहीं, शोरूम, शॉपिंग मॉल, सिनेमा, मल्टीप्लेक्स, रेस्टोरेंट पर 1.5 गुणांक लागू होगा। निगम का मानना है कि अधिक व्यवसायिक गतिविधियों वाली संपत्तियों से अधिक राजस्व जुटाना तर्कसंगत है। धार्मिक और सांस्कृतिक संस्थानों को पूरी तरह टैक्स फ्री रखा गया है।

दोगुना बढ़ा: होटल, हेल्थ क्लब, क्लब, जिम, विवाह हॉल, वित्त संस्था, निजी अस्पताल, बैंक, उद्योग (कुटीर उद्योग से भिन्न), वर्कशॉप, गोदाम (3000 वर्गफीट से कम क्षेत्रफल वाले), वेयर हाउस आदि।

डेढ़ गुना बढ़ा : दुकान (1000-3000 वर्गफीट से अधिक क्षेत्रफल वाले), शोरूम, शॉपिंग मॉल, मल्टीप्लेक्स, औषधालय, प्रयोगशाला, रेस्टोरेंट, गेस्ट हाउस, नर्सिंग होम, क्लिनिक, औषधालय, डायग्नोस्टिक सेंटर, कोचिंग, निजी स्कूल, कॉलेज और शोध संस्थान।

इनमें बदलाव नहीं : कुटीर उद्योग, दुकान (500 वर्गफीट से कम क्षेत्रफल वाले), गोदाम (1000 वर्गफीट से कम क्षेत्रफल वाले), राज्य-केंद्र सरकार के ऐसे कार्यालय, जो वाणिज्यिक और व्यावसायिक प्रतिष्ठान और उपक्रम नहीं हैं।

इन्हें टैक्स से छूट : सांस्कृतिक और धार्मिक प्रकृति के स्थल-केंद्र और संस्थाएं।

वार्ड पार्षद ने बताया तुगलकी फरमान: वहीं, पूर्व डिप्टी मेयर और वार्ड पार्षद विनय कुमार पप्पू ने इसे तुगलकी फरमान बताया है। उन्होंने कहा कि गैर आवासीय संपत्ति-कर में दोगुणा वृद्धि का फैसला पूरी तरह से जनविरोधी, व्यापारी विरोधी और कानून की भावना के खिलाफ है। देश में यह पहला ऐसा नगर निकाय बन गया है, जहां अब व्यापार के आधार पर संपत्ति कर वसूली की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

सम्भल में ताइक्वांडो का नया इतिहास, 65 खिलाड़ियों ने लिया भाग

लोकतंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी , सम्भल। नगर में डिफेंस ताइक्वांडो अकैडमी, सम्भल के तत्वावधान में हिंद इंटर कॉलेज के ग्राउंड में येलो बेल्ट ताइक्वांडो परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। इस परीक्षा में 65 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जो सम्भल के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में भागीदारी मानी जा रही है। खास बात यह रही कि इस बार लड़कियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जो समाज में आत्मरक्षा और खेल के प्रति बढ़ती जागरूकता का संकेत है। यह आयोजन क्षेत्र में खेल और सुरक्षा के प्रति एक सकारात्मक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर सम्भल ताइक्वांडो एसोसिएशन के अनुभवी कोच सुरेश कुमार, जो चंदौसी से आए थे, एवं रेखा रानी ने खिलाड़ियों का मूल्यांकन किया। दोनों परीक्षकों ने बच्चों के अनुशासन, तकनीक और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। अकैडमी के कोच सी.एच. तंज़ीम (इंटरनेशनल ताइक्वांडो प्लेयर एवं ब्लैक बेल्ट सेकेंड डैन) के मार्गदर्शन में यह परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। तंज़ीम ने बताया कि उनकी अकैडमी का उद्देश्य बच्चों को आत्मरक्षा के साथ-साथ अनुशासन और आत्मविश्वास सिखाना है। कोच तंज़ीम ने नेशनल स्तर पर कई बार जिले का नाम रोशन किया है और इंटरनेशनल स्तर पर भी खेल चुके हैं। इसके अलावा वे विभिन्न भारतीय सुरक्षा बलों की फिजिकल परीक्षाओं में पास कर चुके हैं, जो उनके समर्पण और फिटनेस को दर्शाता है। इस आयोजन को सफल बनाने में अकैडमी के सीनियर खिलाड़ियों दिनेश कुमार एवं अली नकवी का विशेष सहयोग रहा। अंत में कोच तंज़ीम ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सिर्फ एक शुरुआत है, आने वाले समय में सम्भल के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों को छुएंगे।

H S S पब्लिक स्कूल में दूसरे दिन कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों को परीक्षा फल वितरित किए गए

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुर : मंगलवार को नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय H S S पब्लिक स्कूल में दूसरे दिन वार्षिक परीक्षा फल वितरण क्रम को आगे बढ़ते हुए कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों को वार्षिक रिपोर्ट कार्ड वितरण समारोह का आयोजन किया गया, इस अवसर पर अभिभावको, विद्यार्थियों तथा शिक्षकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, कार्यक्रम का शुभारंभ औपचारिक स्वागत संबोधन के साथ हुआ रिपोर्ट कार्ड वितरण कक्ष अनुसार विधिवत संपन्न किया गया प्रत्येक कक्षा के उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय के प्रबंधक राजीव अग्रवाल एवं निरंजन अग्रवाल द्वारा विशेष रूप से ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, यह सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए परिश्रम एवं समर्पण का तथा अन्य सभी बच्चों के लिए प्रेरणा का प्रतीक रहा, इस मौके पर प्रधानाचार्य अंकुर काशिव ने विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम विकास में निरंतर परिश्रम अनुशासन तथा अभिभावकों के सहयोग की महत्व पर प्रकाश डाला, वहीं उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विद्यार्थियों को बधाई दी तथा अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया कि वह आगामी सत्र में और अधिक परिश्रम करें,इस संवाद ने अभिभावक शिक्षक सहयोग को और अधिक सुधार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, विद्यालय प्रबंधन ने सभी अभिभावकों के प्रति उनके निरंतर सहयोग एवं विश्वास के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया, समारोह का समापन सकारात्मक एवं प्रेरणादाई वातावरण में हुआ जिसमें विद्यार्थियों को भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रेरित करते हुए अवगत कराया गया कि विद्यालय का सत्र 2 अप्रैल से शुरू किया जाएगा इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधकगढ़ अध्यापकगढ़ एवं अभिभावकगण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे,

यूपी एसटीएफ को मिली बड़ी कामयाबीः पचास हजार का इनामी गो-तस्कर इब्राहिम गिरफ्तार

मुखबिर की सूचना पर प्रयागराज जिले के शिवकुटी क्षेत्र से दबोचा

लोकतंत्र की शान : अब्दुल्लाह खान ,लखनऊ। गायों को चुराकर उनका वध कर सिर नदी फेंककर करीब तीन महीने से फरार चल रहे पचास हजार के इनामी गो-तस्कर मोहम्मद इब्राहिम को यूपी एसटीएफ टीम ने मंगलवार को प्रयागराज जिले के शिवकुटी थाना क्षेत्र स्थित आजाद मार्केट के पास से गिरफ्तार किया है। इससे पहले इस मामले में एसटीएफ और पुलिस ने इसके अन्य साथियों को सलाखों के पीछे भेज चुकी है, जबकि इब्राहिम फरार हो गया था। पुलिस के आलाधिकारियों ने इब्राहिम की गिरफ्तारी के लिए पचास हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। एसटीएफ के पुलिस उपाधीक्षक शैलेश प्रताप सिंह के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद इब्राहिम प्रयागराज जिले के पूरा मुफ्ती थाना क्षेत्र स्थित अहमदपुर असरौली हटवा गांव का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि बीते 16 जनवरी 2026 को अपने साथियों के साथ मिलकर बरसडा से प्रतिबंधित जानवर (गाय) चुराकर उनका वध कर सिर नदी में फेंकने के बाद मांस उठा ले गया था। इस संबंध में प्रयागराज जिले के देल्हूपुर में मुकदमा दर्ज किया गया था। एसटीएफ के मुताबिक इस मामले में इससे पहले कुछ लोगों एसटीएफ और पुलिस ने सलाखों के पीछे भेजा था, लेकिन कुख्यात गो-तस्कर मोहम्मद इब्राहिम फरार चल रहा था। इसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस के आलाधिकारियों ने पचास हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। एसटीएफ टीम ने मंगलवार को फरार चल रहे इनामी गो-तस्कर मोहम्मद इब्राहिम को प्रयागराज जिले के शिवकुटी थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ मामले की छानबीन कर रही है।

भारतीय किसान संघ की बैठक आज सभी समय से पहुंचे : चंद्रप्रकाश शर्मा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा ने सभी भारतीय किसान के कार्यकर्ताओं से समय से पहुंचने का आह्वान किया है उन्होंने कहा कि भारतीय किसान संघ जनपद अमरोहा के सभी प्रांत व जिला एवं ब्लॉक एवं गांव समिति के देव तुल्य कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारी गण भारतीय किसान संघ जनपद अमरोहा की मासिक बैठक आज 1 अप्रैल 2026 को समय 11 बजे हसनपुर ब्लॉक के सभागार में आयोजित की जायेगी। बैठक में प्रांत पालक दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य हरपाल सिंह डागर जी मुख्य अतिथि होंगे एवं हम सभी को उनका उद्बोधन प्राप्त होगा एवं रात्रि प्रवास गंगेश्वरी खंड के गांव रेहरयी में होगा बैठक में प्रांत संगठन मंत्री सुनील कुमार जी, विभाग संगठन मंत्री रमेश जी, प्रांत उपाध्यक्ष चौधरी नरेंद्र सिंह, जिला प्रभारी व प्रांत युवा प्रमुख संजीव कुमार शर्मा जी, प्रांत गन्ना प्रमुख महिपाल सिंह रहेंगे। बैठक में समस्त जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी व सदस्य सभी ब्लॉक प्रभारी एवं सभी ब्लॉक अध्यक्ष मंत्री एवं समस्त ब्लाक कार्यकारिणी का गांव समिति अध्यक्ष मंत्री की उपस्थिति अनिवार्य है । जिलाध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा ने सभी से अधिक से अधिक संख्या में बैठक में पहुंचने का आह्वान किया है

सीधी पुलिस की त्वरित कार्यवाही, छात्रा से झपटमारी करने वाले दोनों आरोपी गिरफ्तार

» आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, झपटा गया मोबाइल, बैग एवं नगदी बरामद

लोकतंत्र की शान(ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी श्री संतोष कोरी के कुशल निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अमन मिश्रा के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी जमोड़ी उप निरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व में जमोड़ी पुलिस ने झपटमारी की घटना का 48 घंटे के भीतर सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

घटना का संक्षिप्त विवरण-दिनांक 29/03/2026 को फरियादिया पूनम चतुर्वेदी (निवासी ग्राम बम्हनी) ने थाना जमोड़ी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि जब वह ऑटो से अपने कॉलेज जा रही थी, तभी पनवार चौहानन टोला के पास बाइक सवार दो अज्ञात युवकों ने चलते ऑटो से उसका झोला झपट लिया था। झोले में कॉलेज के दस्तावेज, नगदी 400 एवं मोबाइल फोन रखा था। पुलिस ने तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की।

पुलिस कार्यवाही एवं आरोपियों की गिरफ्तारी-मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी जमोड़ी के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर तंत्र की मदद से संदेहियों की घेराबंदी की। पुलिस ने घटना में संलिप्त दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिन्होंने अपना जुर्म स्वीकार किया।

आरोपियों के नाम- शिवम भुजवा पिता संतलाल भुजवा (उम्र 19 वर्ष), निवासी नाग मंदिर दक्षिणी करौंदिया। सत्यम केवट पिता रामाधार केवट उम्र 19 वर्ष (निवासी बेलबाग सीधी)।

जब्त मसरुका-पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से शत-प्रतिशत सामग्री बरामद करने में सफलता प्राप्त की हैः

शिवम भुजवा के कब्जे सेः घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (कीमती 50,000/-) एवं झपटा गया वीवो मोबाइल (कीमती 4,000/-)।

सत्यम केवट के कब्जे सेः फरियादिया का झपटा गया बैग (जिसमें कॉलेज के दस्तावेज थे) एवं 200 नगद।

दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है ।

सराहनीय भूमिका-झपटमारी की इस सनसनीखेज वारदात को सुलझाने और आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजने में थाना प्रभारी जमोड़ी उप निरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी, सउनि आर डी साकेत, प्रधान आरक्षक राम खेलावन, आरक्षक सतीश तिवारी, आरक्षक के पी सिंह एवं आरक्षक अंकित सिंह की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही है।

बहरी तहसील में ऑनलाइन रिश्वत का हुआ खुलासा

जन सुनवाई में कलेक्टर के पास पहुंची शिकायत

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिला स्तरीय जन सुनवाई में आज बहरी तहसील के एक लिपिक की शिकायत पहुंची है, पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराते हुए रिश्वत का जो प्रमाण प्रस्तुत किया है उसे देख सभी की आंखे खुली की खुली रह गई। उल्लेखनीय है कि सिहावल विकासखंड अंतर्गत संचालित बहरी तहसील में पदस्थ भृत्य को लिपिकीय कार्य सौंपा गया है, जो अब खुद को तहसीलदार ही समझ लिया है। बताया जा रहा है कि चपरासी को लिपिक के प्रभार जब से दिया गया है तब से यह आलम बना हुआ है, इनके द्वारा लंबे समय से भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इस संबंध में शिकायतकर्ता आशीष कुमार मिश्रा पिता छत्रमणि मिश्रा निवासी ग्राम मझरेटी खुर्द ने दिए आवेदन में कहा है कि न्यायालय नायब तहसीलदार बहरी में भृत्य के मूलपद पर पदस्थ लोकेश कुमार श्रीवास वर्ष 2018 से निरंतर लिपिक/प्रस्तुतकार का कार्य कर रहे हैं। उक्त भृत्य अपने कार्यस्थल का नाजायज लाभ लेते हुए पक्षकारों से रिश्वत की अवैध वसूली कर रहा है। शिकायतकर्ता ने कहा है कि वह स्वयं फोन-पे के माध्यम से दिनांक 23 फरवरी 2025 को एक हजार एवं दिनांक 3 मई 2025 को 500 रुपए देने के साथ ही कई बार नकदी दे चुके हैं। उक्त भृत्य की शिकायत पूर्व में भी कलेक्टर सीधी के समक्ष 9 सितंबर 2025 को की गई थी फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब नवागत कलेक्टर के यहां आवेदन देकर भृत्य पर कार्रवाई की मांग की गई है।

युवती की आत्महत्या का वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

आरोपी पर फिर एफआईआर के दबाव का आरोप

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के अमिलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत सिहावल चौकी इलाके से जुड़ा एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। वायरल वीडियो में एक युवती फेसबुक के माध्यम से आत्महत्या करने की धमकी देती नजर आ रही है। वीडियो में युवती अपने जीवन को बर्बाद किए जाने का आरोप लगाते हुए कुछ लोगों के नाम भी लेती दिखाई दे रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह मामला पहले से ही गंभीर आरोपों से जुड़ा हुआ है। वर्ष 2024 में युवती द्वारा एक युवक के खिलाफ दुष्कर्म (धारा 376) का मामला दर्ज कराया गया था। हालांकि आरोपी को पहले ही अग्रिम जमानत मिल गई थी और फरवरी 2026 में उच्च न्यायालय द्वारा उसे बरी कर दिया गया। इसी मामले को लेकर अब नया मोड़ सामने आया है। अमिलिया थाना प्रभारी राकेश बैस के अनुसार युवती द्वारा वायरल वीडियो जारी कर पुनः एफआईआर दर्ज करने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। वीडियो में युवती ने यह भी कहा कि जब तक मामला दर्ज नहीं होगा, वह ऐसे ही वीडियो बनाती रहेगी और जहर खाकर आत्महत्या कर लेगी। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए युवती को समझाइश दी और उसका वीडियो डिलीट करवाया गया। साथ ही उसे चेतावनी दी गई कि इस प्रकार की धमकी देना और दबाव बनाना गैरकानूनी है, जिसके चलते उसके खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो की सत्यता सहित सभी पहलुओं को खंगाला जा रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं और पुलिस प्रशासन की आगे की कार्रवाई पर सभी की नजर बनी हुई है।

भाजपा सरकार पर आरोप, सरकारी लापरवाही के कारण लुटने को मजबूर किसान - ज्ञान सिंह चौहान

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। मध्य प्रदेश में गेहूं खरीदी को लेकर एक बार फिर सरकार की नीयत और नीति पर सवाल खड़े हो गए हैं। 1 अप्रैल से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी शुरू करने का ऐलान करने वाली भाजपा सरकार अब पीछे हटती नजर आ रही है। ताजा फैसले के अनुसार खरीदी की तारीख को बढ़ाकर कुछ संभाग में 10 अप्रैल और कुछ संभाग में 15 अप्रैल कर दिया गया है, जिससे प्रदेश के किसानों में भारी आक्रोश है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने इस मुद्दे पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार की यह लेटलतीफी सीधे तौर पर किसानों के साथ अन्याय है। गेहूं की फसल पूरी तरह तैयार होकर किसानों के घर पहुंच चुकी है, लेकिन खरीदी शुरू न होने से किसान खुले बाजार में औने-पौने दामों पर अपनी उपज बेचने को मजबूर हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा सरकार के लिए किसान नहीं, बल्कि बहाने प्राथमिकता बन गए हैं। कभी बारदाने की कमी तो कभी व्यवस्थाओं का रोना रोकर खरीदी टाल दी जाती है, जबकि असलियत यह है कि सरकार किसानों की फिक्र करने के बजाय सिर्फ घोषणाओं तक सीमित है। ज्ञान सिंह ने सवाल उठाया कि अप्रैल माह के मध्य से शादी-ब्याह का सीजन शुरू हो रहा है। ऐसे में कई किसानों के सामने बेटियों की शादी, पारिवारिक जिम्मेदारियां और कर्ज चुकाने जैसी गंभीर चुनौतियां हैं। किसान के पास आय का एकमात्र साधन उसकी फसल है, और जब वही समय पर नहीं बिकेगी तो वह अपनी जरूरतें कैसे पूरी करेगा उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा नाम मात्र का घोषित बोनस भी केवल दिखावा साबित हो रहा है। एक ओर बोनस का ढोल पीटा जा रहा है, दूसरी ओर खरीदी ही समय पर नहीं हो रही यह दोहरी नीति किसानों के साथ छलावा है जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने मांग की है कि सरकार तत्काल प्रभाव से गेहूं खरीदी शुरू करे और किसानों को उनकी उपज का समय पर भुगतान सुनिश्चित करे। यदि सरकार ने जल्द फैसला नहीं लिया, तो किसान सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे और कांग्रेस उनके साथ खड़ी रहेगी।

जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम 1 अप्रैल को झिंझरी के सांदीपनि विद्यालय में होगा

» 4 अप्रैल को स्कूलों में होगा भविष्य से भेंट कार्यक्रम
» स्कूलों में होगा विशेष भोज
» 4 अप्रैल तक चलने वाले इस अभियान में आयोजित होंगी विभिन्न गतिविधियां
» कलेक्टर श्री तिवारी ने डीईओ और डीपीसी को अभियान के व्यवस्थित आयोजन के दिए निर्देश

लोकतंत्र कि शानआसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी - जिले में नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2026-27 एक अप्रैल से शुरू होगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इसे "स्कूल चलें हम" अभियान के रूप में मनाया जाएगा। कलेक्टर आशीष तिवारी ने जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक को अभियान के व्यवस्थित और सुचारु संपादन के संबंध में जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं। अभियान 4 अप्रैल तक चलेगा। अभियान के तहत कटनी जिले में 1 से 4 अप्रैल तक प्रतिदिन शालाओं में कार्यक्रम होंगे। कलेक्टर श्री तिवारी ने अभियान अवधि के दौरान जिले के शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। जिले में करीब 1 हजार 985 सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी स्कूल 1278, मिडिल स्कूल 531 तथा 176 हाई और हायर सैकेण्डरी स्कूल शामिल हैं। इसके अलावा अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन के 43 संस्थायें संचालित है, जहां बच्चों को नर्सरी और केजी की पढ़ाई कराई जाती है। इन सब स्कूलों को मिला कर जिले के शासकीय स्कूलों में लगभग 1 लाख 66 हजार छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं।

प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-कलेक्टर श्री तिवारी ने 1 अप्रैल को प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को सहभागी बनाने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित करने कहा है। प्रवेशोत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम सांदीपनि विद्यालय झिंझरी में होगा। कलेक्टर के निर्देश पर जिले में ऐसी व्यवस्था की गई है कि नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में ही विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें और साइकिल वितरण किया जाये।

सांस्कृतिक एवं खेल-कूद गतिविधियाँ-"स्कूल चलें हम" अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्री तिवारी के निर्देश पर 2 अप्रैल को शाला स्तर पर पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इसका उद्देश्य पालकों को विद्यालय से जोड़ना है। इसी दिन शाला में उपस्थित पालकों को शैक्षणिक स्टाफ द्वारा राज्य सरकार की स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। पिछले शैक्षणिक सत्र में जिन विद्यार्थियों की 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति रही है, उनके पालकों को सभा में सम्मानित किया जायेगा।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम-"स्कूल चलें हम" अभियान के तहत शनिवार 4 अप्रैल को शालाओं में "भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया जायेगा। इसी दिन राज्य शासन के अधिकारियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जायेगा। आमंत्रित अतिथि उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियां सुनाएंगे। इस दौरान सामाजिक संस्था एवं आमंत्रित व्यक्ति स्वेच्छा से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएं भेंट कर सकेंगे। कलेक्टर श्री तिवारी ने जिला परियोजना समन्वयक को जिले के अधिकारियों को किसी एक शाला में जाकर एक कालखण्ड में बच्चों के साथ संवाद करने के लिए ड्यूटी आदेश जारी करवाने के निर्देश दिये हैं।

चंदेह में शिव महापुराण के चौथे दिन गूँजा 'हर-हर महादेव', श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ शिव-पार्वती विवाह

लोकतंत्र की शान

सीधी। ग्राम चंदेह में आयोजित 11 दिवसीय शिव महापुराण कथा के चौथे दिन श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल के निदेशक श्री जितेंद्र सिंह 'जित्तू' के सौजन्य से आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में आज 'शिव-पार्वती विवाह' का प्रसंग सुनाया गया, जिसने पूरे वातावरण को शिवमय कर दिया।

विवाह प्रसंग का सजीव वर्णन-कथावाचक श्री हरिनारायण मिश्रा ने भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह के अलौकिक प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि माँ पार्वती की कठिन तपस्या से प्रसन्न होकर महादेव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया। कथा में जब शिव की विचित्र बारात और हिमालय राज के घर पहुँचे महादेव के स्वरूप का वर्णन हुआ, तो श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। भजनों की धुन पर भक्त झूम उठे और पूरा पंडाल 'जय भोलेनाथ' के जयघोष से गूँज उठा।

लोक कल्याण की भावना-आयोजक जितेंद्र सिंह ने बताया कि शिव-पार्वती का विवाह गृहस्थ जीवन के आदर्शों का प्रतीक है। क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति के संकल्प के साथ इस वर्ष भी यह भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा के विश्राम के पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर समस्त सिंह परिवार, इष्ट-मित्र और चंदेह सहित आसपास के गांवों के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। चौथे दिन की कथा ने भक्ति के साथ-साथ सामाजिक समरसता का भी अनुपम उदाहरण पेश किया।

कुपोषण से जूझ रही नवजात को मिली नई जिंदगी, एनआरसी कटनी बना सहारा

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। जिला चिकित्सालय कटनी के पोषण पुनर्वास केंद्र ने एक बार फिर अपनी उपयोगिता साबित करते हुए एक माह की नवजात बच्ची प्रिशा त्रिपाठी को नया जीवन दिया। गंभीर कुपोषण, डिहाइड्रेशन और अत्यंत कम वजन से जूझ रही इस मासूम को समय पर उपचार, सही पोषण और मां के सहयोग से स्वस्थ जीवन की राह पर लाया गया। विजयराघवगढ़ निवासी विवेक एवं जागृति त्रिपाठी अपनी 1 माह की बेटी को 30 जनवरी 2026 को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। बच्ची को लगातार दस्त और स्तनपान में कठिनाई हो रही थी। जांच में उसका वजन मात्र 1.685 किलोग्राम पाया गया और वह गंभीर डिहाइड्रेशन से ग्रसित थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे तत्काल पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती किया गया। यहां की विशेषज्ञ टीम ने उपचार की शुरुआत चिकित्सकीय आहार F-75 से की और साथ ही "कंगारू

मदर केयर (KMC)" पद्धति अपनाई, जिसमें मां और शिशु के बीच त्वचा से त्वचा संपर्क स्थापित कर स्तनपान को प्रोत्साहित किया जाता है। नियमित निगरानी और परामर्श के परिणामस्वरूप मात्र 8 दिनों में बच्ची ने पूरी तरह से मां का दूध लेना शुरू कर दिया।

अवैध रेत उत्खनन पर सीधी पुलिस का निरंतर प्रहारः सोन नदी से अवैध रेत परिवहन करता टाटा 407 वाहन जब्त

» पुलिस को देख वाहन छोड़कर भागा चालक; वन्य जीव संरक्षण एवं वन अधिनियम की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी श्री संतोष कोरी के कुशल निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अमन मिश्रा के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी जमोड़ी उप निरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व में सीधी पुलिस द्वारा अवैध रेत उत्खनन करने वालों के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में जमोड़ी पुलिस ने सोन नदी से अवैध रेत का उत्खनन कर परिवहन कर रहे एक टाटा 407 वाहन को जब्त करने में बड़ी सफलता प्राप्त की है।

घटना का विवरण-आज दिनांक 31/03/2026 को मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम भेलकी स्थित सोन नदी से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा है। सूचना की तस्दीक हेतु थाना प्रभारी जमोड़ी के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुँची। पुलिस टीम को देखते ही सोन नदी घाट पर रेत भर रहे पीले रंग के टाटा 407 वाहन क्रमांक MP 53 GA 3572 का चालक वाहन को तेज गति से लेकर भागने लगा। पुलिस द्वारा पीछा किए जाने पर चालक वाहन को आम रोड पर छोड़कर खेतों की ओर फरार हो गया।

जब्ती एवं वैधानिक कार्यवाही-पुलिस ने मौके पर वाहन की जाँच की, जिसमें अवैध रूप से उत्खनन की गई सोन नदी की बालू लोड पाई गई। वाहन के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज नहीं पाए गए। पुलिस ने निम्नलिखित मशरूका जब्त किया हैः

जब्त वाहन, टाटा 407 (पीला रंग), कीमती करीबन 1,50,000/-

जब्त सामग्रीः आंशिक लोड सोन नदी की बालू, कीमती करीबन 2,000/-

उल्लेखनीय है कि जिला पुलिस प्रशासन द्वारा अवैध उत्खनन पर यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

पंजीबद्ध धाराएं-अज्ञात चालक एवं वाहन स्वामी के विरुद्ध प्रथम दृष्टया BNS की धारा 303(2), 317(5), 3(5), खान एवं खनिज विकास अधिनियम, वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, भारतीय वन अधिनियम एवं एम.वी. एक्ट की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

कार्यवाही में शामिल टीम,

अवैध उत्खनन के विरुद्ध इस महत्वपूर्ण कार्यवाही में निम्नलिखित टीम की सराहनीय भूमिका रहीः

उप निरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी (थाना प्रभारी जमोड़ी)
सउनि रामबाबू दीपांकर
आरक्षक 449 सतीश तिवारी
आरक्षक 530 मानेन्द्र शुक्ला
आरक्षक 593 अंकित सिंह

ट्रम्प बोले- अमेरिका किसी देश की मदद नहीं करेगा

हमसे तेल खरीदो, नहीं तो हिम्मत दिखाओ और होर्मुज जाकर ले लो

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि अब अमेरिका किसी देश की मदद नहीं करेगा। देशों को खुद ही अपने हालात संभालने होंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ब्रिटेन जैसे देश जो होर्मुज स्ट्रेट से फ्यूल नहीं ले पा रहे हैं, उन्हें अमेरिका से तेल खरीदना चाहिए क्योंकि अमेरिका के पास इसकी कोई कमी नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि अगर देश चाहें, तो हिम्मत दिखाएं और खुद होर्मुज स्ट्रेट जाकर तेल ले लें। अमेरिका उनकी मदद के लिए नहीं आएगा, जैसे वे अमेरिका की मदद के लिए नहीं आए। अपने

बयान में उन्होंने यह भी कहा कि ईरान काफी हद तक कमजोर हो चुका है और सबसे मुश्किल काम पहले ही पूरा हो गया है। अब बाकी देश खुद जाकर अपना तेल ले सकते हैं।

अमेरिका ने ईरान में हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की: अमेरिका ने ईरान के इस्फहान शहर में एक बड़े हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की है। वॉल स्ट्रीट जर्नल रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला सोमवार रात को किया गया। इसके लिए 2000 पाउंड के बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल हुआ। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि इस डिपो में बड़ी मात्रा में हथियार और सैन्य सामग्री रखी गई थी, जिसे निशाना बनाया गया। बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल मजबूत और भूमिगत ठिकानों को तबाह करने के लिए किया जाता है। हमले के बाद डिपो में रखे हथियारों में विस्फोट होने से कई धमाके हुए और इलाके में आग के बड़े गुबार उठे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी सोशल मीडिया पर धमाकों का एक वीडियो शेयर किया है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प के नाम पर होगा फ्लोरिडा एयरपोर्ट का नाम, उनके घर के नजदीक यह हवाईअड्डा

वॉशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर राष्ट्रपति ट्रम्प के नाम पर रखने का फैसला लिया गया है। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस ने सोमवार को एक बिल पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर 'प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रम्प इंटरनेशनल एयरपोर्ट' किया जा रहा है। फ्लोरिडा सरकार के फैसले के बाद अब इस नाम को लागू करने के लिए फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) को औपचारिक प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसके बाद फ्लाइट चार्ट, नेविगेशन सिस्टम और एयरपोर्ट साइनेज में बदलाव किया जाएगा। FAA की मंजूरी मिलने पर 1 जुलाई से यह नाम लागू हो सकता है। ऐसा होने पर ट्रम्प पहले ऐसे राष्ट्रपति होंगे, जिनके कार्यकाल के दौरान ही उनके

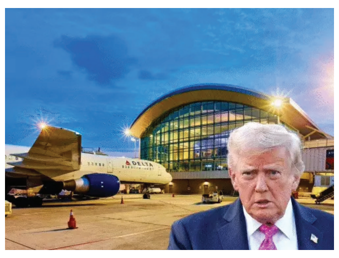

नाम पर एयरपोर्ट रखा जाएगा। पाम बीच इंटरनेशनल अमेरिका का नौवां ऐसा कमर्शियल एयरपोर्ट बन जाएगा, जिसका नाम किसी राष्ट्रपति पर होगा। यह एयरपोर्ट ट्रम्प के मार-ए-लागो एस्टेट के बेहद करीब है, जो उनका मुख्य निवास है। अमेरिका में किसी एयरपोर्ट का नाम बदलना सिर्फ एक प्रशासनिक फैसला नहीं होता, बल्कि इसमें स्थानीय, राज्य और फेडरल तीनों स्तरों पर प्रक्रिया शामिल होती है। अमेरिका के ज्यादातर एयरपोर्ट स्थानीय सरकार या एयरपोर्ट अथॉरिटी के नियंत्रण में होते हैं। सबसे पहले सिटी काउंसिल एयरपोर्ट बोर्ड नाम बदलने का प्रस्ताव पास करती है। अगर एयरपोर्ट राज्य के अधिकार में है, तो गवर्नर या स्टेट लेजिस्लेचर की मंजूरी जरूरी होती है। हालांकि कुछ मामलों में सिर्फ स्थानीय मंजूरी ही काफी होती है, लेकिन बड़े एयरपोर्ट के लिए राज्य का रोल अहम होता है।

इजराइल में फिलिस्तीनी अपराधियों को 90 दिन में फांसी, अपील करने का अधिकार खत्म

तेल अवीव। इजराइल की संसद (नैसेट) ने सोमवार को फिलिस्तीनी अपराधियों को सजा देने वाला बिल पास कर दिया है। इसके तहत वेस्ट बैंक के फिलिस्तीनियों को इजराइली नागरिकों की हत्या करने या आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने पर सीधे मौत की सजा दी जा सकेगी। इसमें अपील का भी कोई अधिकार नहीं होगा। सजा सुनाए जाने के 90 दिनों के अंदर फांसी दी जाएगी। यह कानून राष्ट्रवादी या आतंकवादी इरादे से की गई हत्याओं पर लागू होगा। हालांकि, अदालत को विशेष कारणों के तहत उम्रकैद की सजा देने का भी अधिकार होगा। यह बिल राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इत्तमार बेन ग्विर ने आगे बढ़ाया था। बिल पास होने के बाद बेन ग्विर और दूसरे सांसदों ने संसद में ही शैंपेन की बोतल खोलकर जश्न मनाया। उन्होंने कहा, "आज इजराइल खेल के नियम बदल रहा है, जो यहूदियों की हत्या करेगा, वह सांस नहीं ले सकेगा।" बेन ग्विर ने पहले

धमकी दी थी कि अगर बिल पर वोट नहीं कराया गया तो उनकी पार्टी सरकार से समर्थन वापस ले लेगी। इस बिल की मांग इजराइल के चरमपंथी दक्षिणपंथी गुट लंबे समय से करते आ रहे थे। वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों पर मिलिट्री कानून लागू होता है। इस बिल के जरिए मिलिट्री कोर्ट के नियमों में बदलाव कर दिया गया है, जिससे अब जज बिना सर्वसम्मति के भी मौत की सजा सुना सकेंगे। दूसरी ओर, इजराइली यहूदी बस्ती निवासी जो वेस्ट बैंक में रहते हैं, उनपर इजराइली सिविलियन कानून लागू होता है। इसका मतलब है कि उनका मुकदमा सामान्य इजराइली नागरिक अदालतों में चलता है। इसका नतीजा यह है कि एक ही इलाके में दो लोग एक ही तरह का अपराध करें, तो उन्हें अलग-अलग सजा दी जाएगी। इससे फिलिस्तीनियों के लिए मौत की सजा की आशंका बढ़ जाएगी।

पाकिस्तान की मशहूर त्वचा विशेषज्ञ डॉ. फजीला अब्बासी की मनी लॉन्ड्रिंग केस में अंतरिम जमानत बहाल

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पाकिस्तान की मशहूर त्वचा विशेषज्ञ डॉ. फजीला अब्बासी की अंतरिम जमानत 100,000 रुपये के ज़मानती बॉन्ड पर बहाल कर दी। इस मामले की सुनवाई जस्टिस मोहम्मद आजम खान की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने की। पीठ ने आगे की कार्यवाही के लिए उन्हें ट्रायल कोर्ट जाने का निर्देश भी दिया। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सुनवाई के दौरान डॉ. फजीला अब्बासी अपने वकील नईम बुखारी के साथ अदालत में पेश हुईं। इस बीच अभिनेता हमजा अली अब्बासी ने साफ किया कि वह अपनी बहन के मामले में शामिल नहीं हैं। वकील नईम बुखारी ने दलील दी कि डॉ. फजीला तीन बार अदालत में पेश हुई थीं। एक बार वह पेश नहीं हो सकीं और तीन दिन का मेडिकल सर्टिफिकेट जमा किया, इसके बावजूद उनकी जमानत रद्द कर दी गई थी। दलीलें सुनने के बाद पीठ ने अंतरिम जमानत बहाल कर दी। उल्लेखनीय है कि संघीय जांच एजेंसी ने डॉ. फजीला अब्बासी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि उनके 22 बैंक खातों में लगभग 25 अरब रुपये का टर्नओवर हुआ, जबकि उनकी घोषित सालाना आय केवल 400,000 रुपये से 600,000 रुपये के बीच थी। डॉ. फजीला अब्बासी प्रसिद्ध त्वचा विशेषज्ञ और सौंदर्य चिकित्सक हैं। वे इस्लामाबाद और दुबई में अपने क्लीनिक संचालित करती हैं। उन्हें पाकिस्तान में लेजर तकनीक और एडवांस्ड एस्थेटिक प्रक्रियाओं (जैसे डर्मल फिलर्स) को लोकप्रिय बनाने का श्रेय दिया जाता है। वह 'डॉ. फजीला अब्बासी स्किन एंड लेजर इंस्टीट्यूट' इस्लामाबाद की संस्थापक और सीईओ हैं और दुबई में 'यूरोमेड क्लीनिक' में भी प्रैक्टिस करती हैं। उन्हें सेलिब्रिटी डर्मेटोलॉजिस्ट माना जाता है।पाकिस्तान की कई मशहूर फिल्मी हस्तियां और राजनेता उनके ग्राहकों में हैं।

सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी का निधन, 67 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

पारामारिबो। दक्षिण अमेरिकी देश सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी का सोमवार को अचानक निधन हो गया। वह 67 वर्ष के थे। उनके निधन की पुष्टि देश की वर्तमान राष्ट्रपति जेनिफर सिमंस ने की। संतोखी ने वर्ष 2020 से 2025 तक सूरीनाम के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था। वह प्रोग्रेसिव रिफॉर्म पार्टी के अध्यक्ष भी थे और इससे पहले 2005 से 2010 के बीच देश के न्याय मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके थे। राष्ट्रपति जेनिफर साइमंस ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि संतोखी का सार्वजनिक जीवन में योगदान लंबे समय तक याद किया जाएगा। उन्होंने देश के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए उल्लेखनीय सेवाएं दीं। हालांकि, उनके निधन के कारणों का तत्काल खुलासा नहीं किया गया है। संतोखी के अचानक निधन से देश में शोक की लहर है और राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्रों से उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही है।

सूरत की बिल्डिंग में आग, 5 की मौत, इनमें चार महिलाएं, एक बच्चा शामिल, घर में रखा था 8 टन साड़ियों का स्टॉक

सूरत। गुजरात के सूरत में एक मकान में मंगलवार दोपहर को आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 4 महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पड़ोसियों से मिली जानकारी के मुताबिक, शहर के लिंबायत इलाके का यह मकान एक व्यापारी का है, जिसमें करीब 8 टन साड़ियों का स्टॉक रखा हुआ था। इससे घर में पैदल चलने तक की जगह नहीं बची थी। इसी के चलते आग इतनी तेजी से भड़की। किसी को बचने का मौका नहीं मिला। मरने वालों में एक बच्चे समेत 4 महिलाएं शामिल हैं। इनके नाम- शाहनाज बेगम अंसारी (उम्र 65 वर्ष), हुसा बेगम अंसारी (उम्र 18 वर्ष), शबीन अंसारी (उम्र 28), परवीन अंसारी (उम्र 19) और शुभान अंसारी (उम्र 4) शामिल हैं।

एमपी-राजस्थान समेत 5 राज्यों में बारिश के साथ ओले गिरे

एजेंसी, भोपाल/जयपुर/शिमला/मुंबई

वेस्टर्न डिस्टरबेंस ऐक्टिव होने के कारण 30 मार्च से 5 अप्रैल तक कई राज्यों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट है। सोमवार को मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत 5 राज्यों में बारिश के साथ ओले गिरे। मौसम विभाग के मुताबिक, आज 16 राज्यों में बारिश की संभावना है। वहीं दिल्ली में मंगवार सुबह धुंध छाई रही। राजस्थान के 6 जिलों में सोमवार शाम बारिश हुई, जिससे तापमान में 6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। मध्य प्रदेश के 8 जिलों में ओले गिरे। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर समेत चार जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। हिमाचल प्रदेश के रोहतांग में बर्फबारी हुई। जबकि शिमला के कुमारसैन में भारी बारिश से स्टोन फ्रूट की फसल को नुकसान पहुंचा। लद्दाख के द्रास में ताजा बर्फबारी से तापमान गिरा। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले के तुलैल इलाके में बड़ा एवलांच हुआ है।

बर्फबारी से बांदीपोरा–गुरेज रोड अभी बंद है और बर्फ हटाने का काम जारी है। अगले 24 घंटों में 2400 मीटर से ऊपर एवलांच

- **जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में एवलांच, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में बर्फबारी दिल्ली में धुंध छाई**

की चेतावनी है। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग, पहलगाम, गुरेज और सोनमर्ग-जोजिला जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का अलर्ट है। आर्मी ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में एक स्कूल हॉस्टल में फंसे 30 स्टूडेंट्स और चार टीचर्स समेत 34 लोगों को बचाया। ये लोग भारी बारिश की वजह से अचानक पानी का लेवल बढ़ने के बाद फंसे हुए थे।

लीबिया से ग्रीस जा रही प्रवासियों की नाव समुद्र में रास्ता भटकी, 22 की मौत

एजेंसी, ढाका

लीबिया से ग्रीस जा रही प्रवासियों की नाव समुद्र में रास्ता भटक गई। इस दौरान 22 लोगों की मौत हो गई। इनमें 12 युवा बांग्लादेश के नागरिक हैं। सुनामगंज के उपायुक्त मोहम्मद इलियास मिया ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन इस घटना के लिए जिम्मेदार मानव तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज करेगा।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, सुनामगंज के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजन सरकार ने बताया कि अब तक उन्होंने 12 नागरिकों की मौत की पुष्टि कर ली है। इनमें से छह लोग डेराई उपजिला के, पांच लोग जगन्नाथपुर उपजिला के और एक व्यक्ति दोराबाजार उपजिला का रहने वाला है। सुनामगंज के उपायुक्त मोहम्मद इलियास ने कहा कि इनके शव समुद्र से मिल गए हैं। 28 मार्च को बचाए गए 26 लोगों को ग्रीस के एक शिविर में रखा गया है।

उन्होंने बताया कि पुलिस, परिवार के सदस्यों, पड़ोसियों और

स्थानीय प्रतिनिधियों से बातचीत करने के बाद अब तक 12 मृतकों की पहचान की पुष्टि हो चुकी है। जान गंवाने वालों में मो. नूरुज्जमान सरदार मोयना (30), साजिदुर रहमान (28), साहन एहिया (25), मुजीबुर रहमान (38), तायक मिया,अबू फहीम, सोहनुर रहमान, शायेक अहमद, मो. नईम मिया, अमीनुर रहमान और मोहम्मद अली हैं।

पीड़ित परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि मानव तस्करों ने युवकों को 12 से 15 लाख टका के बदले इटली पहुंचाने का वादा करके फंसाया था। सबको सबसे पहले लीबिया ले जाया गया। उन्हें जबरदस्ती ठसाठस भरी नावों में बिठा दिया गया। पुलिस ने बताया कि ग्रीक कोस्ट गार्ड ने 28 मार्च को 26 लोगों को बचाया।

हैती में हथियारबंद गिरोह ने मचाया रक्तपात कम-से-कम 70 लोगों की जान ली

एजेंसी, पोर्ट-ऑ-प्रिंस

भीषण हिंसा से जूझ रहे कैरेबियाई देश हैती में हथियारबंद गिरोह ने हमला कर कम-से-कम 70 लोगों की जान ले ली। 30 से अधिक लोग हमले में घायल हैं जिनमें कई की हालत काफी गंभीर है। हैती के प्रमुख कृषि क्षेत्र आर्टिबोनिट में पेटिट-रिविएर के पास हुए इस हमले के दौरान 50 से अधिक घर जल कर राख हो गए। रविवार तड़के शुरू हुआ हमलावरों का उत्पात सोमवार तक जारी रहा। यह रक्तपात हाल के महीनों में दर्ज की गई कई सामूहिक हत्याओं में एक और कड़ी है। हालांकि पूरे घटनाक्रम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

मीडिया प्रतिष्ठान दी हैतियन टाइम्स के मुताबिक कलेक्टिव टू सेव आर्टिबोनिट ने रेडियो टेलीविजन कैरिब्स को बताया कि यह हमला 28 मार्च को शुरू हुआ था जो सोमवार तक जारी रहा। प्रत्यक्षदर्शियों ने

बताया कि बंदूकधारी बड़ी संख्या में इलाके में घुस आए और अंधाधुंध गोलियां चलाते हुए आम नागरिकों को निशाना बनाया। पुलिस और आत्मरक्षा समूहों के पहुंचने पर हमलावर कुछ देर के लिए पीछे हटे लेकिन उनके जाने के बाद वापस आकर हमला जारी रखा।

रविवार से सोमवार तक हिंसा जारी रही और तलाशी अभियान में और शवों के मिलने के साथ मृतकों की संख्या बढ़ती जा रही है। स्थानीय सहायता समूहों ने कम से कम 70 मौतों की पुष्टि की है लेकिन उन्होंने अंदेशा जताते हुए कहा कि मरने वालों की संख्या 85 से 100 तक पहुंच सकती है। इस हमले में 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को सेंट निकोलस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हमला आर्टिबोनिट कम्यून के पेटिट रिविएर क्षेत्र के जीन-डेनिस इलाके को निशाना बनाकर किया गया था। भारी हथियारों से लैस ग्रैन ग्रिफ गिरोह पर हमले का आरोप लगाया गया है, जो सैवियन क्षेत्र में सक्रिय विव अनसानसनम से संबद्ध है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता ने हैती में इस नरसंहार की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए जांच की मांग की। प्रवक्ता ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि हैती स्थित संगठन का कार्यालय बीआईएनयूएच, घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है और मृतकों की संख्या 10 से 80 के बीच बताई जा रही है। उन्होंने गहन जांच की मांग की। संयुक्त राष्ट्र की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार साल 2021 से हैती में आंतरिक हिंसा के कारण करीब 20,000 लोग मारे जा चुके हैं। मरने वालों की संख्या हर साल बढ़ रही है। राजधानी में बड़ी संख्या में गिरोहों को संगठित करने वाले ग्रैन ग्रिफ और विव अनसनम को अमेरिका ने आतंकवादी संगठन घोषित किया है। इन गिरोहों पर सामूहिक हत्या, सामूहिक दुष्कर्म, आगजनी, चोरी और हथियारों, नशीले पदार्थों और अंगों की तस्करी का आरोप है। इस महीने, अमेरिका ने उनकी वित्तीय गतिविधियों के बारे में जानकारी देने वाले को 30 लाख डॉलर तक का इनाम देने की घोषणा की है।

कोलकाता में भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ताओं में झड़प

एजेंसी, कोलकाता

कोलकाता में चुनाव आयोग ऑफिस (ECO) के बाहर मंगलवार को भाजपा और TMC कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। पुलिस के अनुसार, TMC समर्थित बूथ लेवल अधिकारियों (BLOs) का एक ग्रुप वोटर लिस्ट में हेरफेर के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा था। इस दौरान उन्होंने सुरक्षाबलों पर पथराव किया। इससे वहां खड़े वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। बाद में भाजपा के कार्यकर्ता भी वहां झंडा लेकर पहुंच गए। इसके बाद TMC प्रदर्शनकारियों की पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं से झड़प हो गई। पुलिस ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हल्का बल का प्रयोग किया गया। इधर बंगाल की CM ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि BJP बिहार, उत्तर प्रदेश के अवैध वोटरों को बंगाल के वोटर लिस्ट में शामिल करने की कोशिश कर रही है। ममता

ने X पर एक पोस्ट में कहा- भाजपा के एजेंटों को बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के ऑफिस में हजारों फर्जी फॉर्म 6 आवेदन जमा करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। यह वोटर हाइजैकिंग की कोशिश है।

भाजपा ने केरलम के मेनिफेस्टो में AIIMS और तिरुवनंतपुरम से कन्नूर तक हाई-स्पीड रेलवे नेटवर्क विकसित करने का वादा किया। पार्टी ने 'भक्ष्य आरोग्य सुरक्षा कार्ड' योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2500, बुजुर्गों, विधवाओं और जरूरतमंद महिलाओं को 3000 पेंशन देने की घोषणा की। भाजपा ने असम के लिए मेनिफेस्टो में लव जिहाद पर एक्शन, घुसपैठियों से कब्जाई जमीन वापस लेने, राज्य में UCC लागू करने, युवाओं को 5 साल में 2 लाख नौकरियां देने का वादा किया है। पत्र में कुल 31 वादे किए गए हैं। असम के लिए कांग्रेस ने 5 गारंटियां जारी की हैं। इसमें महिलाओं को नकद सहायता,

- **ममता का आरोप- भाजपा ने बंगाल में अवैध वोटरों के नाम जोड़ने की कोशिश की**

सीनियर सिटिजन को पेंशन, हर परिवार को 25 लाख तक का हेल्थ कवर, गायक जुबीन गर्ग को 100 दिन में न्याय और 10 लाख स्वदेशी लोगों को जमीन का अधिकार देने का वादा शामिल है। TVK चीफ विजय और उनकी पार्टी के 5 हजार कार्यकर्ताओं पर चुनाव के नियमों के उल्लंघन के आरोप में आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज हुआ। TMC के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश और बिहार से अवैध रूप से वोटर बंगाल के विभिन्न जिलों में लाए जा रहे हैं। बिहार के 800 वोटरों को मेदिनीपुर में जोड़ा गया है। भाजपा बंगाल की जनसांख्यिकी बदलना चाहती है।

असम में अब विकास और आधारभूत संरचना की होती है बात : राजनाथ सिंह

एजेंसी, गोलाघाट

असम विधान सभा चुनाव 2026 के मद्देनजर मंगलवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में चुनवी सभाओं में हिस्सा लेते हुए भाजपा सरकार के पूर्वोत्तर के विकास के लिए उठाए गये कदमों को गिनाया। उन्होंने कहा कि अब असम में विकास और आधारभूत संरचना की बात होती है। रक्षा मंत्री सिंह आज शोणितपुर जिले के तेजपुर और गोलाघाट जिला के देरगांव विधान सभा क्षेत्रों में चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने देरदाव में चुनावी सभा में उपस्थित लोगों से कहा कि कांग्रेस के कुशासन में असम की पहचान अशांति और इन्सर्जेंसी के साथ जुड़ी थी।

कांग्रेस ने असम समेत पूर्वोत्तर की अनदेखी की लेकिन अब असम में आधारभूत संरचना की बात होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर अपराध, अलगाववाद, नक्सलवाद और उग्रवाद से निकलकर प्रगति, विकास और समृद्धि की राह पर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में दशकों तक भ्रष्टाचार चरम पर था, लेकिन आज "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के तहत असम के लोगों को सुरक्षा, सम्मान और गरिमा वापस मिली है। कांग्रेस असम में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाकर वोट बैंक मजबूत करना चाहती है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के द्वारा राज्य में चलाए गये विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अगली सरकार में इसे और तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।

ईरान के इस्फहान शहर पर हमला, दुबई में विशाल टैंकर आग की लपटों से घिरा

एजेंसी, तेहरान/कुवैत सिटी/बेरूत/बगदाद

अमेरिका और इजराइल ने ईरान के ऐतिहासिक शहर इस्फहान पर जबरदस्त हमला किया है। इस शहर की आबादी लगभग 23 लाख है। यहां बदर मिलिट्री एयरबेस भी मौजूद है। जोरदार धमाकों और आग की लपटों से आज सुबह तक आसमान में दहशत रोशन रही। इस बीच कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने बताया है कि दुबई बंदरगाह पर विशाल तेल टैंकर 'अल-सलमी' पर ईरान के हमले के कारण आग लग गई है। कॉर्पोरेशन ने चेतावनी दी है कि इससे तेल फैल सकता है। उधर, हिजबुल्लाह ने इजराइली सेना पर हमलों का दावा किया है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने इस्फहान में हमले के कई वीडियो तैयार किए हैं। इस्फहान ईरान का तीसरा सबसे

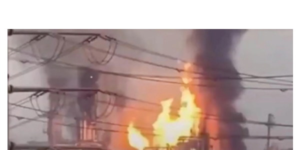

बड़ा और सांस्कृतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण शहरों में से एक है। यह ईरान का प्रमुख औद्योगिक केंद्र है। यहां कपड़ा और इस्पात की मिलें हैं। यहां ईरान का महत्वपूर्ण परमाणु केंद्र (नतंज) और सैन्य मिसाइल बनाने के कारखाने भी हैं। इसके कारण यह अकसर चर्चा में रहता है। इस बीच हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने उत्तरी इजराइल की मिसगाव अम बस्ती में एक सैन्य चौकी को निशाना बनाते हुए ड्रोन की बौछार कर दी।यही नहीं दक्षिणी लेबनान के अल-क़ंतारा और तैबेह कस्बों के बीच सड़क पर मौजूद एक इजराइली मर्कवा टैंक पर गाइडेड मिसाइल से हमला किया।

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश मिलकर लिखेंगे सुशासन और आध्यात्मिक पर्यटन की नई इबारत : मोहन यादव

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की एक नई इबारत लिखी जा रही है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सरकारें "विरासत के साथ विकास" के मंत्र को आत्मसात कर सुशासन और धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में साझा संस्कृति विकसित कर रही हैं। यह न केवल दोनों राज्यों के संबंधों को प्रगाढ़ करेगा, बल्कि जन-कल्याण के नए मार्ग भी प्रशस्त करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बातें मंगलवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में विश्व प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर के भ्रमण के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहीं। मुख्यमंत्री ने अपने वाराणसी भ्रमण की शुरूआत देवादिदेव महादेव श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन और पूजन के साथ किया। उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में विधि-विधान से पूजन कर मध्य प्रदेश की जनता की खुशहाली और निरंतर प्रगति की

मंगलकामना की। मुख्यमंत्री ने पावन गंगा घाट पहुँचकर पतित पावनी माँ गंगा के दर्शन किए। उन्होंने श्रद्धा व भक्ति भाव के साथ माँ गंगा का पूजन किया और गंगाजल से आचमन किया। दर्शन और पूजन के बाद उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ के धाम में आकर जो आध्यात्मिक शांति प्राप्त होती है, वह अद्भुत है।

काशी-महाकाल के बीच व्यवस्थाओं का साझा संगमः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वाराणसी भ्रमण के दौरान विश्व प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ और बाबा महाकाल के धामों के बीच व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण एमओयू किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य दर्शनार्थियों को सुगम और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर परिसर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वाराणसी के अनुभवों को मध्य प्रदेश के उज्जैन में होने वाले आगामी सिंहस्थ-2028 के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के न्यासियों के साथ बैठक की। बैठक में प्रेजेंटेशन से कॉरिडोर में तीर्थयात्री प्रबंधन, क्राउड कंट्रोल (भीड़ प्रबंधन), दर्शन व्यवस्था और मोबाइल ऐप आधारित टोकन सिस्टम का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज कुंभ और काशी कॉरिडोर के प्रबंधन से सीख लेकर हम उज्जैन में श्रद्धालुओं के लिए दूरगामी योजनाएं तैयार कर रहे हैं।

विज़न विकसित भारत 2047 की राह में भिक्षावृत्ति की गंभीर चुनौती-भिक्षुक महिलाओं, बुज़ुर्गों, बच्चों और युवाओं का भीख मांगना मजबूरी,पेशा या फिर आदत? सरकारों क़ो स्वतःसंज्ञान लेना अति आवश्यक -समग्र विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» विस्तृत होता भिक्षावृत्ति क्षेत्र- क़्या भ्रष्टाचार, प्रशासनिक लापरवाही और जागरूकता की कमी के कारण सरकारी सहायता वास्तविक ज़रूरतमंदों तक नहीं पहुंच पाती?

» भिक्षावृत्ति सामाजिक समस्या नहीं,बल्कि राष्ट्र के गौरव,शासन की प्रभावशीलता और विकास के वास्तविक स्वरूप पर गहन प्रश्न उठाने वाला मुद्दा है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत आज विकसित भारत 2047 के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। विश्व की चौथी बड़े सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ आर्थिक वृद्धि, डिजिटल क्रांति, वैश्विक कूटनीति और बुनियादी ढांचे के विस्तार के बीच एक ऐसा सामाजिक यथार्थ भी मौजूद है,जो इस विकास यात्रा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है और वह है भिक्षावृत्ति की व्यापक समस्या। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर महानगरों तक, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन,बाजार, धार्मिक स्थलों और यहां तक कि कॉर्पोरेट ऑफिसों के बाहर भी महिलाओं, बुजुर्गों युवाओं और बच्चों को भीख मांगते देखना एक आम दृश्य बन चुका है।यह केवल एक सामाजिकसमस्या नहीं, बल्कि राष्ट्र के गौरव,शासन की प्रभावशीलता और विकास के वास्तविक स्वरूप पर गहन प्रश्न उठाने वाला मुद्दा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब केंद्र और राज्य सरकारें महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और युवाओं के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं, तो फिर यह वर्ग भीख मांगने के लिए क्यों मजबूर है? क्या यह योजनाओं के क्रियान्वयन में कमी का संकेत है? या फिर यह समस्या कहीं अधिक जटिल है,जिसमें आर्थिक असमानता सामाजिक बहिष्कार मानसिक स्वास्थ्य,शिक्षा की कमी और संगठित अपराध जैसे कारक भी शामिल हैं?यह स्पष्ट है कि भिक्षावृत्ति को केवल गरीबी से जोड़कर देखना एक सरलीकरण होगा; यह एक बहुआयामी समस्या है,जिसके समाधान के लिए बहुस्तरीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है। साथियों बात अगर हम यदि हम गहराई से विश्लेषण कर इस मुद्दे को समझने की करें तो, भिक्षावृत्ति के पीछे तीन प्रमुख कारण उभरकर सामने आते हैं,मजबूरी, पेशा और आदत। मजबूरी के अंतर्गत वे लोग आते हैं, जो वास्तव में आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर हैं, जिनके पास कोई स्थायी आय का स्रोत नहीं है, और जो सामाजिक सुरक्षा तंत्र से वंचित रह गए हैं। पेशा के रूप में भिक्षावृत्ति उन संगठित गिरोहों से जुड़ी होती है, जो बच्चों और महिलाओं को जबरन भीख मंगवाते हैं। वहीं, आदत के रूप में भिक्षावृत्ति उन लोगों में देखी जाती है, जिन्होंने इसे एक आसान आय का साधन मान लिया है। इन तीनों श्रेणियों के लिए एक समान समाधान संभव नहीं है; प्रत्येक के लिए अलग-अलग नीति और रणनीति की सटीक आवश्यकता है।

साथियों बात अगर मेरे द्वारा की गई प्रस्तुत ग्राउंड रिपोर्टिंग को समझने की करें तो,महाराष्ट्र के अंतिम शोर पर बसी राइस सिटी गोंदिया में हर मंगलवार को एक विशेष दिन के रूप में भिक्षावृत्ति का मेला लगा रहता है यहां केवल लोकल ही नहीं है बाहर से भी महिलाओं बुजुर्गों बच्चों युवाओं के रूप में अनेक भिक्षुक भिक्षा मांगने आते हैं जो मैंने इस मंगलवार 31 मार्च 2026 को दिन भर ग्राउंड रिपोर्टिंग करके दिखा ज़ो यह दर्शाता है कि यह समस्या केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक भी बन चुकी है। जब समाज में कुछ दिन या अवसर विशेष रूप से भिक्षा दान के लिए निर्धारित हो जाते हैं,तो अनजाने में हम भिक्षावृत्ति को प्रोत्साहित भी कर देते हैं। यह स्थिति एक दुष्चक्र को जन्म देती है, जहां दान देने वाला स्वयं को पुण्य प्राप्त करने वाला मानता है और लेने वाला इसे एक स्थायी आय का स्रोत बना लेता है। साथियों अब यदि हम सरकारी योजनाओं और वित्तीय प्रावधानों की बात करें, तो दिनांक 31 मार्च 2026 को सरकारी रेडियो व संचार के अनेक माध्यमों से यह समाचार बताए जा रहे थे कि 15वें वित्त आयोग द्वारा स्थानीय निकायों को दी जाने वाली राशि,जैसे कि अभी 2 दिन पूर्व लगभग 2 करोड़ 36 लाख 805 रुपए का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी स्तर पर बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना,रोजगार के अवसर बढ़ाना और सामाजिक कल्याण को सुनिश्चित करना है। यह राशि पंचायतों और नगर निकायों के माध्यम से स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों पर खर्च की जाती है। लेकिन यहां मूल समस्या आवंटन नहीं, बल्कि कार्यान्वयन है। यदि यह धन सही तरीके से लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे, तो भिक्षावृत्ति जैसी समस्याओं में निश्चित रूप से कमी आ सकती है। परंतु अक्सर देखा जाता है कि भ्रष्टाचार, प्रशासनिक लापरवाही और जागरूकता की कमी के कारण यह सहायता वास्तविक जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पाती। इसके अतिरिक्त, कई बार योजनाएं इतनी जटिल होती हैं कि आम व्यक्ति उनके लाभ तक पहुंच ही नहीं पाता। डिजिटल प्रक्रियाएं, दस्तावेजों की आवश्यकता और सरकारी दफ्तरों के चक्कर ये सब उन लोगों के लिए बड़ी बाधाएं बन जाती हैं, जो पहले से ही हाशिए पर हैं। परिणाम स्वरूप, वे आसान रास्ता चुनते हैं भीख मांगना। इस संदर्भ में यह भी आवश्यक है कि हम भिक्षावृत्ति को केवल कानून और व्यवस्था का मुद्दा न मानें, बल्कि इसे मानवाधिकार और सामाजिक न्याय के दृष्टिकोण से भी देखें। यदि कोई बुजुर्ग सड़क पर भीख मांग रहा है, तो यह केवल उसकी व्यक्तिगत विफलता नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राज्य तीनों की सामूहिक विफलता है। यदि कोई बच्चा भीख मांग रहा है, तो यह सीधे-सीधे उसके शिक्षा और संरक्षण के अधिकार का उल्लंघन है।

साथियों बात अगर हम भिक्षावृत्ति को कानूनी एंगल से समाप्त करने को समझने की करें तो भीख मांगने की समस्या केवल कानून से नहीं,बल्कि सामाजिक-आर्थिक सुधार, पुनर्वास और मानवीय दृष्टिकोण से ही प्रभावी रूप से हल हो सकती है। फिर भी, मेरे द्वारा बनाए गए इन 10 कानूनी ढांचों क़ो यदि सरकार एक सख्त और समग्र ढांचा बनाना चाहे, तो निम्नलिखित 10 संभावित कानून (या विधेयक) बनाए जा सकते हैं: (1) भिक्षावृत्ति निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम-यह कानून सार्वजनिक स्थानों पर भीख मांगने पर रोक लगाएगा और साथ ही भिक्षुकों के लिए अनिवार्य पुनर्वास केंद्रों की व्यवस्था करेगा।(2) बाल भिक्षावृत्ति संरक्षण अधिनियम-इस कानून के तहत बच्चों से भीख मंगवाने वालों पर कठोर दंड (जेल + भारी जुर्माना) लगाया जाएगा तथा बच्चों को शिक्षा और संरक्षण दिया जाएगा।(3)वरिष्ठ नागरिक संरक्षण एवं पुनर्वास कानून- बुजुर्गों को भीख मांगने की स्थिति में पहुंचाने वाले परिजनों या जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई और बुजुर्गों के लिए आश्रय व पेंशन की व्यवस्था। (4) महिला भिक्षावृत्ति उन्मूलन अधिनियम-महिलाओं को भीख मांगने के लिए मजबूर करने वाले गिरोहों या व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और महिलाओं के लिए सुरक्षित पुनर्वास योजनाएं।(5) संगठित भिक्षावृत्ति गिरोह नियंत्रण कानून-भीख मंगवाने वाले माफिया/गिरोहों के खिलाफ विशेष कानून, जिसमें मानव तस्करी और जबरन भिक्षावृत्ति को गंभीर अपराध माना जाए।(6) अनिवार्य कौशल विकास एवं रोजगार अधिनियम-पुनर्वास के दौरान भिक्षुकों को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराना अनिवार्य बनाया जाए।(7) सार्वजनिक स्थानों पर भीख निषेध कानून-रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, धार्मिक स्थल, बाजार आदि में भीख मांगने परप्रतिबंध और उल्लंघन पर दंड। (8) सामाजिक सुरक्षा एवं न्यूनतम आय गारंटी कानून- गरीब और बेघर लोगों के लिए न्यूनतम आय, भोजन, आवास और स्वास्थ्य सुविधाओं की कानूनी गारंटी ताकि वे भीख मांगने के लिए मजबूर न हों।(9) दान विनियमन एवं पारदर्शिता कानून- सार्वजनिक स्थानों पर सीधे भीख देने पर रोक और दान को अधिकृत संस्थाओं/एनजीओ के माध्यम से देने की व्यवस्था। (10) पुनर्वास केंद्र नियमन एवं निगरानी अधिनियम- सभी पुनर्वास केंद्रों के लिए मानक तय करना, नियमित निरीक्षण और मानवाधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना।यह 10 संभावित कानून इस समस्या के समाधान के लिए एक मजबूत ढांचा प्रस्तुत करते हैं। भिक्षावृत्ति निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम, बाल भिक्षावृत्ति संरक्षण अधिनियम, महिला और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष कानून ये सभी आवश्यक कदम हैं। विशेष रूप से संगठित भिक्षावृत्ति गिरोहों पर कठोर कार्रवाई अत्यंत जरूरी है, क्योंकि यह केवल आर्थिक शोषण नहीं, बल्कि मानव तस्करी का भी एक रूप है।परंतु भीख मांगने पर केवल प्रतिबंध लगाना पर्याप्त नहीं होगा। यदि कानून के साथ,शिक्षा,रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और पुनर्वास को जोड़ा जाए, तभी यहसमस्या जड़ से खत्म हो सकती है अन्यथा सख्त कानून केवल समस्या को छिपाएंगे,खत्म नहीं करेंगे।हालांकि, केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं होगा। भारत में पहले से ही कई राज्यों में भिक्षावृत्ति विरोधी कानून मौजूद हैं, लेकिन उनका प्रभाव सीमित रहा है। इसका मुख्य कारण यह है कि कानून अक्सर दंड पर केंद्रित होते हैं,जबकि समस्या का समाधान पुनर्वास और "सशक्तिकरण" में निहित है। यदि किसी व्यक्ति को भीख मांगने के लिए गिरफ्तार कर लिया जाए, लेकिन उसके लिए कोई वैकल्पिक आजीविका का साधन न हो, तो वह रिहा होने के बाद फिर उसी स्थिति में लौट आएगा।इसलिए, आवश्यक है कि पुनर्वास केंद्रों को केवल आश्रय स्थल न बनाकर, उन्हें कौशल विकास और रोजगार सृजन के केंद्रों में परिवर्तित किया जाए। अनिवार्य कौशल विकास एवं रोजगार अधिनियम जैसे प्रावधान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यदि भिक्षुकों को प्रशिक्षण देकर उन्हें छोटे व्यवसाय, हस्तशिल्प, सेवा क्षेत्र या अन्य क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराया जाए, तो वे आत्मनिर्भर बन सकते हैं।साथ ही, सामाजिक सुरक्षा एवं न्यूनतम आय गारंटी जैसे उपाय भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि प्रत्येक नागरिक को न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी मिले जिसमें भोजन, आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा शामिल हो तो भिक्षावृत्ति की आवश्यकता स्वतः कम हो जाएगी। इसके अलावा, दान की संस्कृति को भी पुनर्परिभाषित करने की आवश्यकता है। सीधे भीख देने के बजाय, लोगों को अधिकृत संस्थाओं और एनजीओ के माध्यम से सहायता प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।यहां मीडिया और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। अक्सर हम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अन्य देशों की आर्थिक स्थिति पर व्यंग्य करते हैं, लेकिन अपने देश की जमीनी हकीकत को नजर अंदाज कर देते हैं। यदि हमें वास्तव में विकसित भारत बनना है, तो हमें अपने भीतर की समस्याओं का ईमानदारी से सामना करना होगा। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि भिक्षावृत्ति की समस्या का समाधान एक समग्र दृष्टिकोण में निहित है जहां कानून, सामाजिक सुधार, आर्थिक सशक्तिकरण और मानवीय संवेदनाएं एक साथ काम करें। यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज, परिवार और प्रत्येक नागरिक की भी जिम्मेदारी है। हमें यह समझना होगा कि भिक्षावृत्ति को समाप्त करना केवल "देश की छवि" सुधारने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह करोड़ों लोगों को गरिमापूर्ण जीवन देने का संकल्प है।यदि हम इस समस्या को गंभीरता से लेते हैं और समन्वित प्रयास करते हैं, तो न केवल भिक्षावृत्ति में कमी लाई जा सकती है, बल्कि हम वास्तव में एक ऐसे भारत का निर्माण कर सकते हैं, जहां किसी को भी अपनी जीविका के लिए हाथ फैलाने की आवश्यकता न पड़े। यही सच्चे अर्थों में विकसित भारत 2047 का मार्ग है जहां विकास केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन में परिलक्षित हो।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9226229318

भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हैं हनुमान

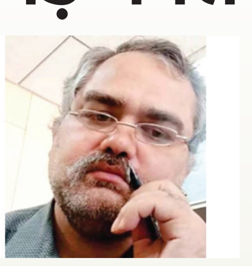

लेखक -संजय गोस्वामी

ज्योतिषीयों के सटीक गणना के अनुसार हनुमान जी का जन्म 58 हजार 112 वर्ष पहले त्रेतायुग के अन्तिम चरण में चैत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र व मेष लग्न के योग में सुबह 6.03 बजे भारत देश में आज के झारखण्ड राज्य के गुमला जिले के आंजन नाम के छोटे से पहाड़ी गाँव के एक गुफा में हुआ था,कहा जाता है किवर्षों की घोर तपस्या के बाद माता अंजना ने एक विलक्षण बुद्धि के बालक को जन्म दिया। चत्रै शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार को मध्य रात्रि में अंजना के गर्भ से भगवान शिव अपने रुद्रदेह को त्याग कर वानररुप हनुमान बन कर अवतरित हुए। भगवान शिव ने ग्यारहवें रुद्र के रुप में अंजना के गर्भ से जन्म लिया, इसलिये शास्त्रों में हनुमानजी को रुद्रावतार कहा गया है। माता अंजना पूर्वजन्म में पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा थी। रावण जब देवलोक गया तो इसके रूप और तेज को देख कर मोहित हो गया। रावण ने कामुक होकर इसका हाथ पकड़ लिया।अपना हाथ छुड़ा कर क्रोधित पुंजिकस्थली सीधे ब्रह्माजी के पास गई और कहा, 'आपका वरदान पाकर ऐसे दुष्ट स्वभाव के लोग देवलोक में विचरण करते रहते हैं और आपके शरणागतों के साथ अत्याचार, अनाचार करते हैं।' ब्रह्माजी ने रावण से कहा, 'यदि आज के बाद तुम किसी परायी स्त्री को बुरी नजर से देखोगे तो तुम्हारे सिरके टुकड़े-टुकड़े हो जायेंगे।' अप्सरा इससे संतुष्ट नहीं हुई। उसने ब्रह्माजी से कहा, 'मैं इससे स्वयं बदला लूँगी।'अत्रि मुनि के शाप के कारण इसी पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा ने कुंजर वानर के यहाँ जन्म लिया जिसका नाम अंजना (अंजनि) रखा गया। अंजना का विवाह वानरराज केसरी से हुआ। केसरी राक्षसों को मार कर ऋषियों की रक्षा किया करते थे। ऋषियों ने प्रसन्न होकर केसरीजी को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारा होने वाला बालक बल, बुद्धि और विद्या से परिपूर्ण होगा। बड़ा होकर श्रीराम का अनन्य भक्त बनेगा व सारे संसार में पूजनीय एवं वंदनीय होगा।अंजना और केसरी सुमेरु पर्वत से किष्किंधा चले गये। अंजना ने मतंग ऋषि के आश्रम में एक हजार वर्ष तक तपस्या की। इसके बाद सौ वर्ष तक वैंकटेश्वर पर्वत पर तपस्या की। इस अवधि में केसरीजी ने उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। जब अंजना तपस्या कर रही थी तो त्रिदेव उनके पास पहुँचे। अंजना ने उनसे वरदान माँगा कि मेरे होने वाले पुत्र की सभी शक्तियाँ आपकी शक्तियों से बढ़ कर हों । पुत्र इस संसार में असुरों का नाश करे और देवताओं की रक्षा करे। त्रिदेव ने तथास्तु कह दिया।सृष्टि के संहारक भगवान रुद्र ने अपने प्रिय हरि की अधिकाधिक सेवा करने व कलिकाल में भक्तों की रक्षा करने के लिये पवनदेव के पुत्र और वानरराज केसरी के क्षेत्रज पुत्र के रुप में अवतरित होने का निर्णय लिया। पवनदेव ने भी अंजना को वरदान दिया कि मैं अपनी बलरुपी वह शक्ति जिससे तीनों लोक कंपायमान हो जाते हैं, तुम्हारे पुत्र को प्रदान करुँगा।जन्म के समय इनका नाम मारुति रखा गया। यह माना जाता है कि, भगवान शिव ने पृथ्वी पर मनुष्य के रुप पुनर्जन्म 11वें रुद्र अवतार के रुप में हनुमान वनकर जन्म लिया; क्योंकि वे अपने वास्तविक रुप में भगवान श्री राम की सेवा नहीं कर सकते थे। मारुति को भूख लगी लेकिन कुछ खिलाने-पिलाने के लिये अंजना माता घर पर नहीं थी। उसी समय उदयाचल से उदित हो रहे अरुणाम सूर्य को मारुति ने मीठा फल समझ लिया। वे तुरन्त आकाश में उड़े और सूर्य तक पहुँच गए। मारुति को सूर्य की ऊष्मा से बचाने के लिये पवनदेव उसी समय भी पीछे-पीछे चल रहे थे।राहु भी अपनी सेना सहित वहाँ पहुँच गया। मारुति ने इसे भी मीठा फल समझ लिया और उस पर लपके। राहु शिकायत करने इन्द्रदेव के पास पहुंच गया। इस बीच मारुति ने राहु की राक्षसी सेना का अंत कर दिया। मारुति ने सूर्य को मीठा फल समझ कर अपने मुख में रख लिया। इन्द्र ने मारूति पर वज्र से प्रहार किया तो वे मूर्छित हो गये।

नक्सलवाद के बाद भीसरकार को बहुत कुछ करना होगा

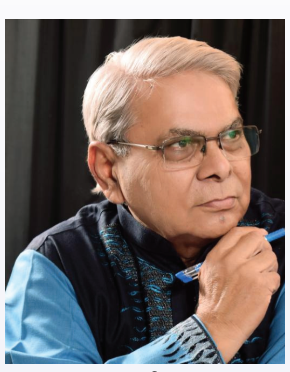

अशोक मधुप वरिष्ठ पत्रकार

काफी पहले केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। मार्च 2026 की अवधि से एक दिन पहले ही गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बड़ी घोषणा की । नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री ने कहा कि देश में नक्सलवाद अब लगभग समाप्त हो चुका है। आदिवासी इलाकों में असली न्याय पहुंचा है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि 2014 के बाद केंद्र सरकार की सख्त नीति, सुरक्षा अभियान और विकास योजनाओं के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्र में तेजी से विकास करा रही है। शिक्षा के लिए स्कूल और उपचार के लिए वहां अस्पताल खुल रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद की जड़ें खत्म हो रही हैं और आदिवासियों की आवाज अब संसद तक पहुंची है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने समस्या को बढ़ने दिया। मोदी सरकार के फैसलों से हालात बदले हैं। उन्होंने कहा कि नक्सल विचारधारा आदिवासियों को गुमराह करती है और अब देश नक्सलवाद मुक्त बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने साफ कहा कि सरकार ने नक्सलियों से बातचीत नहीं, बल्कि उन्हें खत्म कर विकास को आगे बढ़ाने का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि जो हथियार उठाएगा, उसे कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने दावा किया कि नक्सलियों का पूरा केंद्रीय नेतृत्व, पोलित ब्यूरो और कमेटी अब खत्म हो चुकी है। काफी मारे गए, बहुतों ने सरेंडर किया । कुछ अभी फरार हैं। शाह ने कहा कि देश अब नक्सलमुक्त होने की स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि कई बड़े ऑपरेशन जैसे बुढ़ा, थंडरस्टॉर्म और ब्लैक फॉरेस्ट चलाए गए। इनमें भारी मात्रा में हथियार, आईईडी फैक्ट्री और अनाज बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा के बड़े इलाके अब नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुके हैं। सुरक्षा बलों और स्थानीय पुलिस की भूमिका को उन्होंने अहम बताया। केंद्रीय गृहमंत्री ने बताया कि आजादी के समय देश संसाधनों की कमी और विकास की चुनौतियों से जूझ रहा था। कई दूर-दराज के इलाकों तक सरकार की पहुंच नहीं थी, सड़कों और सुविधाओं का अभाव था। ऐसे हालात में कुछ संगठनों ने इन कमजोरियों का फायदा उठाया। जहां राज्य की पकड़ कम थी, उन्हीं इलाकों को रेड कॉरिडोर बनाया गया। भोले-भाले आदिवासियों को भेदभाव और शोषण के नाम पर भड़काया गया और उनके हाथों में हथियार थमा दिए गए। हकीकत यह है कि इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध भेदभाव नहीं, बल्कि विकास की कमी थी, जिसका इस्तेमाल कर हिंसा को बढ़ावा दिया गया। शाह ने बताया कि केंद्र सरकार ने ऑल एजेंसी अप्रोच अपनाई। इसमें सीएपीएफ, राज्य पुलिस और खुफिया एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाया गया। फंडिंग और स्पोर्ट सिस्टम पर प्रहार किया गया। सरेंडर नीति लागू की गई। इसमें आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक मदद और पुनर्वास दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने हर गांव तक अपनी पहुंच बनाई, इससे नक्सलवाद कमजोर हुआ। उन्होंने दावा किया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विकास हुआ। हजारों किलोमीटर सड़कें बनीं, मोबाइल टावर लगाए गए, बैंक, एटीएम और डाकघर खोले गए। शिक्षा के लिए एकलव्य स्कूल, आईटीआई और कौशल केंद्र बनाए गए। उन्होंने कहा कि विकास ही नक्सलवाद खत्म करने का सबसे बड़ा कारण बना। शाह ने कहा कि नक्सलवाद गरीबी से नहीं, बल्कि विचारधारा से पैदा हुआ। उन्होंने कहा कि यह विचारधारा लोकतंत्र में विश्वास नहीं करती और बंदूक के जरिए सत्ता चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासियों को बरगलाकर उनके हाथ में हथियार दिए गए और विकास को रोका गया। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार आगे भी सख्ती और विकास दोनों पर काम जारी रखेगी। उन्होंने आदिवासी समाज को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा और विकास सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अब देश बंदूक से नहीं, संविधान से चलेगा और यही असली जीत है। गृह मंत्री के अनुसार, जिस "रेड कॉरिडोर" का विस्तार कभी पशुपति से तिरुपति तक माना जाता था, वह अब सिमटकर केवल कुछ जिलों तक रह गया है। 2014 में जहाँ 126 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित थे, वहीं 2025-26 तक यह संख्या घटकर मात्र एक अंक में रह गई है। छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग, जो कभी नक्सलियों का अभेद्य किला माना जाता था। अब वह सुरक्षा बलों के नियंत्रण में है और वहां विकास की किरणें पहुँच रही हैं। सरकार के इन दावों की पुष्टि जमीनी आंकड़ों से भी होती है। पिछले कुछ वर्षों में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। सुरक्षा बलों की शहादत के आंकड़ों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। "ऑपरेशन कगार" और "ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट" जैसे लक्षित अभियानों के माध्यम से सुरक्षा बलों ने नक्सली नेतृत्व की कमर तोड़ दी है। 2025 के दौरान ही 300 से अधिक नक्सली मारे गए । इनमें कई शीर्ष कमांडर शामिल थे। इसके साथ ही, हजारों की संख्या में कैडरों ने आत्मसमर्पण किया है,। यह समर्पण इस बात का प्रतीक है कि अब इस विचारधारा का आकर्षण खत्म हो रहा है। इतना सब होने के बावजूद , इन सफलताओं के बावजूद नक्सलवाद की चुनौतियां पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। सबसे बड़ी चुनौती भौगोलिक विषमता है। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ जैसे घने वन क्षेत्र आज भी सुरक्षा बलों के लिए कठिन परीक्षा बने हुए हैं। नक्सलियों ने अपने पैर पीछे जरूर खींचे हैं, लेकिन वे पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। वे अक्सर घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों का लाभ उठाकर छापामार हमले करने की ताक में रहते हैं। इसके अलावा, "अर्बन नक्सलिज्म" या वैचारिक उग्रवाद एक नई चुनौती बनकर उभरा है। शहरों में बैठे कुछ बौद्धिक समूह नक्सलियों को वैचारिक और रसद सहायता प्रदान करते हैं। इससे इस समस्या की जड़ें गहरी बनी रहती हैं। जब तक इन वैचारिक और वित्तीय नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त नहीं किया जाता, तब तक उग्रवाद के पुनर्जीवित होने का खतरा बना रहेगा। एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती स्थानीय आदिवासियों के बीच विश्वास की बहाली है। दशकों से विकास की मुख्यधारा से कटे होने के कारण, कई क्षेत्रों में ग्रामीण अब भी सुरक्षा बलों को संदेह की दृष्टि से देखते हैं। नक्सली अक्सर इस अविश्वास का फायदा उठाते हैं और ग्रामीणों को ढाल के रूप में उपयोग करते हैं। सुरक्षा बलों और स्थानीय जनता के बीच के इस "गवर्नेंस वैक्यूम" को भरना एक लंबी प्रक्रिया है। केवल सड़कों या मोबाइल टावरों का निर्माण पर्याप्त नहीं है; लोगों को यह महसूस कराना होगा कि सरकार उनकी संस्कृति और अधिकारों की रक्षक है। इसके साथ ही, पड़ोसी राज्यों के बीच समन्वय की कमी भी कई बार बाधा बनती है, क्योंकि नक्सली एक राज्य में दबाव बढ़ने पर दूसरे राज्य की सीमा में शरण ले लेते हैं। विकास के मोर्चे पर, सरकार को "नियत नेल्लानार" (आपका अच्छा गांव) जैसी योजनाओं को और विस्तार देना चाहिए, जो अंतिम छोर तक बुनियादी सुविधाएं पहुँचाने पर केंद्रित हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण सबसे प्रभावी हथियार है। जब आदिवासियों के बच्चों के पास स्कूल होंगे और उनके युवाओं के पास रोजगार के अवसर होंगे, तो नक्सलियों की भर्ती प्रक्रिया स्वतः ही बंद हो जाएगी। कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना नक्सली विचारधारा के ताबूत में आखिरी कील साबित हो सकता है। साथ ही, वन अधिकारों (फोरेस्ट राइट एक्ट) का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा ताकि आदिवासियों को अपनी जमीन पर मालिकाना हक का अहसास हो और वे उग्रवाद के बहकावे में न आएं। मान्यता है कि , नक्सलवाद का पूर्ण उन्मूलन केवल बंदूकों के दम पर संभव नहीं है। वास्तव में ऐसा भी नही हैं। कभी श्रीलंका में लिट्टे बहुत मजबूत संगठन था। उसके लड़ाके बेमिसाल थे। श्रीलंका के साथ भारतवर्ष को भी वह प्रभावित कर रहा था। इस पर भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी (1991), श्रीलंकाई राष्ट्रपति प्रेमदासा रनसिंघे (1993) सहित कई लोगों की हत्या का आरोप है। श्रीलंका सरकार से इस संगठन को खत्म करने का निर्णय लिया। एक झटके में 2009 में लिट्टे पूरी तरह खत्म हो गया। न श्रीलंका सरकार ने उसके लड़ाकों को फुसलाया। न समर्पण के लिए कहा। बंदूक के बल पर लिट्टे को खत्म कर दिया। भारत सरकार तो नक्सलवाद को खत्म करने के लिए इन्हें समझाने और आत्म समर्पण के लिए प्रेरित कर रही है। सरकार को अपनी आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति को और अधिक उदार और प्रभावी बनाना चाहिए, ताकि भटक चुके युवा बिना किसी डर के मुख्यधारा में लौट सकें। इस सबके लिए तकनीकी और खुफिया तंत्र को भी मजबूत करना होगा। आधुनिक तकनीक का उपयोग करके नक्सली गतिविधियों पर नजर रखना और उन्हें समय रहते रोकना संभव है। इसके अलावा, राज्यों और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय भी आवश्यक है, क्योंकि नक्सलवाद कई राज्यों में फैला हुआ है। इससे निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों की जरूरत होती है। मजबूत इच्छा शक्ति की भी आवश्यक्ता है।

अशोक मधुप (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

मूर्ख दिवसः हमारा मजाक न बने किसी की पीड़ा का कारण

लेखक - योगेश कुमार गोयल

विश्वभर में 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'मूर्ख दिवस' केवल एक साधारण दिन नहीं बल्कि हंसी, उल्लास और हल्के-फुल्के मजाक का ऐसा अवसर है, जो लोगों को रोजमर्रा की तनावपूर्ण जिंदगी से कुछ पल के लिए राहत प्रदान करता है। इस दिन छोटे-बड़े, बच्चे-बुजुर्ग, सभी एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं और बिना किसी दुर्भावना के हंसी-ठिठोली के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना देते हैं। इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इसमें किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं। लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं। कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है। यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि बड़े मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक 'प्रैंक्स' के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं। इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं। 1957 में बीबीसी ने 'स्पेगेटी ट्री' की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विट्जरलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है। हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया। इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया। डिजिटल युग में यह परंपरा और भी व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी 'अप्रैल फूल' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं। मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं। एक प्रचलित धारणा के अनुसार, प्राचीन समय में कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था। जब कैलेंडर प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरुआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे। ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई। भारतीय संस्कृति में भले ही यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है।

मुझ पर गुलाबी जर्सी अच्छी लगती है....

● सीएसके को एक ही ओवर में दो झटके देने के बाद बोले रवींद्र जडेजा

गुवाहाटी। आईपीएल 2026 में रवींद्र जडेजा की जर्सी का रंग बदल गया है। जडेजा अब जानी-पहचानी सीएसके की पीली जर्सी की जगह राजस्थान रॉयल्स की गुलाबी जर्सी में दिख रहे हैं। जडेजा ने कहा है कि उन पर गुलाबी जर्सी अच्छी लगती है। सोमवार को बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में सीएसके के खिलाफ मैच में जडेजा ने बेहतरीन गेंदबाजी की। सीएसके की पारी की समाप्ति के बाद आरआर में लौटने और अपनी गेंदबाजी पर जडेजा ने बातचीत की। आरआर में अपनी वापसी पर इस दिग्गज ऑलराउंडर ने कहा कि मुझे लगता है कि मुझ पर गुलाबी रंग अच्छा लगता है। जडेजा ने सीएसके को एक ही ओवर में दो झटके दिए। उन्होंने सरफराज खान और शिवम दुबे जैसे खतरनाक बल्लेबाजों को एक ही ओवर में आउट कर सीएसके की कमर तोड़ दी। उन्होंने तीन ओवर में 18 रन देकर दो विकेट लिए।

मुंबई के होटल के कमरे में फर्श पर पड़ा मिला आईपीएल इंजीनियर का शव

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग के रोमांच के बीच मुंबई से एक दुखद खबर सामने आई है। टूर्नामेंट के ब्रॉडकास्ट क्रू का हिस्सा रहे 76 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक इयान विलियम्स लैंगफोर्ड की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। वह मुंबई के मरीन ड्राइव स्थित मशहूर ट्राइडेंट होटल में ठहरे हुए थे, जहां सोमवार को उनका शव कमरे के फर्श पर पड़ा मिला। जानकारी के मुताबिक, इयान 24 मार्च से ही आईपीएल की कवरेज के सिलसिले में होटल में रुके थे। 29 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मुकाबले के बाद वह अपने कमरे (नंबर 2715) में लौट गए थे। अगले दिन यानी 30 मार्च को जब होटल रिसेप्शन से उन्हें फोन किया गया, तो वहां से कोई जवाब नहीं आया। बार-बार संपर्क करने की कोशिश नाकाम होने के बाद होटल स्टाफ उनके कमरे तक पहुंचा।जब कमरे के अंदर से कोई हलचल महसूस नहीं हुई, तो स्टाफ ने मास्टर की का इस्तेमाल कर दरवाजा खोला। अंदर का नजारा हैरान करने वाला था–इयान जमीन पर बेसुध गिरे हुए थे। होटल के इन-हाउस डॉक्टर को तुरंत मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना की सूचना मिलते ही मरीन ड्राइव पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने फिलहाल इसे आकस्मिक मृत्यु के तौर पर दर्ज किया है। शव का पोस्टमार्टम करा लिया गया है और शुरुआती रिपोर्ट में अभी तक किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि या साजिश के संकेत नहीं मिले हैं। पुलिस अब इस मामले के हर पहलू को खंगाल रही है ताकि मौत के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके।

वैभव सूर्यवंशी का तूफान!
15 साल, 15 गेंदों में फिफ्टी...

52 रन
17 गेंद

➲ राजस्थान रॉयल्स को मिली चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एकतरफा जीत

गुआहाटी, एजेंसी। सोमवार रात आईपीएल- 2026 के अपने पहले ही मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने धमाका कर दिया। उन्होंने महज 15 गेंदों में अर्धशतक जड़ते हुए 17 गेंदों पर 52 रन ठोक डाले। उनकी इस विस्फोटक पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 128 रनों का लक्ष्य सिर्फ 12.1 ओवरों में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया।दरअसल, सूर्यवंशी की 15 गेंदों में अर्धशतक वाली पारी ने उन्हें रातोरात चर्चा का केंद्र बना दिया। जिस आत्मविश्वास और निडरता के साथ उन्होंने बड़े-बड़े शॉट लगाए, जिससे यह साफ हो गया कि इस खिलाड़ी में कुछ खास है। पावरप्ले में गेंदबाजों पर दबाव बनाना और मैच का रुख बदल देना- ये गुण आमतौर पर अनुभवी खिलाड़ियों में देखने को मिलते हैं, लेकिन सूर्यवंशी ने इतनी कम उम्र में यह कर दिखाया।हालांकि, इस पूरे उत्साह के बीच क्रिकेट के जानकारों और पूर्व खिलाड़ियों ने एक अहम संदेश दिया है- टैलेंट साफ दिख रहा है, लेकिन टीम इंडिया का टिकट अभी पक्का नहीं है।

लंबे समय तक अच्छा प्रदर्शन करना होगा

सूर्यवंशी सिर्फ प्रतिभाशाली नहीं, बल्कि मैच-विनर बनने की क्षमता भी रखते हैं। यही वजह है कि उन्हें 'फ्यूचर स्टार' के तौर पर देखा जाने लगा है। लेकिन क्रिकेट के दिग्गज इस उत्साह में संतुलन बनाए रखने की सलाह दे रहे हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबति रायडू और पीयूष चावला ने साफ कहा है कि इंटरनेशनल क्रिकेट का स्तर बिल्कुल अलग होता है, जहां सिर्फ टैलेंट से काम नहीं चलता। उनके मुताबिक, सूर्यवंशी को अभी निरंतरता और मैच सिचुएशन की समझ पर काम करने की जरूरत है। एक-दो शानदार पारियां किसी खिलाड़ी को चर्चा में जरूर ला सकती हैं, लेकिन टीम इंडिया में जगह बनाने के लिए लंबे समय तक लगातार प्रदर्शन करना पड़ता है।सूर्यवंशी की उम्र इस पूरी चर्चा का सबसे अहम पहलू है। 15 साल की उम्र में वह अभी क्रिकेट के शुरुआती चरण में ही हैं। इस स्तर पर खिलाड़ी का मानसिक विकास, दबाव झेलने की क्षमता और तकनीकी मजबूती तीनों ही चीजें समय के साथ बेहतर होती हैं। ऐसे में चयनकर्ताओं के लिए यह जरूरी हो जाता है कि वे खिलाड़ी को जल्दबाजी में इंटरनेशनल क्रिकेट में न धकेलें।भारतीय टीम में मौजूदा प्रतिस्पर्धा भी किसी से छिपी नहीं है। टॉप ऑर्डर में पहले से कई स्थापित बल्लेबाज मौजूद हैं, जो लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में सूर्यवंशी के लिए सीधा टीम इंडिया में जगह बनाना आसान नहीं होगा।ऐसे में सही रास्ता यही है- धीरे-धीरे आगे बढ़ना और हर स्तर पर खुद को साबित करना। अगर सूर्यवंशी इस प्रक्रिया से गुजरते हैं, तो न सिर्फ उनका खेल निखरेगा, बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों के लिए भी पूरी तरह तैयार हो पाएंगे।दूसरी ओर, जल्दबाजी में लिया गया फैसला उनके करियर के लिए नुकसानदेह भी हो सकता है। कई बार देखा गया है कि बहुत कम उम्र में बड़े मंच पर उतारे गए खिलाड़ी दबाव में आकर अपनी लय खो देते हैं। ऐसे में चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे खिलाड़ी के विकास को प्राथमिकता दें।हालांकि, यह भी सच है कि सूर्यवंशी ने जिस तरह का टैलेंट दिखाया है, उसे ज्यादा समय तक नजरअंदाज करना भी मुश्किल होगा। अगर वह इसी तरह लगातार रन बनाते रहे और बड़े मैचों में खुद को साबित करते रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब उन्हें टीम इंडिया की जर्सी पहनने का मौका मिल सकता है।

जन्मदिन पर इसलिए नहीं काटा केक

आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में वैभव सूर्यवंशी का तूफान देखने को मिला।इस 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन से सबका दिल जीत लिया है।हालांकि, उन्होंने सिर्फ अपने खेल से नहीं, बल्कि मैच के बाद अपने मजेदार बयान से भी सुर्खियां बटोरी हैं।मैच के बाद जब वैभव सूर्यवंशी से उनके जन्मदिन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने हंसते हुए एक दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने कहा, 'मैंने जन्मदिन पर कुछ खास नहीं किया।केक काटने का प्लान था, लेकिन मैं जल्दी सो गया ताकि केक चेहरे पर लगाने से बच सकूं।' उनका यह जवाब सुनकर कमेंटेटर हंस पड़े।दरअसल, क्रिकेट टीमों में अक्सर जन्मदिन पर खिलाड़ी केक काटने के बाद एक–दूसरे के चेहरे पर केक लगा देते हैं, जिससे बचने के लिए वैभव ने यह तरीका अपनाया।हालांकि वैभव ने अपने जन्मदिन पर कोई जश्न नहीं मनाया, लेकिन तीन दिन बाद मैदान पर उन्होंने शानदार अंदाज में अपनी खुशी जाहिर की।उन्होंने सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक जड़कर सीएसके के खिलाफ टीम को आठ विकेट से शानदार जीत दिलाई।इस मैच में पहले गेंदबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल्स ने ष्टस्न्न को 127 रन पर समेट दिया।इसके बाद टीम ने सिर्फ 12.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।अपने बल्लेबाजी प्लान को लेकर वैभव ने बताया, 'प्लान था कि पावरप्ले में अच्छी तरह से खेलें।शुरुआत में विकेट थोड़ा मुश्किल था, लेकिन जैसे–जैसे गेंद पुरानी हुई, बैट पर अच्छी तरह आने लगी।मैं डिफेंस के बारे में भी सोचता हूं, लेकिन छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले बहुत अहम होता है।अगर उस समय गेंदबाज हावी हो जाएं तो मैच पलट सकता है, लेकिन हमारा पावरप्ले शानदार रहा।' वैभव सूर्यवंशी ने बताया कि टीम मैनेजमेंट और सीनियर खिलाड़ियों ने उन्हें अपने प्राकृतिक खेल पर टिके रहने की पूरी आजादी दी है।

सौरव गांगुली ने किया बीसीसीआई का समर्थन, हर जगह खेले जाएं टेस्ट

कोलकाता। भारत के पूर्व कप्तान और बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली चाहते हैं कि ईडन गार्डंस पर ज्यादा से ज्यादा टेस्ट हों लेकिन उन्हें यह देखकर भी खुशी होती है कि पारंपरिक प्रारूप के मैच गुवाहाटी और रांची जैसे केंद्रों पर खेले जा रहे हैं।बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह भारतीय क्रिकेट टीम के 2026-27 के घरेलू सत्र का ऐलान करते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के टेस्ट कोलकाता और मुंबई जैसे पारंपरिक केंद्रों पर नहीं कराने का फैसला किया है। ये मैच 21 जनवरी से 25 फरवरी तक नागपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे।

गांगुली ने स्पोर्ट्सस्टार की किताब 'मिरेकल एट ईडन' के विमोचन से इतर कहा, 'ईडन गार्डंस पर बड़े टेस्ट मैच होते देखना हमेशा अच्छा लगता है। कैब के अध्यक्ष और पूर्व खिलाड़ी होने के नाते मैं चाहता हूं कि यहां टेस्ट मैच हो लेकिन हमने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट की मेजबानी की थी। इसके बाद टी20 विश्व कप के मैच हुए और अब आईपीएल के मैच भी यहां हो रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'हम सभी चाहते हैं कि ईडन पर ज्यादा मैच हो लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि दूसरे मैदानों पर भी मैच होने चाहिए।'

गुवाहाटी नवंबर 2025 में ही टेस्ट केंद्र बना और वहां एक साल के भीतर दूसरा टेस्ट होने जा रहा हैं। वहीं अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर पिछले साल अक्टूबर में ही टेस्ट हुआ था। वानखेड़े स्टेडियम पर आखिरी टेस्ट नवंबर 2024 में खेला गया था। कैलेंडर के अनुसार कोलकाता (तीन जनवरी , 2027) और मुंबई (9 जनवरी, 2027) में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे होंगे जबकि दिल्ली में इस साल 13 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ वनडे खेला जाएगा।

पहली बार इस मसले पर बोलते हुए पूर्व अध्यक्ष ने कहा, 'पूरे भारत में अच्छे स्टेडियम है। चेन्नई, गुवाहाटी और रांची में टेस्ट होते देखकर अच्छा लगता है। वहां सुविधायें काफी अच्छी है।' वहीं भारत के पूर्व स्पिनर वेंकटपति राजू ने कहा, 'हमारे समय में कोलकाता, कानपुर, चेन्नई , दिल्ली और मुंबई में ही टेस्ट होते थे। उसका अपना आकर्षण था और मुझे लगता है कि फिर ऐसा ही होना चाहिए।'

गांगुली ने इस मौके पर यह भी कहा कि ईडन गार्डंस पर 2001 की टीम के मिलने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा, 'हम ईडन पर यह समारोह करेंगे। इस महीने की शुरूआत में होना था लेकिन सचिन तेंदुलकर के बेटे की शादी के कारण देर हो गई।'

व्यापार

आज भारत में भी एलपीजी के रेट अपडेट होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान–अमेरिका–इजरायल जंग की आग अब सड़क से रसोई तक पहुंच गया है।यह आंच भारत में भी देखने को मिल रही है।सप्लाई को लेकर अधिकतर देश त्रस्त हैं।वहीं, कई देशों में एलपीजी भी महंगी हुई है।कल 1 अप्रैल भारत में भी एलपीजी के रेट अपडेट होंगे।हालांकि, इससे पहले आज देखें प्रमुख शहरों में एलपीजी सिलेंडर के आज के क्या रेट हैं सप्लाई को लेकर क्या कोई अपडेट है और एलपीजी संकट को लेकर किसे और किस नंबर पर कॉल करें भारत के कई देशों में कहीं लंबी कतारें, तो कहीं बुकिंग में देरी।एक अदद गैस सिलेंडर के लिए हर कोई परेशान है।पैनिक बाइंग की वजह से गैस एजेंसियों के आगे तड़के तीन बजे से ही लंबी कतारें लग जा रही हैं।ऐसे में अगर आपको सप्लाई से संबंधित कोई दिक्कत आ रही है तो कुछ हेल्पलाइन नंबर नीचे हैं, उनका प्रयोग कर सकते हैं।केंद्र सरकार घरेलू उपभोक्ताओं और सीएनजी परिवहन के लिए 100 फीसदी प्राकृतिक गैस उपलब्ध करा रही।रविवार को 95 फीसदी एलपीजी की बुकिंग ऑनलाइन की गई।पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए ये जानकारी दी।एशिया और यूरोप के कई देशों में कीमतें 60 से 70 प्रति लीटर या उससे ऊपर पहुंच चुकी हैं।भारत में भी 7 मार्च को रेट में 115 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई।वहीं, कंबोडिया में एलपीजी की कीमत में तेज उछाल देखा गया है।एलपीजी के दाम 6.2 प्रतिशत बढ़कर 3,200 रियाल (करीब 0.80 डॉलर) से 3,400 रियाल (करीब 0.85 डॉलर) प्रति लीटर तक पहुंच गए हैं।

पेट्रोल-डीजल से टैक्स घटाने के बाद सस्ता हो गया तेल

नई दिल्ली, एजेंसी। युद्ध के बीच पिछले दिनों सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर 10-10 रुपये टैक्स घटाया था। इसका असर ये है कि कच्चे तेल में उछाल के बावजूद आज भी भारत पेट्रोलियम समेत ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के रेट नहीं बढ़ाए हैं। युद्ध के बीच पिछले दिनों सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर 10-10 रुपये टैक्स घटाया था। इसका असर ये है कि कच्चे तेल में उछाल के बावजूद आज भी भारत पेट्रोलियम समेत ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के रेट नहीं बढ़ाए हैं। अगर सरल शब्दों में कहें तो इस टैक्स की कटौती से भारत के पेट्रोल-डीजल उपभोक्ता रेट में एक बड़ी बढ़ोतरी से बच गए। जब कच्चे तेल की सप्लाई में रुकावटों के चलते कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम पहले से ही बढ़ चुके हैं वहीं, भारत के उपभोक्ताओं के लिए यह मंगलवार भी राहत लेकर आया है। 30 मार्च की सुबह छह बजे जारी रेट के मुताबिक दिल्ली के इंडियन ऑयल के पंपों पर साधारण पेट्रोल की रिटेल कीमत 94.77 और डीजल 87.67 रुपये लीटर है। जबकि, पेट्रोल 101.89 और ड्डत्त डीजल 91.49 रुपये प्रति लीटर है। भारत में सबसे सस्ता तेल पोर्ट ब्लेयर में पेट्रोल 82.46 प्रति लीटर है तो डीजल 78.05 प्रति लीटर। आज पश्चिम बंगाल के शहरों की बात करें तो अलीपुर में पेट्रोल 104.99 प्रति लीटर, बहरामपुर में 106.12, बारासात में 105.24, वर्धमान में 105.33, कूचबिहार में 106.14, हुगली में 105.52, हावड़ा में 104.99 लीटर है।

रुपये में ऐतिहासिक गिरावट: क्या हैं इसके पीछे के कारण और आगे की राह

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को पहली बार 95 का स्तर पार कर गया। अगर कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं और विदेशी निवेशकों की निकासी जारी रहती है तो रुपया 98 के स्तर को भी छू सकता है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को पहली बार 95 का स्तर पार कर गया। हालांकि, बाद में यह कुछ संभला और अंत में 94.78 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। एक महीने में रुपया करीब चार फीसदी गिर चुका है। वहीं, इस वित्त वर्ष में रुपया 11% से ज्यादा टूट चुका है। वित्त वर्ष 2013 के बाद रुपये का यह सबसे खराब प्रदर्शन है। इससे कारोबारियों और निवेशकों की चिंता बढ़ती जा रही है।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, पश्चिम एशिया संघर्ष के 31वें दिन में प्रवेश करने से बाजारों में अनिश्चितता बनी रही और रुपये में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। सोमवार के कारोबारी सत्र में रुपये में 165 पैसे का भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। शुरुआत रुपया 93.62 प्रति डॉलर पर खुला

और फिर मजबूत होकर 93.57 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। यह पिछले बंद स्तर के मुकाबले 1.28 रुपये की बढ़त थी। यह मजबूती इसलिए आई, क्योंकि आरबीआई ने बैंकों के लिए एक दिन के लिए रखी जाने वाली 'नेट ओपन पोजिशन' की सीमा घटाकर 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर कर दी।

हालांकि, बाद में रुपया अपनी यह गति बरकरार नहीं रख सका और डॉलर के मुकाबले गिरकर ऑल टाइम लो 95.22 पर आ गया। अंत में रुपया 94.78 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा, जो पिछले बंद भाव 94.85 से सात पैसे अधिक है।

भारतीय रुपया वित्त वर्ष 2013-14 के आर्थिक संकट के बाद अपनी सबसे बड़ी गिरावट का सामना कर रहा है। उस दौरान रुपया पूरे वित्त वर्ष के दौरान 10.6 रुपये के करीब लुढ़का था, जबकि चालू वित्त में यह गिरावट 11 रुपये तक पहुंच गई है। रुपये पर दबाव बढ़ने के पीछे कई कारण हैं। इनमें सबसे बड़ा कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, विदेशी निवेश का भारत से बाहर जाना, बढ़ता व्यापार घाटा और सोने का ज्यादा आयात शामिल है। साथ ही गिरावट का एक कारण यह भी है कि आरबीआई अब रुपये को एक निश्चित स्तर पर रोकने की बजाय धीरे-धीरे कमजोर होने दे रहा है ताकि विदेशी मुद्रा भंडार पर ज्यादा दबाव न पड़े।

हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक स्थिति को संभालने के लिए कदम उठा रहा है, लेकिन तेल की बढ़ती कीमतें, विदेशी निवेश की निकासी और व्यापार घाटा रुपये पर दबाव बनाए हुए हैं। इससे यह भी संकेत मिल रहे हैं कि बाजार में भारी अस्थिरता है और निवेशकों का भरोसा डगमगा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं और विदेशी निवेशकों की निकासी जारी रहती है तो रुपया 98 के स्तर को भी छू सकता है। लेकिन अगर तेल की कीमतें कम होती हैं और विदेशी निवेश वापस आता है, तो रुपये में सुधार भी हो सकता है। 2013 जैसा बड़ा आर्थिक संकट अभी नहीं है। आरबीआई अब पहले की तरह रुपये को बचाने के लिए बहुत ज्यादा डॉलर नहीं बेच रहा है, बल्कि वह धीरे-धीरे रुपये को कमजोर होने दे रहा है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि विदेशी मुद्रा भंडार सुरक्षित रहे और अगर संकट लंबा चले तो देश के पास डॉलर की कमी न हो। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री गौरा सेनगुप्ता ने कहा कि आरबीआई विदेशी मुद्रा भंडार को बचाकर रखना चाहेगा।

आठ साल बाद हुई कार्रवाई पर उठाए सवाल

बॉन्ड की गलत बिक्री और... इस्तीफे पर पहली बार बोले एचडीएफसी बैंक के पूर्व चेयरमैन

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक के पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने इस्तीफे के बाद पहली बार मीडिया के सामने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोमवार को कहा कि एटी-1 बॉन्ड की गलत बिक्री और बैंक के खराब प्रदर्शन के कारण उन्होंने इस्तीफा दिया था। एटी-1 (अतिरिक्त टियर-1) बॉन्ड के कारण बैंक पर नियामकों ने सवाल उठाये थे। चक्रवर्ती ने कहा कि प्रबंधन के साथ व्यक्तिगत मतभेद बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए हैं और इस महीने की शुरुआत में दिए गए इस्तीफे का कारण यह बिल्कुल भी नहीं था। उन्होंने कहा कि मूल्यों और नैतिकता में अंतर के कारण ही उन्होंने बोर्ड (निदेशक मंडल) से इस्तीफा दिया।

समाचार चैनल सीएनबीसी टीवी-18 के साथ बातचीत में, चक्रवर्ती ने खेद व्यक्त किया कि बैंक प्रबंधन द्वारा एटी-1 बॉन्ड की गलत जानकारी देकर की गई बिक्री को तकनीकी मुद्दा माना गया और इस मामले में कार्रवाई आठ साल बाद हुई, जबकि दुबई और भारत के नियामकों ने पहले ही इस मुद्दे को उठाया था।

उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि (गलत बिक्री से उत्पन्न) इस तरह की गतिविधियों संबंधी मुद्दे नहीं उठने चाहिए। कड़ी निगरानी से यह सुनिश्चित होना चाहिए कि यदि वे उठते भी हैं, तो उन्हें शुरुआत में ही रोक दिया जाए। चक्रवर्ती ने कहा कि इस तरह की चीजों से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने याद दिलाया कि लोग सलाह लेने के लिए बैंक आते हैं, इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए कि गलत बिक्री

न हो, क्षतिपूर्ति देने की गतिविधियां मूल्यों के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कहा- प्रोत्साहन संरचनाएं, प्रबंधन और बोर्ड को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे जमाकर्ताओं, शेयरधारकों और आम जनता के हितों के अनुरूप काम करते हैं। बता दें कि पिछले साल सितंबर में, दुबई के अधिकारियों ने एचडीएफसी बैंक को दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर स्थित अपनी शाखा में नए ग्राहक जोड़ने से रोक दिया था। यह रोक क्रेडिट सुइस के अतिरिक्त टियर-1 बॉन्ड की कथित गलत बिक्री के लिए जुर्माने रूप में लगाई गई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)